हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 02, अंकः-191, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.
लखनऊ, मंगलवार 24 दिसम्बर 2024

हरगांव पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दो अन्तर्जनपदीय...02

दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्र की रोड का बोर्ड भी साफ ...06

मुख्यमंत्री योगी ने महाकुम्भ के तैयारियों का लिया जायजा, दिया निर्देश

महाकुम्भ शुरू होने के पूर्व कार्यों को समय से पूरा करने का निर्देश

प्रयागराज, (संवाददाता)। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को महाकुम्भ से जुड़ी तैयारियों का जायजा लेने संगमनगरी पहुंचे। उन्होंने सर्वप्रथम अरैल स्थित टेंट सिटी का जायजा लिया। इसके उपरान्त दशाश्वमेध घाट पहुंचे, इसके बाद सीएम ने मेला प्राधिकरण कार्यालय में अफ़सरों संग बैठक की। उन्होंने स्वरूपरानी अस्पताल के न्यू ओपीडी ब्लॉक और बर्न वार्ड का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री योगी का हेलीकॉप्टर डीपीएस ग्राउंड में उतरा। यहां से सीधे वह अरैल घाट पर तैयार हो रहे टेंट सिटी पहुंचे और समय के भीतर कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। अधिकारियों ने उन्हें तैयारियों के बारे में जानकारी दी। इसके उपरांत सीएम गंगा तट पर स्थित दशाश्वमेध घाट पहुंचे। यहां पर उन्होंने पूरे विधि विधान से महादेव का पूजन कर आरती उतारी। पूजन करने के बाद सीएम योगी का काफ़िला मेला प्राधिकरण कार्यालय पहुंचा। जहां मुख्यमंत्री अधिकारियों के साथ बैठक करके महाकुम्भ के तैयारियों की जानकारी ली। मेलाधिकारी विजय किरन आनंद ने तैयारियों के बारे में मुख्यमंत्री को जानकारी दी। सीएम के साथ कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, एके शर्मा, नंद गोपाल गुप्ता नन्दी के साथ सांसद प्रवीण पटेल, एमएलसी सुरेंद्र चौधरी, विधायक सिद्धार्थनाथ सिंह, हर्षवर्धन बाजपेई, दीपक पटेल, महापौर गणेश केसरवानी आदि उपस्थित रहें। सीएम योगी ने अधिकारियों से मेले की तैयारियों के बारे में चर्चा की। प्रोजेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री को परियोजनाओं की जानकारी दी गई। इसमें रिवर फ्रंट, नागवासुकी मंदिर घाट पर हुए कार्यों के साथ, दारागंज, संगम क्षेत्र, अलोपीबाग फ्लाईओवर से लेकर पांटून पुल निर्माण आदि के बारे में जानकारी दी गई। इसके बाद सीएम योगी ने स्वरूपरानी अस्पताल में न्यू ओपीडी ब्लॉक और बर्न वार्ड का निरीक्षण किया। यहां पर चल रहे अन्य कार्यों की जानकारी ली। स्वरूपरानी हॉस्पिटल में मुख्यमंत्री के आगमन पर एक घंटे से ही ट्रामा सेंटर के बाहर मरीजों को रोक दिया गया था। इससे लोगों को काफ़ी परेशानियों का सामना करना पड़ा। इसके बाद मुख्यमंत्री रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करने पहुंचे।

जहां एनसीआर के महाप्रबंधक उपेन्द्र जोशी ने रेलवे की तैयारियों के बारे में अवगत कराया। यहां से सीएम सूबेदारगंज सेतु का निरीक्षण करने निकले। जहां उन्होंने निरीक्षण के बाद समय से कार्य को पूरा करने का निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने टेंट सिटी का किया निरीक्षण

प्रयागराज, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाकुम्भ मेला क्षेत्र के टेंट सिटी का निरीक्षण करने के बाद ई तिरपलसी कार्यालय में पहुंचे। पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे हैं। महाकुंभ मेला को सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को समीक्षा करने प्रयागराज पहुंचे। अरैल स्थित टेंट सिटी का मुख्यमंत्री ने निरीक्षण किया। वहां से मेला क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए दशाश्वमेध-घाट पर पूजा अर्चना किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ई त्रिपल सी कार्यालय में पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक किया।

मां गंगा के दशाश्वमेध घाट पर पहली बार श्रद्धालुओं को पक्का घाट देखने को मिलेगा: मुख्यमंत्री योगी

प्रयागराज, (संवाददाता)। महाकुंभ 2025 में आने वाले श्रद्धालुओं को पहली बार मां गंगा के तट पर रिवर फ्रंट पक्का घाट दशाश्वमेध घाट पर देखने को मिलेगी। यह बात सोमवार को ई त्रिपल सी कार्यालय में महाकुंभ मेले के मद्देनजर चल रही तैयारियों की समीक्षा बैठक करने के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मीडिया से वार्ता करते हुए कही। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म के सबसे बड़े पर्व महाकुंभ 2025 को सकुशल सम्पन्न कराने को लेकर चल रही तैयारियो में मेला क्षेत्र में 20 हजार से अधिक संतो, संगठनों अन्य संस्थाओं, 13 अखाड़ों समेत सभी संस्थाओं का पंजीकरण करके भूमि आवंटन प्रक्रिया से जोड़ा गया है। इतना ही नहीं तीर्थ पुरोहित, पंडा, प्रयागवाल, सभी को जमीन आवंटन किया जा रहा है। खाक चौक समेत सभी का आवंटन हो चुका है। इसके साथ उन्हें अन्य उपयोगी सुविधाओं का लाभ दिया जा रहा है। अब तक जो भी प्रगति हुई उसकी समीक्षा मैंने आज यहां की। उन्होंने कहा कि पान्टून पुल इस महाकुम्भ 22 से बढ़ाकर 30 कर दिया गया है। अब तक 20 पान्टून पुल बनकर तैयार हो चुके है अन्य बचे हुए कार्य को 30 दिसम्बर तक सभी पान्टून पुल बना लिए जाएगे। मेला क्षेत्र में कुल 651 किलोमीटर चकई प्लेट बिछाना है। इस तरह जल निगम विभाग, सिंचाई विभाग के प्रयास से मां गंगा में अविरल गंगा जल उपलब्ध है। अन्य वर्षो की अपेक्षा बड़ा गंगा जलराशि भी मां गंगा के आशीर्वाद से मिला है। वह स्वच्छ एवं शुद्ध है और आचमन योग है। प्रधानमंत्री ने बंधवा स्थित बड़े हनुमान कॉरिडोर, नागवासुकी कॉरिडोर का पहली बार महाकुंभ आने वाले श्रद्धालुओं को देखने को मिलेगा। भगवान राम और निषाद राज के मिलन स्थल पर तैयार हुए श्रृंगवेरपुर धाम कॉरिडोर के साथ ही त्रिवेणी पुष्प कॉरिडोर जो पूर्व राज्यपाल पंडित केसरीनाथ त्रिपाठी की परिकल्पना को भी साकार करने के लिए पर्यटन विभाग और परमार्थ आश्रम के साथ मिलकर तैयार किया गया है।

पीलीभीत में 3 खालिस्तानी आतंकियों का एनकाउंटर

पंजाब में थाने पर हमला किया था, 2 एके-47 और कारतूस बरामद, 2 सिपाही जख्मी

पीलीभीत, एजेंसी।

यूपी के पीलीभीत में 3 खालिस्तानी आतंकियों को एनकाउंटर में मार गिराया गया। पीलीभीत पुलिस और पंजाब पुलिस ने सोमवार तड़के यह ऑपरेशन किया। सभी आतंकी खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स (केजेडएफ) के सदस्य थे। इन्होंने 19 दिसंबर को पंजाब के गुरदासपुर जिले में पुलिस चौकी पर ग्रेनेड से हमला किया था। आतंकियों के पास से 2 एके-47 राइफल, 2 ग्लॉक पिस्टल और भारी मात्रा में कारतूस बरामद किए गए। मारे गए आतंकियों में गुरदासपुर निवासी गुरविंदर सिंह, वीरेंद्र सिंह उर्फ रवि और जसप्रीत सिंह उर्फ प्रताप सिंह हैं। पीलीभीत के पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र में एनकाउंटर हुआ। गोली लगने के बाद तीनों घायलों को पूरनपुर सीएचसी लाया गया। वहां डॉक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया। पीलीभीत एसपी अविनाश पांडेय ने बताया- सोमवार सुबह पंजाब की गुरदासपुर पुलिस की टीम थाना पूरनपुर पहुंची। सूचना दी कि उनके यहां कुछ दिन पहले गुरदासपुर में बख्शीवाल पुलिस चौकी पर खालिस्तानी आतंकियों ने ग्रेनेड से हमला किया था। उनके पूरनपुर क्षेत्र में छिपे होने की सूचना मिली थी। तुरंत पूरे जिले की नाकाबंदी कर चेकिंग शुरू की गई। इस दौरान खमरिया पॉइंट पर तैनात पुलिसकर्मियों ने सूचना दी कि एक बाइक पर तीन संदिग्ध नजर आए हैं। उनके पास कुछ संदिग्ध वस्तुएं हैं। ये बाइक से पीलीभीत की तरफ गए हैं। पंजाब पुलिस और पूरनपुर पुलिस ने उनका पीछा किया। आगे के थानों को अलर्ट किया गया। एसपी अविनाश पांडेय ने बताया- पूरनपुर और पीलीभीत के बीच निर्माणाधीन पुल पर इन लोगों को पुलिस ने घेरा तो यह लोग एक पटरी की तरफ मुड़ गए। इसके बाद उन्हें रुकने के लिए कहा गया तो इन्होंने पुलिस टीम पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी।

उद्योगपतियों से छत्तीसगढ़ सरकार को 15,184 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त

रायपुर/नयी दिल्ली, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नयी दिल्ली में सोमवार को आयोजित 'इन्वेस्टर्स कनेक्ट मीट' में देश के प्रमुख उद्योगपतियों और निवेशकों को राज्य में निवेश के लिए आमंत्रित किया। कार्यक्रम में शामिल हुए प्रमुख उद्योगपतियों से छत्तीसगढ़ सरकार को 15,184 करोड़ के निवेश प्रस्ताव भी प्राप्त हुए। श्री साय ने राज्य की नई औद्योगिक नीति 2024-30 की खूबियों को साझा करते हुए इसे निवेशकों के लिए बेहद अनुकूल बताया। श्री साय ने निवेशकों को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ निवेश के लिए असीम संभावनाओं वाला राज्य है। हमारी नई औद्योगिक नीति उद्योगों को कर, भूमि और बिजली में छूट के साथ-साथ सिंगल-विंडो क्लीयरेंस जैसी सुविधाएं देती है।

पीएम मोदी ने 71 हजार लोगों को जॉइनिंग लेटर बांटे

कहा- डेढ़ साल में करीब 10 लाख पक्की नौकरी दी, पहले की सरकारों ने ऐसा नहीं किया

नई दिल्ली, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को देश के 45 जगहों पर आयोजित रोजगार मेले में 71 हजार युवाओं को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए जॉइनिंग लेटर बांटे। 2024 लोकसभा चुनाव के बाद प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल का यह दूसरा रोजगार मेला है। मोदी ने कहा- पिछले डेढ़ साल में हमारी सरकार में करीब 10 लाख पक्की नौकरियां दी गईं। पहले की सरकारों ने ऐसा नहीं किया। आज युवाओं के लिए नए अवसरों का निर्माण हो रहा है। रोजगार मेले की शुरुआत अक्टूबर 2022 में हुई थी। अब तक 14 मेलों में 9.22 लाख से ज्यादा युवाओं को नौकरी दी जा चुकी है। इससे पहले आखिरी रोजगार मेला 29 अक्टूबर 2024 को आयोजित किया गया था, जिसमें 51 हजार से ज्यादा लोगों को जॉइनिंग लेटर बांटा गया था। भारत ने 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का संकल्प लिया है। हमें इस संकल्प पर भरोसा है और लक्ष्य की प्राप्ति का विश्वास है, क्योंकि भारत में हर नीति और हर निर्णय के केंद्र में भारत का प्रतिभाशाली युवा है। आज देश में न केवल लाखों युवाओं को सरकारी नौकरियां मिल रही हैं, बल्कि ये नौकरियां पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ दी जा रही हैं। किसी भी देश का विकास उसके युवाओं के श्रम, सामर्थ्य और नेतृत्व से होता है। आज हम दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी इकॉनमी बन गए और तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम भारत है। भारत ने अपने स्पेस, डिफेंस सेक्टर में नीतियां बदलीं और मैन्युफैक्चरिंग पर जोर दिया है। इसका फायदा भारत के युवाओं को हुआ।

अक्टूबर 2022 से शुरू हुआ था रोजगार मेला

प्रधानमंत्री ने 22 अक्टूबर 2022 को रोजगार मेले का पहला फेज शुरू किया था। तब पीएम ने कहा था- हमारा लक्ष्य देश के युवाओं को 2023 के आखिर तक 10 लाख सरकारी नौकरियां देना था। नवंबर 2023 तक कुल 11 रोजगार मेलों में 7 लाख से ज्यादा युवाओं को जॉइनिंग लेटर दिए गए थे। हालांकि, लोकसभा चुनाव से पहले 12 फरवरी 2024 को 12वां रोजगार मेला हुआ था।

एयरफोर्स में फाइटर जेट्स और पायलटों की कमी

114 फाइटर जेट की डील पेंडिंग, तेजस की डिलीवरी 2028 तक, सरकार ने कमेटी बनाई

नई दिल्ली, एजेंसी।

इंडियन एयरफोर्स (आईएएफ) में फाइटर जेट्स और पायलटों की कमी है। सरकार के पास 114 फाइटर जेट खरीदने की डील पेंडिंग है। एयरफोर्स ने एचएएल को 83 तेजस मार्क-1 ए बनाने का कॉन्ट्रैक्ट दिया है, लेकिन अमेरिकी कंपनी की इंजन भेजने में देरी के कारण डिलीवरी 2028 तक हो पाएगी। एयरफोर्स ने पिछले महीने दिल्ली में हुए वायुसेना कमांडरों के सम्मेलन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को इसकी जानकारी दी थी। इन कमियों को दूर करने के लिए केंद्र सरकार ने डिफेंस सेक्रेटरी राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में हाई-लेवल कमेटी बनाई है। यह कमेटी जरूरतों को ध्यान में रखकर पुरानी और नए प्रोजेक्ट्स पर नजर रखेगी। कमेटी में डिफेंस सेक्रेटरी (प्रोडक्शन) संजीव कुमार, डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) के प्रमुख डॉ. समीर वी. कामत और वायुसेना के उप प्रमुख एयर मार्शल टी. सिंह को शामिल किया गया है। कमेटी दो से तीन महीने में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। वहीं, कैग रिपोर्ट ने इंडियन एयरफोर्स में पायलटों की कमी के आंकड़ें बताए हैं। फरवरी 2015 में 486 पायलटों की कमी थी, जो 2021 के अंत तक 596 हो गई। 2016 से 2021 के बीच 222 ट्रेनी पायलटों को भर्ती करने का प्लान था, लेकिन वायुसेना टारगेट पूरा नहीं कर पाई। इंडियन एयरफोर्स के पास 4.5 जेनरेशन के जेट्स की कमी है। इस जेनरेशन के 1.25 लाख करोड़ कीमत के 114 फाइटर जेट खरीदने का प्रोजेक्ट सरकार के पास पेंडिंग है।

विनोद कांबली की हालत बिगड़ी, दो बार पड़ चुका दिल का दौरा

मुंबई, एजेंसी। भारत के पूर्व क्रिकेटर विनोद कांबली की तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें थाणे के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। हालांकि, जब उन्हें भर्ती कराया गया था तो उनकी हालत बेहद खराब बताई जा रही थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कांबली को शनिवार को ही अस्तपाल में भर्ती कराया गया था। उन्हें डॉक्टर ने कड़ी निगरानी में रखा है। विनोद कांबली एक दशक से अधिक समय से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। न सिर्फ स्वास्थ्य को लेकर बल्कि उनकी आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं है। कांबली ने स्वीकार किया था कि उनकी वित्तीय स्थिति गड़बड़ है। स्वास्थ्य संकट का सामना कर रहे कांबली की आय का एकमात्र स्रोत बीसीसीआई की पेंशन है, जो प्रति माह 30,000 रुपये है।

बांग्लादेश की भारत से मांग, शेख हसीना को वापस भेजें

पूर्व पीएम के खिलाफ अपहरण-देशद्रोह समेत 225 केस, तख्तापलट के बाद भारत में पनाह ली

ढाका, एजेंसी।

बांग्लादेश ने सोमवार को भारत से शेख हसीना को वापस भेजने की मांग की है। द डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश के विदेश सलाहकार तौहीद हुसैन ने इसकी पुष्टि की है। इससे पहले गृह मामलों के सलाहकार जहांगीर आलम चौधरी ने कहा था कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया चल रही है। दरअसल, 5 अगस्त को तख्तापलट के बाद शेख हसीना ने भागकर भारत में पनाह ले ली थी। वे तब से यही पर हैं। शेख हसीना की भारत से वापसी को लेकर सवाल पूछे जाने पर जहांगीर ने कहा कि भारत-बांग्लादेश के बीच अपराधियों की अदला-बदली को लेकर समझौता है। यह उसी समझौते के तहत किया जाएगा। बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद बनी यूनुस सरकार ने हसीना पर हत्या, अपहरण से लेकर देशद्रोह के 225 से ज्यादा मामले दर्ज किए हैं। वहीं, बांग्लादेशी सरकार ने चेतावनी दी है कि भारत में रहते हुए हसीना की तरफ से दिए जा रहे बयान दोनों देशों के संबंध बिगाड़ रहे हैं। साल 2013 की बात है। भारत के नॉर्थ-ईस्ट उग्रवादी समूह के लोग बांग्लादेश में छिप रहे थे। सरकार उन्हें बांग्लादेश में पनाह लेने से रोकना चाहती थी। इसी वक्त बांग्लादेश के प्रतिबंधित संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन के लोग भारत में आकर छिप रहे थे। दोनों देशों ने इस समस्या से निपटने के लिए एक प्रत्यर्पण समझौता किया। इसके तहत दोनों देश एक-दूसरे के यहां पनाह ले रहे भगोड़ों को लौटाने की मांग कर सकते हैं। हालांकि इसमें एक पेंच ये है कि भारत राजनीति से जुड़े मामलों में किसी व्यक्ति के प्रत्यर्पण से इनकार कर सकता है, लेकिन अगर उस व्यक्ति पर हत्या और किडनैपिंग जैसे संगीन मामले दर्ज हों तो उसके प्रत्यर्पण को रोका नहीं जा सकता। ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक इस समझौते की बदौलत, बांग्लादेश ने 2015 में यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम के नेता अनूप चेतिया को भारत को सौंपा था।

पश्चिमी विक्षोभ के कारण बारिश, हिमपात के आसार

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश भर में सोमवार को पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के कारण कल तक पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र के साथ-साथ पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के अलग-अलग इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश और हिमपात के आसार हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ चक्रवाती परिसंचरण के रूप में, वर्तमान में उत्तरी पाकिस्तान में निचले और मध्य क्षोभमंडल स्तरों पर स्थित है और निम्न दबाव का क्षेत्र उत्तर-पश्चिम राजस्थान पर स्थित है। मौसम अधिकारियों ने बताया कि एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और पूर्वी हवाओं के साथ इसकी बातचीत 26 दिसंबर से उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत को प्रभावित करने का अनुमान है। अगले 3-4 दिनों में उत्तर-पश्चिम देश के कुछ हिस्सों में घने कोहरे और शीत लहर से लेकर गंभीर शीत लहर की स्थिति का भी अनुमान है। मौसम अधिकारियों ने कहा कि 24 दिसंबर तक उत्तर प्रदेश और ओडिशा के अलग-अलग इलाकों में त्रिपुरा 25 दिसंबर तक राजस्थान में देर रात तड़के घना कोहरा छाए रहने के आसार हैं।

5वीं-8वीं में फेल होने वाले बच्चे प्रमोट नहीं होंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। 5वीं और 8वीं क्लास के एग्जाम में फेल होने वाले स्टूडेंट्स को अब पास नहीं किया जाएगा। केंद्र सरकार ने सोमवार को 'नो डिटेंशन पॉलिसी' खत्म कर दी है। पहले इस नियम के तहत फेल होने वाले स्टूडेंट्स को दूसरी क्लास में प्रमोट कर दिया जाता था। सरकार के नए नोटिफिकेशन के मुताबिक फेल होने वाले स्टूडेंट्स को 2 महीने के अंदर दोबारा परीक्षा देने का मौका दिया जाएगा। अगर वे दोबारा फेल होते हैं, तो उन्हें प्रमोट नहीं किया जाएगा, बल्कि जिस क्लास में वो पढ़ रहे थे उसी में दोबारा पढ़ेंगे। सरकार ने इसमें एक प्रावधान भी जोड़ा है कि 8वीं तक के ऐसे बच्चों को स्कूल से निकाला नहीं जाएगा। 16 राज्यों में पहले से ही लागू है नो-डिटेंशन पॉलिसी केंद्र सरकार की नई पॉलिसी का असर केंद्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों और सैनिक स्कूलों सहित करीब 3 हजार से ज्यादा स्कूलों पर होगा। 16 राज्य और 2 केंद्र शासित प्रदेश (दिल्ली और पुडुचेरी) नो-डिटेंशन पॉलिसी पहले से ही खत्म की जा चुकी हैं।

इंडिया की अगुआई का न सोचे कांग्रेस: मणिशंकर अय्यर

ये क्षमता ममता बनर्जी में, गठबंधन को जो भी लीड करना चाहे उसे करने दें

नई दिल्ली, एजेंसी।

कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने कहा कि कांग्रेस को विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक को लीड करने के बारे में नहीं सोचना चाहिए। अय्यर ने इंटरव्यू में यह बात कही। उन्होंने कहा, ममता बनर्जी में क्षमता है, दूसरे नेता भी हैं, जो गठबंधन को लीड कर सकते हैं। जो भी इसकी अगुआई करना चाहे, उसे करने देना चाहिए। मणिशंकर अय्यर ने कहा- इससे फर्क नहीं पड़ता कि विपक्षी गठबंधन को कौन लीड करता है। वजह यह कि कांग्रेस और उनके नेताओं का स्थान हमेशा ही अहम रहेगा। जरूरी नहीं कि वो अकेली अहम पार्टी हो। वह विपक्षी गठबंधन में अहम पार्टी रहेगी। सोनिया को लगता है कि मैं बेलगाम तोप हूं मुझे नहीं पता कांग्रेस पार्टी को मेरे बारे में क्या अच्छा नहीं लगता। सोनिया गांधी ने कहा था कि मैं एक बेलगाम तोप हूं, लेकिन गांधी और नेहरू की कांग्रेस में बेलगाम तोपों को बहुत उपयोगी लोग माना जाता था। एक्टिव पॉलिटिक्स के लिए बूढ़ा हूं राहुल गांधी मुझसे 30 साल छोटे हैं। मैं उनके पिता से जुड़ा हुआ था, इसलिए राहुल को लगता है।

संसद हाथापाई मामला

हमारी ओर से नहीं हुई चूक, किसी भी सांसद को हथियार लाने की नहीं दी अनुमतिःसीआईएसएफ

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय औद्योगिकी सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने सोमवार को कहा कि पिछले हफ्ते संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान सांसदों के बीच हुई झड़प में उसकी ओर से कोई चूक नहीं हुई। सीआईएसएफ संसद भवन की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालता है। सीआईएसएफ के उप महानिरीक्षक (अभियान) श्रीकांत किशोर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हमारी ओर से कोई चूक नहीं हुई। किसी भी सांसद को हथियार लाने की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने यह भी बताया कि सीआईएसएफ इस घटना के बारे में कोई जांच नहीं कर रहा है। संसद भवन में पिछले हफ्ते झड़प हुई थी, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसदों प्रताप चंद्र सारंगी और मुकेश राजपूत घायल हो गए थे।

आप ने की अमित शाह को गृह मंत्री पद से हटाने की मांग

अजमेर, एजेंसी। राजस्थान में आम आदमी पार्टी (आप) की अजमेर इकाई की ओर से जिला कलेक्टर को राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन देकर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर पर की गयी टिप्पणी पर स्वत-संज्ञान लेकर उन्हें गृहमंत्री पद से 'बर्खास्त करने की मांग की है। आप पार्टी अनुसूचित जाति इकाई के प्रदेश अध्यक्ष पंकज जटिया के नेतृत्व में कार्यकर्ता अजमेर में जयपुर रोड स्थित डाक बंगला पर एकत्रित हुये और यहां से बाबा साहेब के समर्थन और अमित शाह के विरोध में नारेबाजी करते हुये जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचे।

पूर्व आईएएस पूजा खेडकर की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को पूर्व आईएएस पूजा खेडकर की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। पूजा पर यूपीएससी एग्जाम में धोखाधड़ी और ओबीसी और विकलांगता कोटे का गलत तरीके से फायदा लेने का आरोप है। यूपीएससी की शिकायत के बाद दिल्ली पुलिस ने पूजा खेडकर के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी का केस दर्ज किया था।

हरगांव पुलिस ने तत्परता दिखवाते हुए दो अन्तर्जनपदीय ऑटोलिफ्टर गिरफ्तार कर बरामद किया मोटर साइकिलों का बड़ा जखीरा

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर। पुलिस अधीक्षक चक्रेश मिश्र द्वारा जनपद में चोरी/नकबजनी की घटनाओं को गम्भीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारियों व प्रभारी निरीक्षकों को घटनाओं को रोकने व अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। पुलिस अधीक्षक द्वारा दिये गये निर्देश के अनुपालन में दिनांक तेइस दिसम्बर 2024 को अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी प्रकाश कुमार के निकट पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी सदर दिनेश कुमार शुक्ल के नेतृत्व में थाना हरगांव पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान दो अन्तर्जनपदीय ऑटोलिफ्टर सचिन वाल्मीकि पुत्र कमलेश वाल्मीकि निवासी ग्राम बक्सोहिया थाना हरगांव व ललित कुमार पासी पुत्र रामकिशुन पासी निवासी पिपराघूरी थाना हरगांव को जहांगीराबाद पुलिया से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। हरगांव पुलिस ने मौके व अभियुक्तों की निशानदेही से कुल बारह अदद चोरी गयी मोटर साइकिलें बरामद की। अभियुक्तों ने मौके से बरामद हुई मोटर साइकिल के विषय में पूछताछ में बताया कि यह मोटर साइकिल हम दोनो ने करीब एक महीने पहले हरगांव रेलवे स्टेशन से चोरी की है। हम लोग पहले रैकी करते हैं फिर मौका पाकर मास्टर चाबी लगाकर ताला खोलकर चोरी कर लेते हैं। हम दोनो मिलकर चोरी करते हैं और चुराई गयी मोटर साइकिलों को अलग अलग स्थानों पर रखते हैं।चोरी की गयी मोटर साइकिलों को नेपाल ले जाकर बेच देते हैं। सभी बारह मोटरसाइकिलों को नेपाल ले जाने के लिए वाहन की तलाश करने निकले थे। हरगांव रेलवे स्टेशन से चोरी हुई मोटरसाइकिल के सम्बन्ध में मु.अ.सं.536 /2024 धारा 303(2) बी एनएस पंजीकृत है।बरामद हुई चोरी की मोटरसाइकिलों के सम्बन्ध में मु.अ.सं. 537/2024 धारा 303 (2)/317(2)/317(4) / 318(4)/338 / 336(3) / 340(2) बीएनएस पंजीकृत कर अभियुक्तों का चालान न्यायालय में किया जा रहा है। पुलिस के जिम्मेदारों ने बताया कि अपराधियों के विरूद्ध निरन्तर कार्यवाही इसी प्रकार प्रचलित रहेगी। यह भी बताया गया कि गिरफ्तार अभियुक्त वास्तविक मोटरसाइकिल नंबर के स्थान पर फर्जी नंबर बदलने में भी अभ्यस्त हैं। इनसे बरामद मोटर साइकिलों का विवरण इस प्रकार है- 1-मोटरसाइकिल सुपर स्पेलेन्डर व रंग काला (वास्तविक रजि.न. यूपी 41वाई9799-वाहन स्वामी निवासी टेमा थाना रामसनेही घाट जनपद बाराबंकी, हैं जबकि बाइक पर फर्जी नम्बर प्लेट यूपी 31एके4361है,2-मो.सा. होन्डा सीडी -110 व रंग काला नीला(वास्तविक रजि.न. यूपी 42एएल 2023 -वाहन स्वामी निवासी महाराय मोहम्मदपुर गयासपुर फैजाबाद,बाइक पर फर्जी नम्बर प्लेट यूपी 34बीए1470है,3-मो.सा. सुपर स्पेलेन्डर व रंग काला लाल (वास्तविक रजि.न. यूपी44एएल3306 वाहन स्वामी निवासी न्यू कालोनी पुलिस लाइन जनपद सुल्तानपुर,बाइक पर फर्जी नम्बर प्लेट यूपी 34एपी46 22 है,4-मो.सा. सुपर स्पेलेन्डर व रंग काला (वास्तविक रजि.न. यूपी 32जेआर4070 की सही नम्बर प्लेट है।वाहन स्वामी निवासी रहमत नगर मोहन लाल गंज लखनऊ,5-मो.सा.हीरो स्पेलेन्डर व रंग काला (वास्तविक रजि.न. यूपी 32के एस8054 की सही नम्बर प्लेट है-वाहन स्वामी निवासी शक्ति नगर,इन्द्रा नगर लखनऊ,6-मो.सा. होन्डा सीडी -110 डी एक्स रंग काला (वास्तविक रजि. न. पीबी65एएल5412-वाहन स्वामी निवासी आजाद नगर बालोंगी मोहाली पंजा, बाइक बिना नम्बर की प्लेट) 7-मो.सा.होन्डा साइन व रंग काला लाल (वास्तविक रजि.न. यू.पी.32एफ. एक्स 3247 की सही नम्बर प्लेट है वाहन स्वामी निवासी एल डीए टिकैत राय कालोनी मोहान रोड लखनऊ,8- मो.सा.सुपर स्पलेन्डर व रंग काला (वास्तविक रजि.न. यू.पी.32 के.एम.01 96-वाहन स्वामी निवासी वृदावन योजना तेली बाग लखनऊ, बाइक पर फर्जी नम्बर प्लेट यू.पी. 32 आर.जे.40 70 है 9- मो.सा.सुपर स्पलेन्डर व रंग काला (वास्तविक रजि.न. यू.पी. 34ए.एफ.5672-वाहन स्वामी निवासी श्यामनाथ मुंशीगंज जनपद सीतापुर, बाइक पर बिना नम्बर की प्लेट,10-मो.सा.सुपर स्पलेन्डर व रंग काला व वायलट (वास्तविक रजि.न. यू.पी. 41 ए.एफ. 5356-वाहन स्वामी निवासी मीरापुर,सबदरगंज नवाबगंज बाराबंकी,बाइक पर बिना नम्बर की प्लेट, 11-मो.सा. स्पलेन्डर प्रो वरंग ग्रे-ग्रीन (वास्तविक रजि.न. यू.पी. 32 जी.पी.9166वाहन स्वामी निवासी ललई खेडा गहदो लखनऊ ,बाइक पर फर्जी नम्बर प्लेट यू.पी. 329160 है,12- मोटरसाइकिल हीरो हॉडा सुपर स्पलेंडर,(वास्तविक नं. रजि.न.यू.पी.32जे.जे. 6982) है। वाहन बरामदगी के पश्चात अभियुक्तों के विरुद्ध मु.अ.स. 537/2024 पर धारा 303(2)/317(2)/317(4)/318(4)/338 /336(3)/340(2) बी.एन.एस. थाना हरगांव सीतापुर,मु.अ.स. -536 /2024 धारा 303(2) बी.एन.एस. थाना हरगांव सीतापुर पर पंजीकृत किया गया। इन अभियुक्तों की गिरफ्तारी में थाना हरगांव के प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार पाण्डेय वरिष्ठ उप निरीक्षक योगेश कुमार शंखधार,उप निरीक्षक अमरजीत सिंह,लल्ला गोस्वामी,पारस नाथ सिंह, बसंत कुमार,आरक्षी अर्पित सिंह,विक्रान्त कुमार,योगेश कुमार,शक्ति राठी,भूपेन्द्र सिंह,वीरेन्द्र यादव,कासिम, विनोद कुमार, मुख्य आरक्षी कृष्णानन्द लक्ष्मीशंकर शामिल रहे। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों के खिलाफ पहले से अनेकों वाद पंजीकृत हैं। अभियुक्तों की गिरफ्तारी के बाद क्षेत्राधिकार सदर दिनेश कुमार शुक्ला ने प्रेस वार्ता में बताया की हर गांव पुलिस ने यह एक उत्कृष्ट कार्य किया है जिसके लिए सभी पुलिस बल बधाई के पात्र हैं।

जगरनाथ गुप्ता इंस्टीट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंस, सना हेल्थ पॉइंट संस्था के संयुक्त तत्वावधान में निशुल्क हृदय जांच शिविर अयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़- ब्यूरो

धनबाद। जगरनाथ गुप्ता इंस्टीट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंस, सना हेल्थ पॉइंट संस्था के संयुक्त तत्वावधान में निशुल्क हृदय जाँच शिविर का आयोजन मदर्स हलीमा पब्लिक स्कूल आज़ाद नगर भूली में किया गया। शिविर में 175 मरीजों की जांच की गई। लगभग 90 प्रतिशत मरीजों का ईसीजी भी किया गया। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. देव दत्त कर ने बताया कि हृदय रोग का कारण तनाव और खानपान है। आज कल युवा भी हृदय रोग का शिकार हो रहे है लोगो को डिप्रेशन (तनाव) से बचने की ज़रूरत है।विशेषज्ञों ने बताया कि लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण ये दिक्कत काफी बढ़ गई है ख़ास कर धनबाद जिला में काफी संख्या में हृदय रोग की मरीज़ शिविर में मिले है जिनके पास आयुष्मान कार्ड है उन्हें निशुल्क इलाज किया जायेगा जगरनाथ गुप्ता इंस्टीट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंस, सना हेल्थ पॉइंट संस्था के संयुक्त तत्वावधान के तरफ से कई तरह की सुविधा दी गई है हृदय रोग मरीजों के लिए धनबाद से कोलकोता तक के लिए ट्रेन की सुविधा और स्टेशन से हॉस्पिटल तक के लिए एम्बुलेंस की भी सुविधा दी गई है ताकि सही समय पर इलाज हो सके। डॉ देव दत्त कर ,डॉ पंकज मुजम्दार, डॉ मुस्ताक आलम, मो गुलाम,मो. मासूम मो. सादिक अली, मो. असराफ अंसारी, मो. कमरुद्दीन, मो. सद्दाम अकरम, अकबर अली आदि मौजूद थे।

49 हिस्ट्रीशीटरों ने थानें पर लगाई हाजिरी, पुलिस ने अपराधों से दूर रहने की दी हिदायत

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता हरदोई

मंझिला/हरदोई। सोमवार को 49 हिस्ट्रीशीटरों ने थाने पहुंचकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सभी को अपराध से दूर रहने की सलाह दी गई। अपराधों की रोकथाम के लिए आसामाजिक तत्वों की जानकारी देने के लिए कहा गया। एसपी नीरज कुमार जादौन के आदेश पर सभी हिस्ट्रीशीटरों को तलब किया गया। थानाध्यक्ष ने 49 हिस्ट्रीशीटरों को चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में गैरकानूनी गतिविधि में संलिप्त मिले तो कार्रवाई की जाएगी।

बाघमारा विधायक शत्रुघन महतो ने मृतक के बड़े पुत्र को नियोजन नियुक्ति पत्र दिया

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

धनबाद। मधुबन थाना क्षेत्र के महेशपुर बस्ती निवासी सह बीसीसीएल कर्मी 52 वर्षीय मनसा बाउरी का देहांत सिजुआ नया मोड़ के समीप कार्य के दौरान सड़क दुर्घटना के उपरांत होगई , बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो ने बीसीसीएल प्रबंधन से नियोजन व मुआवजा संबंधित दूरभाष पर वार्ता के बाद वहां से ला कर मृतक के बड़े पुत्र गोविंद बाउरी को नियोजन नियुक्ति पत्र देकर शोक व्यक्त किया। इस मौके पर गोस्वामी बाउरी, डब्लू तिवारी,हरी साव,दिनेश महतो, रबी महतो,शंकर महतो,रबी रजवार,कारु रजवार आदि ने शोक व्यक्त किया।

पुलिस ने जुआ खेल रहे जुआरियों को किए गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता मैनपुरी

कुरावली। क्षेत्र में जुआ खेल रहे कुछ जुआरियों को थाना पुलिस ने घेराबंदी करते हुए धरदबोचा। थाना प्रभारी धर्मेंद्र सिंह चौहान के कड़े रुख से क्षेत्र में अवैध आर्थिक क्रिया में लिप्त लफ्टंडों के होश उड़े हुए हैं। जिसके चलते क्षेत्र में कहीं भी ऐसे कार्य होते है पुलिस द्वारा पकड़ लिए जाते है। कुछ ऐसा ही 23 दिसंबर के दिन कुरावली से कुरहट जाने वाली रोड पर खाली प्लाट में जुआ खेल रहे चार युवकों जाकिर पुत्र फारूख, किशन पुत्र साधुराम, रवि कुमार पुत्र सुबेदार और सोनू पुत्र रमेश निवासीगण मोहल्ला घनराजपुर थाना कुरावली को कुरावली पुलिस द्वारा पकड़ लिया गया। पूछताछ में युवकों ने अपना अपना नाम बताया और जुआ खेलने की बात कबूली। जिन पर थाना कुरावली पुलिस ने कार्यवाही करते हुए रिपोर्ट दर्ज की।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता हरदोई

हरदोई। विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्य मार्गो पर यातायात जागरूकता से सम्बंधित होर्डिंग लगवाई जाएं। ब्रेकर को पेंट करवाया जाये। मार्ग डिवाइडर पर अनावश्यक कट्स बन्द कराये जाएं। सड़क पर निर्धारित स्थानों पर संकेतक बनवाये जाएं। सड़क के किनारे सफ़ेद पट्टी बनवायी जाये। एनएच के प्रतिनिधि को लापरवाही पर कड़ी फटकार लगायी। मार्गो पर तकनीकी कमी की वजह से सड़क दुर्घटना होने पर सम्बंधित की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा से सम्बंधित समस्याओं से उच्चाधिकारियों को समयः अवगत कराया जाये। 15 जनवरी से पूर्व हरदोई शहर में ट्रैफिक सिग्नल ठीक कराये जाएं। नगर के प्रमुख चौराहे पर ट्रैफिक जागरूकता के लिए एलईडी स्क्रीन लगवाई जाये। जनपद के सभी ब्लैक स्पॉट का पुनः चिंहीकरण कराया जाये। ब्रेकर के लिए स्थान चिन्हित किये जाएं। इस अवसर पर सभी सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वीपिंग मशीन के चालक को भाजपाइयों ने गुलाब देकर किया सम्मानित

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

झरिया/धनबाद। धनबाद मुख्य सड़क की सफाई करते हैं बीसीसीएल के चालक विधायक रागिनी सिंह के निर्देश पर भाजपाइयों ने किया में सफाई कार्य निरीक्षण भगतडीह, विधायक रागिनी सिंह के निर्देश पर सोमवार को सुबह भाजपा नेताओं ने भगतडीह मोड़ से कतरास मोड़ तक स्वीपिंग मशीन से चल रही सफाई कार्य का निरीक्षण किया। सफाई होता देख भाजपाइयों ने मशीन के चालक को गुलाब का फूल देकर उनका अभिवादन किया। जिला मंत्री राजकिशोर जेना ने कहा कि विधायक रागिनी सिंह के निर्देश पर सफाई काम देखने के लिए आए हैं। यहां कैसे लोगों को सुविधा मिले इस पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। आम जनता असुविधा दूर करने एवं प्रदूषण से निजात दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रदूषण की समस्या सामने ना आए सुविधा ना इसलिए वैकल्पिक व्यवस्था के लिए विधायक रागिनी सिंह उच्च स्तर पर वार्ता चल रही है। प्रदेश मीडिया प्रभारी बप्पी बाउरी ने कहा कि यहां प्रदूषण की घोर समस्या है। जिससे आम जनता बेहद परेशान है। विधायक रागिनी सिंह इस दिशा में पहल कर रही हैं जल्द ही इस समस्या का समाधान हो जाएगा। बीसीसीएल से पौधारोपण और पौधों की सुरक्षा पर भी वार्ता चल रही है। इस दौरान जिला मंत्री राज किशोर जेना, प्रदेश मीडिया प्रभारी बप्पी बाउरी, मंडल अध्यक्ष तरुण राय, महामंत्री संतोष रवानी, उपाध्यक्ष रामदेव शर्मा, उपाध्यक्ष रंजीत दास, रूपेश गुप्ता, राहुल गुप्ता, जनता मजदूर संघ के रंजीत सिंह, दिनेश रवानी, उपेंद्र सिंह, सतीश सिंह, युवा मोर्चा अध्यक्ष राहुल गुप्ता, पंकज पासवान, आजाद गोप, ज्वाला पासवान, सोनू रजक आदि उपस्थित थे।

व्यापक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के लिए आईआईटी (आईएसएम) धनबाद और जेपी हॉस्पिटल ने साझेदारी की

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

धनबाद। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स), धनबाद (आईआईटी–आईएसएम) ने अपने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उन्नत चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए मेंझीलाडीह, कोला कुसमा बलियापुर रोड स्थित जे पी हॉस्पिटल और अनुसंधान केंद्र के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओए) में प्रवेश किया है। कार्मिक, और उनके आश्रित।साझेदारी यह सुनिश्चित करती है कि लाभार्थियों को जेपी अस्पताल में उपलब्ध सभी विभागों और केंद्रों में उपचार मिले। सेवाओं का दायरा पैथोलॉजिकल और रेडियोलॉजिकल परीक्षाओं और चिकित्सा उपचारों सहित नैदानिक परीक्षणों तक फैला हुआ है।एमओए की मुख्य विशेषताएं-उपचार कवरेज-कर्मचारियों, पूर्व कर्मचारियों और उनके आश्रितों को इनडोर और आउटडोर दोनों तरह के रोगी उपचार तक पहुंच प्राप्त होगी।व्यापक नैदानिक सेवाएं (पैथोलॉजिकल और रेडियोलॉजिकल) भी कवर की जाएंगी।लागत संरचना-आंतरिक रोगी विभाग (आईपीडी) और बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) सेवाओं के तहत उपचार के शुल्क, समय–समय पर संशोधन के अधीन, प्रचलित केंद्र सरकार स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) और एनएबीएच दरों का पालन करेंगे।नैदानिक जांच सीजीएचएस गैर–एनएबीएच दरों का पालन करेगी, जैसा कि समय–समय पर अद्यतन किया जाता है।कैशलेस/क्रेडिट आधार-लाभार्थी कैशलेस या क्रेडिट आधार पर चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे, जिससे वित्तीय देरी के बिना गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल तक निर्बाध पहुंच सुनिश्चित होगी।यह सहयोग अग्रणी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के साथ साझेदारी करके अपने समुदाय के स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता देने की आईआईटी(आईएसएम) की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।जेपी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर,एक प्रसिद्ध स्वास्थ्य सेवा संस्थान, गुणवत्तापूर्ण देखभाल सुनिश्चित करते हुए इस साझेदारी में अपनी विशेषज्ञता और उन्नत सुविधाएं लाता है।यह समझौता हमारे कर्मचारियों और उनके परिवारों को शीर्ष स्तर की चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के प्रति आईआईटी (आईएसएम) के समर्पण को रेखांकित करता है। हमें विश्वास है कि जेपी हॉस्पिटल के साथ यह साझेदारी स्वास्थ्य सेवा वितरण में एक मानक स्थापित करेगी।यह सहयोग आईआईटी (आईएसएम) में एक स्वस्थ समुदाय को बढ़ावा देने और भविष्य की साझेदारी के लिए एक मिसाल कायम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

टीचर्स सेल्फ केयर टीम सीतापुर ने जिला व ब्लॉक कार्यकारणी का किया विस्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर। सुमन मॉडर्न स्कूल आदर्श नगर सेक्टर 2 नैपालापुर में टीचर सेल्फ केयर टीम सीतापुर की आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया।इस बैठक में टीचर्स सेल्फ केयर टीम से सम्बन्धित कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई।संस्था की सदस्यता में वृद्धि एवं व्यवस्था शुल्क पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में गतिमान सहयोग में अधिकतम सहयोग हेतु रणनीति तैयार की गई।विगत दिनों में जनपद सीतापुर के दिवंगत छः शिक्षक साथियों के परिवारों को हुए आर्थिक सहयोग एवं आगामी प्रस्तावित सहयोग से भी सदस्यों को अवगत कराया गया। कार्यक्रम में जिला टीम के विस्तार में डा0सारिका गर्ग को जिला सह संयोजिका, अमिताभ दुबे को जिला सह संयोजक,इ.राजेंद्र सिंह को जिला आई टी सेल प्रभारी के पद की जिम्मेदारी दी गई। ब्लॉक विस्तार में ब्लाक सिधौली से शेषमणि ब्लॉक संयोजक,प्रदीप कुमार अवस्थी ब्लॉक प्रवक्ता, श्रीमती श्वेता त्रिवेदी को ब्लॉक सह संयोजक मनोनीत किया गया।नगर क्षेत्र सीतापुर से संतोषी गुप्ता को नगर संयोजिका, नूरी खां को नगर प्रवक्ता, एहतेशाम आलम को नगर सह संयोजक एवं विवेक राठौर को नगर आईटी सेल प्रभारी मनोनीत किया गया।खैराबाद ब्लॉक से प्रदीप कुमार वर्मा को ब्लॉक संरक्षक,मिश्रिख ब्लॉक से विनोद कुमार सिंह,नवीन कुमार तिवारी,पंकज कुमार एवं आरती सिंह को ब्लॉक सह संयोजक,सुरेंद्र यादव को आई टी सेल प्रभारी मिश्रिख के पद पर मनोनीत किया गया। ब्लॉक बेहटा से सुशील कुमार वर्मा,प्रवीण चाहर, जितेंद्र कुमार वर्मा,बृजेश कुमार शुक्ला,अभिषेक चौधरी एवं कोमल सिंह को ब्लॉक सह संयोजक व राहुल देव को आई टी सेल प्रभारी के पद पर नियुक्त किया गया।विभा गुप्ता को ब्लॉक प्रवक्ता खैराबाद व अजय कुमार यादव को ब्लॉक सह संयोजक हरगांव,अमित कुमार सक्सेना को ब्लॉक सह संयोजक एलिया के पद पर नियुक्त किया गया। इस कार्यक्रम में प्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्ष विवेक मिश्र जिला संरक्षक बाल सरोज चतुर्वेदी ने अपने अपने विचार व्यक्त किये।जिला संयोजक विजय श्रीवास्तव ने नवीन सदस्यता व व्यवस्था शुल्क तेजी से वृद्धि पर जोर दिया क्योंकि एक जनवरी 2025 से लॉकिंग पीरियड एक वर्ष प्रस्तावित है। इस मौके पर जिला संयोजक ने यह भी बताया कि अब तक दो सौ छब्बिस दिवंगत शिक्षक के परिवारों को छियासी करोड़ तीस लाख की आर्थिक सहायता टीचर्स सेल्फ केयर टीम द्वारा दिवंगत शिक्षक के परिवार को की जा चुकी है।जिला प्रवक्ता प्रदीप कुमार एवं जिला सह संयोजक मनोज कुमार वर्मा,रवी शुक्ल,एस.पी.सिंह ने मंच के संचालन की भूमिका निभाई और यह कहा कि जिला संयोजक द्वारा जो आंकड़े प्रस्तुत किए गए हैं उसे मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि जो भी सहयोग राशि टीचर्स सेल्फ केयर टीम द्वारा दिवंगत परिवार को दी गई हैं वह पूर्णतया पारदर्शिता के साथ एक एक विवरण टीचर्स सेल्फ केयर टीम की वेबसाइट पर उपलब्ध है। जिला मीडिया प्रभारी विजय नाथ चौरसिया,महेंद्र सिंह,शिवेंद्र प्रताप वर्मा, सुशील पाण्डेय,सुनील कुमार,विजय गुप्ता,योगेश कुमार पाण्डेय,आलोक दीक्षित,विनय कुमार हंस अंजनी कुमार शुक्ला,मनोज कुमार,रवि शंकर,विशाल स्वर्णकार,राजेश मालिक, अमित वर्मा,पुष्पेन्द्र सिंह, निरंजन,आशुतोष सिंह, विजय भारती,सुरेंद्र यादव, पंकज कुमार सहित विभिन्न ब्लॉक के ब्लॉक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ताइक्वांडो प्रतियोगिता में बालाजी ग्लोबल एकेडमी ने मारी बाजी

तीसरा विकल्प न्यूज़- संवाददाता मैनपुरी

मैनपुरी। ताइक्वांडो एसोसिएशन के तत्वावधान में रविवार को शहर के देवी रोड स्थित मोहन ग्रैंड पैलेस मे द्वितीय जिला स्तरीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप का आयोजन किया गया था। आयोजन के मुख्य अतिथि सीओ फॉरेस्ट भोगांव विपिन मिश्रा व सार्थक अग्रवाल ने फीता काटकर शुभारंभ किया। इस प्रतियोगिता में लगभग 150 ताइक्वांडो खिलाड़ियों ने पूरे जोश के साथ प्रतिभागीय और ताइक्वांडो फाइट का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में ओवरऑल विनर मैनपुरी की गोल्ड माइन ताइक्वांडो अकैडमी रही। वही कैडेट ग्रुप में फर्स्ट पोजीशन पर बालाजी ग्लोबल अकैडमी अहिरवा रही। सेकंड पोजीशन में सिटी कान्वेंट स्कूल थर्ड पोजिशन में अन्या ताइक्वांडो अकैडमी रही। वही सब जूनियर ग्रुप में फर्स्ट पोजीशन पे दून पब्लिक स्कूल एटा रहा। सेकंड पोजीशन में बालाजी ग्लोबल अकैडमी मैनपुरी रहा। विपिन मिश्रा ने सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा के ताइक्वांडो सीखने से सभी बच्चों का मानसिक और शारीरिक विकास होता है। ताइक्वांडो सीखना सभी बच्चों के लिए बहुत जरूरी है। यह प्रतियोगिता जिला मैनपुरी ताइक्वांडो एसोसिएशन के सचिव/ मुख्य कोच योगेश कुमार माथुर की देखरेख में संपन्न हुई। इस मौके पर डॉ प्रतिभा चौहान, जैक जिल स्कूल के प्रबंधक राहुल अग्रवाल, वैष्णवी, तिथि राठौर, समृद्धि राठौर, जया सक्सेना, आर्यन माथुर, आयुष, प्रशांत पांडे, सत्यम दुबे, आराध्या दुबे, रिया राजपूत आदि लोग मौजूद थे।

शहरी समन्वय समिति की बैठक संपन्न

➤ हर महीने के पहले शुक्रवार को मनाया जाएगा किशोर स्वास्थ्य दिवस

तीसरा विकल्प न्यूज़ – ब्यूरो

धनबाद। नगर आयुक्त रवि राज शर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को झारखंड मिनरल एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (झमाडा) के कॉन्फ्रेंस हॉल में नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से शहरी समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन की प्रगति, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की सेवाओं की समीक्षा की गई। किशोर स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए किशोर स्वास्थ्य दिवस हर महीने के पहले शुक्रवार को आयोजित करने और स्कूलों में आरबीएसके कैंप लगाने का निर्णय लिया गया। बैठक में परिवार नियोजन से जुड़े लंबित भुगतानों को शीघ्र निपटाने, बायोमेडिकल रिपोर्ट 10 दिनों के भीतर जमा करने, ओपीडी रिपोर्ट समय पर उपलब्ध न कराने पर दंड लगाने, विभागीय समन्वय को सुदृढ़ करने, सेवाओं की निगरानी चेकलिस्ट के माध्यम से करने और लंबित दावों की प्रक्रिया को सरल बनाने पर जोर दिया गया।नगर आयुक्त ने कहा कि बैठक का मुख्य उद्देश्य धनबाद के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना और शहरी स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार सुनिश्चित करना है।बैठक में नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, आईएमए अध्यक्ष डॉ. बी.एन. गुप्ता, डीआरसीएचओ डॉ. रोहित गौतम, वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के एसएमओ डॉ अमित कुमार, यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. सुनील कुमार, जिला महामारी विशेषज्ञ डॉ. ऋतुराज अग्रवाल, एएमसी सनी कुमार, फॉग्सी की अध्यक्ष डॉ. गायत्री सिंह, एमओआईसी झरिया डॉ. मिहिर कुमार, एमओआईसी धनबाद डॉ. अनीता चौधरी, शिक्षा विभाग के एपीओ एस.डी. मिश्रा, सीडीपीओ बाघमारा कृष्णा देवी, सीडीपीओ झरिया अलका रानी के अलावा धनबाद, झरिया और बाघमारा के सभी शहरी चिकित्सा अधिकारी तथा प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक, पीएसआई इंडिया के प्रतिनिधि बिनय कुमार यादव, अनित कुमार चौबे, रूपेश कुमार, हरि गोपाल महतो, कुश कुमार और प्रेम कुमार आदि मौजूद थे।

स्व. चौधरी चरण सिंह के जन्म दिवस पर किसान सम्मान दिवस का किया गया आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ – संवाददाता हरदोई

हरदोई। जनपद में आज स्व. चौधरी चरण सिंह, भूतपूर्व प्रधानमंत्री के जन्म दिवस के अवसर पर किसान सम्मान दिवस का आयोजन कृषक सभागार, निकट बिलग्राम चुंगी, हरदोई में किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि मंगला प्रसाद सिंह, जिलाधिकारी, हरदोई द्वारा कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन कर किया गया तथा कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गये स्टालों का भी जिलाधिकारी द्वारा मुख्य विकास अधिकारी अधिकारी, उप कृषि निदेशक, अन्य जिला स्तरीय अधिकारी एवं किसानों के साथ अवलोकन किया गया। सर्वप्रथम किसान सम्मान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी, मंगला प्रसाद सिंह ने सबसे पहले भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह की जयंती पर स्व. चौधरी जी के चित्र पर माल्यापर्ण अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। जिलाधिकारी द्वारा किसानों को सम्बोधित करते हुए कहा गया कि श्री चौधरी जी किसानों के लिए मसीहा थे और उन्होने किसानों की परेशानियों को समझते हुए उनकी आय बढ़ाने एवं आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में अहम योगदान दिया। जिलाधिकारी ने अवगत कराया कि किसान भाई वैज्ञानिक तकनीक से खेती करने के साथ सरकार की मंशानुसार खेती में विविधता लाते हुए वर्तमान की उन्नतशील प्रजातियों की खेती करें और इसके साथ ही फल, फूल एवं सब्जी की खेती के साथ–साथ पशु पालन कर अपनी आय दोगुनी करें। उन्होने किसानों से अपील की कि वह गौ आधारित प्राकृतिक खेती को अपनाकर रसायन मुक्त खाद्यान, सब्जी एवं फल आदि पैदा कर बाजार में अधिक मूल्य प्राप्त कर सकते है। उन्होने किसानों को यह भी बताया कि जनपद में स्थापित 04 चीनी मिलों के क्रय केन्द्रों पर गन्ने की खरीद सुगमतापूर्वक हो रही है। इसी तरह धान के क्रय केन्द्रों पर भी कृषकों के धान की खरीद की जा रही है। उन्होने यह भी अवगत कराया कि विगत एक वर्ष में 150 नई गौशालायें स्थापित कर निराश्रित पशुओं को गौशालाओं में संरक्षित कराया है और गौशालाओं की निगरानी के लिए सी.सी.टी.वी. कैमरे भी लगवायें गये है। उक्त किसान सम्मान दिवस में आये किसानों ने विभागों से सम्बन्धित समस्याओं से जिलाधिकारी को अवगत कराया, जिस पर जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को किसानों की समस्याओं के तत्काल निकारण हेतु निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गयी सभी सुविधाओं को किसानों तक पहुंचाया जाये और जिन तहसील एवं ब्लाक में सिंचाई, विद्युत आदि की समस्याएं हैं उन्हें ठीक कराया जाये। उक्त अवसर पर जिलाधिकारी ने जनपद स्तर पर फसल उत्पादन में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले कृषि विभाग के 08 किसानों को प्रशस्ति पत्र एवं शाल भेंट कर सम्मानित किया गया। इसी तरह विकास खण्ड स्तर पर कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कृषि विभाग से 19, उद्यान विभाग से 19, गन्ना विभाग से 19, पशुपालन विभाग से 19 एवं मत्स्य विभाग से 07 किसानों को प्रशास्ति पत्र एवं शाल भेंट कर सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी द्वारा कृषक उत्पादक संघ सिलवारी एग्रो फार्मर प्रोड्यूसर कम्पनी लि. ग्राम सिलवारी, विकास खण्ड भरखनी को फार्म मशीनरी बैंक स्थापना हेतु एवं मनोज कुमार पुत्र शिवसरन नि. ग्राम टोलवा आटदानपुर विकास खण्ड हरियावां को कस्टम हायरिंग सेन्टर हेतु ट्रैक्टर की चाभी वितरित की गयी। मुख्य विकास अधिकारी सुश्री सौम्या गुरूरानी ने कहा कि किसान जनपद में होने वाली किसान गोष्ठी मेला एवं किसान दिवस जैसे कार्यक्रमों में भाग लेकर खेती की नवीन तकनीकियों की जानकारी प्राप्त करें और प्रगतिशील किसान भाईयों से सम्पर्क कर उनसे भी उन्नति खेती करने की जानकारी लेने के साथ–साथ कृषि से संबंधित किसी भी समस्या को लेकर तत्काल कृषि विभाग के अधिकारियों से सम्पर्क करें। डा. नन्द किशोर, उप कृषि निदेशक ने किसानों को कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी। उप कृषि निदेशक ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना एवं किसान क्रेडिट कार्ड योजना एवं श्री अन्न (मिलेट्स) की खेती के बारे में किसानों को विस्तृत जानकारी दी। उक्त कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र, हरदोई के वैज्ञानिक डा. डी.बी. सिंह ने किसानों को सब्जी की फलस और तिलहनी फसलों की खेती करने की विस्तृत तकनीकी जानकारी दी। कृषि विज्ञान केन्द्र, संडीला के वैज्ञानिक डा. पंकज नौटियाल द्वारा किसानों को फलों की खेती की जानकारी दी। मुख्य पशुचिकित्साधिकारी ए.के. सिंह ने किसानों को पशुपालन विभाग में संचालित योजनाओं की जानकारी दी। संजय सिंह, ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक, हरदोई ने किसानों को फसल के साथ सहफसल के रूप में तिलहनी और दलहनी फसलों की खेती की जानाकरी दी। उक्त अवसर नेशनल मिशन ऑन एडिबिल ऑयल योजनान्तर्गत तिलहन मेला आयोजन किया गया, जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्र, हरदोई एवं सण्डीला के वैज्ञानिकों, ने तिलहनी फसलों की खेती के सम्बन्ध में चर्चा करते हुए नर्सरी की तैयारी, रौपाई, खाद एवं उर्वरक, कीट, रोग एवं खरपतवार प्रबन्धन के बारे किसानों को जानकारी प्रदान की गयीं। रबी फसलों में बीज उपचार, सिंचाई प्रबन्धन के बारे जानकारी प्रदान करते हुए यह भी बताया कि कृषक भाई अपने खेतों में दलहनी एवं तिलहनी फसलों की बुवाई अवश्य करें। उक्त कार्यक्रम में जिला कृषि अधिकारी, जिला कृषि रक्षा अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, जिला गन्ना अधिकारी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य, के.वी.के. वैज्ञानिक, भूमि संरक्षण अधिकरी प्रथम/द्वितीय, हरदोई, उप सम्भागीय कृषि प्रसार अधिकारी एवं अन्य अधिकारीगण और भारी संख्या में किसान भाई उपस्थित रहे।

यूपी की हर विधानसभा में प्रदर्शन करेगी कांग्रेस, पीएम मोदी मांगे माफी- सलमान खुर्शीद

➲ अंबेडकर का अपमान बर्दाश्त नहीं, पीएम दें इस्तीफ़ा अमित शाह हों बर्खास्त- प्रमोद तिवारी

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। संसद में डॉ. बी आर अंबेडकर पर अपनी टिप्पणी के बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह चौतरफ़ा घिरते नज़र आ रहे हैं। इस मामले को लेकर कांग्रेस ने आक्रमक तेवर अपनाते हुए जहां गृहमंत्री अमित शाह के इस्तीफ़े की मांग कर डाली है वहीं दूसरी तरफ अमित शाह के बचाव में आये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से माफ़ी मांगने की पेशकाश कर डाली है। उप्र कांग्रेस कमेटी के कार्यालय में सोमवार 23 दिसंबर को आयोजित एक प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए पूर्व विदेश मंत्री तथा कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने आरोप लगाते हुए कहा कि डॉ. आंबेडकर का अपमान भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोची समझी रणनीति है। श्री खुर्शीद ने कहा कि वे संविधान से नहीं लड़ पा रहे हैं तो संविधान निर्माता पर हमला कर रहे हैं। जानबूझकर डॉ. आंबेडकर को अपमानित किया जा रहा है इसलिए अमित शाह अपने पद से इस्तीफ़ा दें साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश से माफी मांगें। उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की डॉ. आंबेडकर को लेकर की गई टिप्पणी के खिलाफ कांग्रेस यूपी की हर विधानसभा के पांच-पांच गांवों में विरोध प्रदर्शन करेगी। कांग्रेस हर विधानसभा के पांच-पांच गांवों में दलित सम्मेलन करेगी। मंगलवार को पूरे देश और उत्तर प्रदेश के हर जिले और हर शहर में विरोध प्रदर्शन होगा। प्रदेश मुख्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान सलमान खुर्शीद के साथ राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी, अमेठी सांसद केएल शर्मा सीतापुर से सांसद राकेश राठौर भी उपस्थित रहे। संसद में कांग्रेस सांसदों से हुई धक्कामुक्की पर बोलते हुए राज्य सभा सांसद प्रमोद तिवारी ने बताया कि जिस समय यह घटना हुई वे स्वयं वहां मौजूद थे। डॉ. बीआर अंबेडकर के खिलाफ अमीत शाह द्वारा दिये गए वक्तव्य की निंदा करते हुए प्रमोद तिवारी ने कहा कि डॉ. आंबेडकर के लिए भाजपा घृणा पैदा कर रही है जिसे कांग्रेस बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने बताया कि ऐसा पहली बार हुआ है कि भाजपा के सांसद संसद भवन में जो प्ले कार्ड लेकर आये थे उसमें डंडे लगे हुए थे साफ़ है उनका पहले से ही विपक्ष को संसद भवन के मकर द्वार पर ही रोकने की योजना थी। उन्होंने कहा कि सांसद किसी मुद्दे पर अपनाए विरोध जताने के लिए प्ले कार्ड हाथों में पकड़ खड़े होते थे जबकि भाजपा सांसदों ने प्ले कार्ड के पीछे डंडे लगा रखे थे यानी सांसदों को बलपूर्वक रोकने के लिए वे किसी भी हद तक जाने को तैयार थे। राहुल गांधी का बचाव करते हुए प्रमोद तिवारी ने बताया कि जब दोनों भाजपा सांसदों के गिरने की घटना हुई उस समय राहुल गांधी आगे निकल चुके थे जबकि धक्का बाद में लगा। उन्होंने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी को फसाने नाकाम कोषिष भाजपा कर रही है। प्रमोद तिवारी ने कहा कि देष के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने डॉ. आंबेडकर को संविधान निर्माता समिति में जिम्मेदारी दी, जिसकी वजह से समाज के हर व्यक्ति को अधिकार मिला। समाज के पिछड़े और दलित वर्ग के लोगों को अधिकार मिला। श्री तिवारी ने कहा कि जब आंबेडकर ने संविधान बनाया तो भाजपा ने जलाया। अब वह उसे खत्म करना चाहती है लेकिन देश ऐसा होने नहीं देगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस संविधान की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। अमेठी सांसद किशोरी लाल शर्मा ने बताया कि लोकसभा में विरोध के दौरान भाजपा के लोगों ने धक्का दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे गिर भी गए। जैसे ही कोई सांसद डॉ. आंबेडकर का नाम लेते हैं कार्यवाही रोक दी जाती है। पिछले चुनाव में संविधान की रक्षक प्रदेश की जनता ने उन्हें मात दी और विपक्ष को मजबूत किया।

प्रधान मंत्री मिशन रोजगार मेला 14 वीं श्रंखला के तहत बेरोजगार युवाओं को नियुक्ति पत्र बितरण समारोह का किया गया आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में रोजगार मेले का शुभारम्भ 22 अक्टूबर 22 से की थी।जिसके क्रम में 23 दिसंबर 24 को ग्रुप सेंटर सी आर पी एफ बिजनौर स्थिति परिसर में करीब तेरह सौ चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र बाँट कर बहुत बड़ी खुश खबरी दी गई और प्रधान मंत्री के लक्ष्य की देश के युवाओं को एक बहुत बड़ी सौगात दी जाय के अंतर्गत रोजगार मेला श्रखला 14 वी 2024विडिओ कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये युवाओं को नियुक्ति पत्र सौपे गए।ये नियुक्तियां देश के विभिन्न मंत्रालयों में होंगी।इसी कड़ी में ग्रुप सेंटर सी आर पी एफ लखनऊ में मुख्य अतिथि कीर्ति बर्धन सिंह पर्यावरण, वन,और जलवायु परिवर्तन और विदेश राज्य मंत्री भारत सरकार द्वारा अर्ध सैनिक बलो जिनमे सी आई एस एफ, वी एस एफ, आई टी बी पी, एस एस बी, सी आर पी एफ और असम राइफल्स,केनरा बैंक,रेलवे, सी पी एम जी लखनऊ के 25 स्वयं अपने हाथों व 1200 से अधिक बेरोजगार युवाओं को उनके विभागिये अधिकारियो द्वारा नियुक्ति पत्र वितरित किये गए।रोजगार मेले का मुख्य उद्देश्य बेरोजगार युवाओं को नौकरी प्रदान करना हैं।ऐसे में इन योग्य युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए केंद्र सरकार कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर काम कर रही हैं।इसी को देखते हुए भारत सरकार ने रोजगार मेला शुरू किया हैं।इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने दीप प्रजाव्वलित कर उपस्थित सभी अधिकारी गण व अभ्यर्थियों का स्वीकार कर उन्होंने कहा की इस वर्ष 71000 से अधिक नियुक्ति पत्र भारत के अलग अलग स्थानों पर प्रधान मंत्री की अगुवाई में भारत में नव जवान बेटी और बेटों को पक्की सरकारी नौकरी दी जाएगी.।केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के लिए विशेष गर्म की बात हैं।मै इस बीर बहादुर जवानों को याद कर नमन करता हूं।जो देश के लिए अपने प्राणो को आहूत दी हैं।युवाओं का राष्ट्र निर्माण में विशेष योगदान हैं।युवा शक्ति ही राष्ट्र शक्ति हैं।रोजगार मेले में नियुक्ति पत्र पाकर युवाओं में खुशी की लहर दौड़ गई।इस दौरान भारत जिंदाबाद के उद्घोष से आसमा गूंज गया।सी आर पी एफ के उप महानिरीक्षक चित्त रंजन महा पात्रा ग्रुप केंद्र लखनऊ ने भी अपने सम्बोधन में युवाओं में जोश भर अनुशासित होकर देश के लिए काम करने की सलाह दी।इस अवसर पर विभिन्न संस्थानों के पदाधिकारी, गण मान्य विशिष्ट अधिकारी गण, मिडिया बंधु, जवानों, दर्शक गण मौजूद रहे।धन्यवाद ज्ञापन सी आर पी एफ केंद्र के बैंड धुन व ग्रुप फोटो ग्राफ के साथ कार्यक्रम की समाप्ति की गई।

रूमी गेट की ओर आवागमन पर लगी रोक नहीं गुज़ार सकेगा कोई वाहन

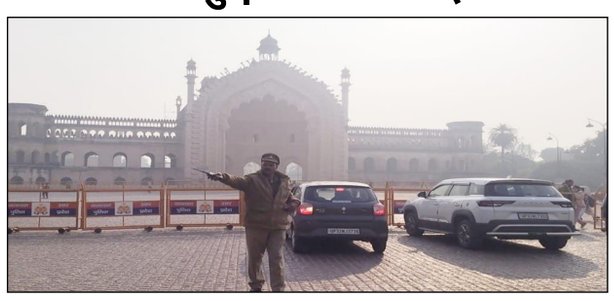

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। सोमवार को ऐतिहासिक रूमी गेट की ओर आवागमन पर अस्थायी रूप से पूर्ण रोक लगाई गई थी। यह निर्णय यातायात व्यवस्था को सुधारने और इस ऐतिहासिक स्थल की सुरक्षा एवं संरक्षा के उद्देश्य से लिया गया था। इसके चलते वाहनों को बड़े इमामबाड़ा के पीछे या चरक चौराहे से होकर गुजरने की सलाह दी गई थी। आपको बताते चलें कुछ दिनों पहले मंडलायुक्त द्वारा रूमी गेट क्षेत्र का निरीक्षण किया गया था, जिसके बाद यह रोक लगाई गई। हालांकि, इस कदम से स्थानीय जनता और यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। आसपास के इलाकों में भारी ट्रैफिक जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई, खासकर इन स्थानों परन्नया लाल पुल,चरक चौराहाट्रामा सेंटर। जाम की वजह से वाहन चालकों और राहगीरों को असुविधा हुई। स्थिति को देखते हुए, प्रशासन ने रूमी गेट से आवागमन को फिर से बहाल कर दिया है। अधिकारियों ने ट्रैफिक मैनेजमेंट को और मजबूत करने का वादा किया है ताकि भविष्य में ऐसी समस्याओं से बचा जा सके। यह कदम जनता की सुविधा और ऐतिहासिक धरोहरों की सुरक्षा के संतुलन को ध्यान में रखकर उठाया गया है।

उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ़ फॉरेंसिक साइंस लखनऊ में ट्रेनर्स आफ ट्रेनिज के प्रथम बैच का प्रशिक्षण प्रारंभ

❑ महानिदेशक प्रशिक्षण तिलोत्तमा वर्मा ने प्रशिक्षण सत्र का किया शुभारम्भ

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ . उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ़ फॉरेंसिक साइंस, लखनऊ मे जुलाई 2024 से लागू नये आपराधिक कानूनों के आलोक में एक सप्ताह का कैप्सूल कोर्स का शुभारम्भ किया गया। जिसमें प्रदेश के विभिन्न जनपदों से 40 निरीक्षक/उपनिरीक्षकों ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण सत्र का शुभारम्भ पुलिस महानिदेशक प्रशिक्षण श्रीमती तिलोत्तमा वर्मा ने किया। फतेपुर,बुलन्दशहर, बलिया, बरेली, गौतमबुद्धनगर, अलीगढ, आगरा, कौशाम्बी, मेरठ, कासगंज, जौनपुर, गोण्डा, पीलीभीत, वाराणसी, प्रतापगढ, बागपत, आजमगढ, अमरोहा तथा कानपुर नगर सहित पीटीएस मेरठ मिर्जापुर, गोरखपुर के निरीक्षक एवं उपनिरीक्षकों ने भाग लिया है। इस अवसर पर महानिदेशक प्रशिक्षण श्रीमती तिलोत्तमा वर्मा ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी के लिए यह एक अनोखा मौका है, सीखने के लिए उम्र की सीमा नहीं होती है, आदमी किसी भी उम्र में सीख सकता है। जिस प्रशिक्षण हेतु हम यहां आये है इस कोर्स को यूपीएसआईएफएस के अधिकारीगण एवं फेकल्टी ने हमारी नवीन उपयोगिता के दृष्टिगत डिजायन किया है। उन्होंने कहा कि हमें यह ध्यान रखना होगा कि हमारे आज इस सीखने के पीछे वो बहुत सारे एसे इंसान है जिन्हें हमे न्याय दिलाने का कार्य करना है। संस्थान के अपर पुलिस महानिदेशक/संस्थापक निदेशक डॉ. जी.के.गोस्वामी ने प्रथम बैच के प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि अगर आप बेहतर ढंग से प्रशिक्षित होगें तो निश्चित रूप से सरकार का उदेद्श्य पूर्ण होगा। और यहां से कुछ सीख कर जायेंगे तभी आपके आने की यहां सार्थकता भी होगी। उन्होंने कहा कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 173 के तहत ऐसे अपराध जिनमें सात साल से अधिक की सजा निर्धारित है उनमें फारेंसिक विशेषज्ञ का घटना स्थल पर विजिट अनिवार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि कई बार कोर्ट द्वारा साक्ष्य संकलन और प्रकिया में नियमों की लापरवाही नाराजगी जताया जाता है यह हमारे प्रशिक्षण और दक्षता की कमियों को दर्शाता है। इस अवसर पर संस्थान के अपर निदेशक श्री राजीव मल्होत्रा ने कहा कि किसी भी प्रशिक्षण का पहला कार्य रिफ्रेश करना, दूसरा हमें अपडेट करना और तीसरा हमारी कार्य दक्षता को बढाता होता है और हमारा प्रयास है कि आप सभी प्रशिक्षणार्थी इस संस्थान द्वारा वर्तमान परिवेश के दृष्टिगत एक सप्ताह हेतु डिजायन कैप्सूल कोर्स का भरपूर लाभ प्राप्त करें और जनपदों में जाकर थाने स्तर पर भी अन्य पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षित करें। इस कोर्स के व्याख्यान हेतु विषय विशेषज्ञ के रूप में पूर्व निदेशक सीएफएसएल हैदराबाद के.एम. वाष्णेय एवं डीपी गंगवार को भी आमंत्रित किया गया है। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. जी के गोस्वामी ने महानिदेशक प्रशिक्षण तिलोत्तमा वर्मा को पुष्प-पौध देकर सम्मानित किया। प्रशिक्षण सत्र में प्रशासनिक अधिकारी अतुल यादव, फेकल्टी एसपी राय, डॉ. अरुण खत्री, विवेक यादव, डॉ. सौरभ यादव ,डॉ. नतासा, डॉ. अजीत कुमार, डॉ. अभिषेक दीक्षित, एआर डॉ. श्रुति दासगुप्ता,डॉ. कार्तिकेय, जनसंपर्क अधिकारी संतोष तिवारी, प्रतिसार निरीक्षक बृजेश सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

समाचार

महानगर पुलिस ने दुष्कर्म करने के आरोपी को किया गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता इरफान कुरैशी

लखनऊ। थाना महानगर पुलिस ने आरोपी संदीप सागर उपरोक्त द्वारा वादिनी को शादी का झांसा देकर शारीरिक सम्बन्ध बनाने व अब शादी से इन्कार कर दिया,व जाने से मारने की धमकी के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मुकदमा पंजीकृत कराया, आरोपी काफी समय से फरार चल रहा था, मुखबिर की सूचना पर आरोपी संदीप सागर निवासी रानीनगर थाना सम्पूर्णनगर जनपद लखीमपुर खीरी, महानगर पुलिस टीम ने गिरफ्तार किया, इस क्रम में डीसीपी दिशा-निर्देश पर पुलिस टीम लगातार अपराधियों को धर पकड़ कर रही है, जिसमें आज थाना महानगर प्रभारी अखिलेश कुमार मिश्रा नेतृत्व में आरोपी को गिरफ्तार कर नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गई है।

थाना मड़ियांव पुलिस ने वारंटी को किया गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता इरफान कुरैशी

लखनऊ। थाना मड़ियांव पुलिस टीम ने एक वारंटी आरोपी रफीक अली निवासी म.न. 615/105, गायत्रीनगर सीतापुर रोड फैजुल्लागंज थाना मड़ियांव लखनऊ काफी समय वांछित चल रहा था, मुखबिर की सूचना पर आरोपी को गिरफ्तार किया गया, इसी क्रम में , डीसीपी, दिशा-निर्देश पर गठित की कई टीमें लगातार अपराधियों इसको धर पकड़ कर रही है। जिसमें आज थाना मड़ियांव प्रभारी निरीक्षक शिवानंद मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर, नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गया है।

वी.एफ.एस, ग्लोबल को भारत से मोल्दोवा वीज़ा जारी करने के लिए नियुक्त किया गया

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। दुनिया की अग्रणी आउटसोर्सिंग और प्रौद्योगिकी सेवा प्रदाता VFS Global को भारत में मोल्दोवा वीज़ा आवेदन प्रक्रिया को प्रबंधित करने का अधिकार दिया गया है। अब भारत के आवेदक मोल्दोवा गणराज्य के दूतावास के बजाय VFS Global के विभिन्न केंद्रों पर आवेदन कर सकते हैं। नई दिल्ली- वीज़ा आवेदन पहले से ही स्वीकार किए जा रहे हैं। 23 दिसंबर से- जालंधर, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, और कोच्चि में सेवाएँ शुरू हो चुकी हैं। आवेदन केंद्र पर जाएं।लागू शुल्क का भुगतान करें।कार्य दिवसों में वीज़ा प्राप्त करें।शॉर्ट-टर्म वीज़ा ट्रांजिट वीज़ा,एयरपोर्ट ट्रांजिट वीज़ा,लॉन्ग-टर्म वीज़ा,VFS Global और मोल्दोवा के दूतावास की प्रतिक्रियाएँ-युक्मी तलवार (VFS Global, COO)-हम मोल्दोवा दूतावास के साथ साझेदारी कर प्रसन्न हैं। VFS Global अभिनव और सुरक्षित समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। एना तबान (भारत में मोल्दोवा की राजदूत।VFS Global के साथ साझेदारी से दोनों देशों के संबंध मजबूत होंगे। उनकी सेवाएं आवेदकों के अनुभव को बेहतर बनाएंगी। 70 वैश्विक और 54 भारतीय क्लाइंट सरकारों को सेवाएँ प्रदान करता है।152 देशों में 3,400 केंद्र संचालित करता है। अब तक 301 मिलियन से अधिक आवेदनों को कुशलतापूर्वक संसाधित किया है।VFS Global ने भारत में मोल्दोवा वीज़ा प्रक्रिया को सरल, सुविधाजनक और तेज बनाने के लिए यह कदम उठाया है, जिससे दोनों देशों के बीच कनेक्टिविटी और सहयोग को नई दिशा मिलेगी।

लविविः यंग साइंटिस्ट अवार्ड से नवाजी गयी डॉ. आभा

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में फसलों पर ओजोन और कार्बन डाइऑक्साइड के प्रभावों पर किए गए उनके शोध के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. आदित्य आभा सिंह को प्रो. एचएस श्रीवास्तव फाउंडेशन यंग साइंटिस्ट अवार्ड इन लाइफ साइंसेज, एनवायरनमेंटल साइंसेज और एग्रीकल्चरल साइंसेज 2022-23 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें सीएसआईआर-एनबीआरआई में जलवायु परिवर्तन और पौधों की भूमिका पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में देशभर के प्रमुख वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं ने भाग लिया। डॉ. आदित्य आभा सिंह ने कहा कि उनका शोध न केवल पर्यावरणीय समस्याओं को सुलझाने में मदद करेगा, बल्कि यह किसानों और कृषि क्षेत्र के लिए भी लाभदायक साबित होगा।

अमौसी एयरपोर्ट ने 6.29 लाख यात्रियों की आवाजाही और सबसे अधिक मासिक यात्री आवागमन किया दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। लखनऊ एयरपोर्ट ने नवंबर 2024 में 6.29 लाख यात्रियों की आवाजाही के साथ अब तक का सबसे अधिक मासिक यात्री आवागमन दर्ज किया है। यह जानकारी एयरपोर्ट के प्रवक्ता ने दी। उन्होंने बताया कि लखनऊ एयरपोर्ट ने नवंबर 2024 में 5.24 लाख से अधिक घरेलू यात्रियों की आवाजाही और 1.05 लाख से अधिक अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की आवाजाही दर्ज की। उन्होंने बताया कि नवंबर 2023 में 5.6 लाख यात्रियों की आवाजाही की तुलना में लखनऊ हवाई अड्डे ने नवंबर 2024 में 12त से अधिक की वृद्धि दर्ज की। नवंबर 2023 में प्रतिदिन 18,600 यात्रियों की तुलना में नवंबर 2024 महीने में प्रतिदिन औसतन 21,000 यात्रियों ने यात्रा की। नवंबर 2024 में 10 नवंबर को 22,686 यात्रियों और 17 नवंबर को 22,986 यात्रियों की आवाजाही के साथ इस साल सबसे अधिक प्रतिदिन यात्रियों के आवागमन का रिकॉर्ड दर्ज किया गया। प्रवक्ता ने बताया कि त्यौहारी सीजन ने लखनऊ एयरपोर्ट पर यात्रियों की जबरदस्त मांग पैदा की। लखनऊ से नई उड़ानों के जुड़ने और एयरलाइनों द्वारा आवृत्तियों में वृद्धि ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए सुविधा बढ़ाई है। उन्होंने बताया कि नवंबर 2024 में दुबई, मस्कट और दम्माम लखनऊ से शीर्ष तीन अंतरराष्ट्रीय गंतव्य रहे, जबकि दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु शीर्ष तीन घरेलू गंतव्य हैं। प्रवक्ता ने कहा कि चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट वर्तमान में लखनऊ और आसपास क्षेत्र के यात्रियों के लिए 29 घरेलू और 10 अंतर्राष्ट्रीय गंतव्य का प्रवेश द्वार बन चुका है।

अतिक्रमण का शिकार समर विहार कालोनी, घरों के आगे बना रखा है गैराज और बागीचा

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह का दावा है कि राजधानी लखनऊ के हर क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त बना देंगे। इसके लिए उनके नेतृत्व में नगर निगम समय-समय पर अतिक्रमण अभियान चलाते हुए कई क्षेत्रों को अतिक्रमण मुक्त कर चुकी है। नगर निगम का अतिक्रमण अभियान कई बार उन कालोनियों में भी चलता नज़र आया जहां निवासियों ने अपने घरों के आगे की अतिरिक्त जमीन पर अतिक्रमण कर या तो बागीचा बना रखा था या गैराज। ऐसे ही अवैध अतिक्रमण का शिकार है आलमबाग स्थित समर विहार कालोनी। बता दें कि आलमबाग स्थित समर विहार कालोनी जो एक आदर्श कालोनी के नाम से जानी जाती है, में रहने वाले अधिकतर निवासी या तो सरकारी नौकरी करते हैं या सेवानिवृत हैं। कालोनी में कुछ व्यापारी वर्ग भी रहते हैं। मानक नगर स्टेशन के निकट बसी इस कालोनी को नगर निगम की हर सुविधा प्राप्त है। समर विहार कालोनी में एक बड़ा पार्क है जो समर विहार सेंट्रल पार्क के नाम से मषहूर है इसके अलावा एक छोटा पार्क है जो सद्भावना पार्क के नाम से जाना जाता है। कालोनी के रख रचाव का पूरा कार्य समर विहार वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा किया जाता है। एसोसिएशन द्वारा नगर पार्षद को एक कार्यालय भी दिया गया है। बेहद खूबरसूरत और आदर्ष कालोनी को यहां के चंद निवासियों द्वारा अवैध अतिक्रमण कर इसकी सूरत बिगाड़ने का काम किया जा रहा है। दरअसल नगर पार्षद द्वारा कालोनी में सड़क के किनारे लॉकिंग ब्रिक्स लगाने का काम जोरों पर किया जा रहा है लेकिन कालोनी के कुछ निवासियों ने अपने घर की शोभा बढ़ाने के लिए लोहे के जंगले लगाकर सड़क तक अतिक्रमण कर बागीचा बना लिया है। पार्षद का कहना है कि इन अवैध अतिक्रमण को हटाने के कई प्रयास किये गए लेकिन मकान मालिक लड़ने-झगड़ने पर अमादा हो जाते हैं जिसके कारण इंटर लॉकिंग का काम बाधित हो रहा है। इतना ही नहीं बड़े-बड़े घरों में रहने वाले कुछ लोगों ने सड़क के किनारे अपनी चार पहिया वाहन रखने के लिए गैराज तक बना रखा है। यहां की नालियां भी बंद है जिससे घरों का पानी बाहर सड़क पर जमा हो जाता है। उप्र की योगी सरकार राजधानी लखनऊ को एक आदर्श शहर बनाने के लिए लगातार अतिक्रमण के विरूध अभियान चलाने का काम करती आ रही है वहीं समर विहार कालोनी जो आलमबाग की एक आदर्श कालोनी मानी जाती है के चंद निवासियों ने नगर निगम को धता बताते हुए अवैध अतिक्रमण कर लॉकिंग ब्रिक्स लगाने के काम को बाधित कर रखा है।

रहमान खेड़ा में वन विभाग और विशेषज्ञ टीम द्वारा रेस्क्यू अभियान तेज

❑ रेस्क्यू के लिए कानपुर-लखनऊ प्राणी उद्यान की वेटनरी टीम तैनात

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ । रहमानखेड़ा में बाघ को पकड़ने के लिए बनाए गए कन्ट्रोल रूम को सोमवार को प्रवेश द्वार पर स्थानान्तरित कर दिया गया। साथ ही मचान के पास के एरिया को नो गो जोन घोषित किया गया है। डीएफओ सितान्शु पांडेय ने बताया कि बाघ को सुरक्षित रेस्क्यू करने के लिए कानपुर और लखनऊ प्राणि उद्यान के डाक्टर द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है। डीएफओ ने बताया कि सुबह चार बजे से रात आठ बजे तक मचान से रेस्क्यू टीम बाघ के मूवमेंट को लेकर नजर रखे हुए है। उन्होंने बताया कि रहमानखेड़ा फार्म के पीछे जाने वाले मार्ग मीठेनगर गांव के पहले खड़ंजा मार्ग के बांये तरफ बाघ ने रविवार को एक सांड़ का शिकार किया था। जिसका मृत शरीर जंगल में झाड़ी के अन्दर वन्य जीव खींचकर ले गया था। जिसको वहां से हटाकर खडंजा मार्ग के समीप झाड़ी के रिक्त स्थान पर रखा गया है, जिसकी निगरानी प्राणि उद्यान लखनऊ के डॉक्टर द्वारा की जा रही है। डीएफओ ने बताया कि वन विभाग द्वारा तय की गयी रणनीति के अनुसार बाघ को सुरक्षित पकड़ने के लिए कानपुर एवं लखनऊ प्राणि उद्यान के वेटनरी डाक्टरों की टीम वन्य जीव वाले संभावित स्थल पर तैनात की गयी है। वहीं वन विभाग एवं डब्लूटीआई की टीम द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में पेट्रोलिंग लगातार जारी है।

डॉ. राजेश्वर सिंह की 35वीं रामरथ श्रवण अयोध्या यात्रा : शारदा नगर के राम भक्तों के लिए एक दिव्य अनुभूति

➲ रामरथ श्रवण अयोध्या यात्रा, श्रीराम का आशीर्वाद और सरोजनीनगर के स्नेह का प्रतिफल - डॉ. राजेश्वर सिंह

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। भाजपा विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा संचालित रामरथ श्रवण अयोध्या यात्रा केवल एक धार्मिक यात्रा न रहकर श्रद्धा, भक्ति और एकता का एक अभूतपूर्व प्रतीक बन चुकी है। प्रत्येक माह में दो बार आयोजित की जाने वाली इस यात्रा के माध्यम से डॉ. सिंह सरोजनीनगर के बुजुर्गों, महिलाओं और महिलाओं को निःशुल्क अयोध्या दर्शन की सुविधा प्रदान कर रहे हैं। इसी कड़ी में, सोमवार को रजनी खंड, शारदा नगर से 35वीं रामरथ श्रवण अयोध्या यात्रा का संचालन किया गया।

यात्रा का दिव्य अनुभवः

श्रद्धालुओं से यात्रा के अनुभव के बारे में पूछने पर उन्होंने इसे एक दिव्य यात्रा बताया, जिसमें हर पल आध्यात्मिक शांति और संतोष का अनुभव हुआ। इस बस सेवा से अयोध्या जाने वाले हर श्रद्धालु के चेहरे पर आस्था और भक्ति की गहरी छाप देखी गई। सभी के मन में नव निर्मित दिव्य और भव्य राममंदिर के दर्शन की प्रबल अभिलाषा थी। डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा संचालित यह यात्रा न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह समर्पण, एकता और विश्वास का भी एक अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत करती है।

रखा गया श्रद्धालुओं की हर सुविधा का ध्यानः

विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह की टीम ने यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की हर आवश्यकता का ध्यान रखा। उन्हें घर से लाने ले जाने से लेकर यात्रा मार्ग में भोजन, जलपान और स्वास्थ्य सुविधाओं की पूरी व्यवस्था की गई थी, ताकि किसी भी श्रद्धालु को कोई असुविधा न हो। अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर, हनुमानगढ़ी और अन्य प्रमुख मंदिरों में दर्शन की व्यवस्था की गई, जहां श्रद्धालुओं को सहजता से दर्शन का अवसर मिला। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक श्रद्धालु को प्रसाद, श्रीरामचरितमानस और अंग वस्त्र प्रदान कर उन्हें श्रद्धा और सम्मान का प्रतीक सम्मानित किया गया।

माँ तारा सिंह जी की प्रेरणा से हुई शुरुआतः

यह निःशुल्क बस सेवा डॉ. राजेश्वर सिंह की माँ तारा सिंह की प्रेरणा से 27 सितंबर 2022 को शुरू की गई थी और अब यह यात्रा सरोजनीनगर परिवार के लिए आस्था, विश्वास और समर्पण का प्रतीक बन चुकी है। यह यात्रा अब सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि एक दिव्य अनुभूति बन चुकी है, जो सभी को एकजुट करती है और हमारी आस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाती है।

डॉ. राजेश्वर सिंह का संदेशः

इस यात्रा के संदर्भ में विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह का कहना है, वृद्धजन समाज की धरोहर हैं, उनकी सुविधाओं का ख्याल रखना एक जनप्रतिनिधि का सर्वोपरि कर्तव्य है। प्रभु श्रीराम के असीम आशीर्वाद और सरोजनीनगर परिवार के अपार स्नेह व समर्थन से, यह रामरथ श्रवण अयोध्या यात्रा अनवरत जारी रहेगी, ताकि हर वृद्धजन को प्रभु श्रीराम का आशीर्वाद प्राप्त हो सके। यह यात्रा एक दिव्य यात्रा है जो हमें एकजुट करती है और हमारी आस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाती है।

संपादकीय

बायोहैकिंग क्या है? भारत में इसका प्रचलन कैसे बढ़ा?

आखिर बायोहैकिंग में क्या होता है? जानकार बताते हैं कि भारत में बढ़ते बायोहैकर कम्युनिटी के पास भले ही जॉनसन जैसा मोटा ~~बजट न हो,~~ लेकिन वे लोग सेहत को बेहतर बनाने के लिए अपने-अपने तरीके आजमा रहे हैं जो खतरे से खाली नहीं है, क्योंकि यह आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के द्वारा प्रमाणित नहीं है।

लाइफ इज मिंट फ़ॉर जॉय यानी जीवन जीने के लिए है। लेकिन कुछ लोग प्राकृतिक और शारीरिक परिस्थितियों में मनमाफिक बदलाव लाकर यादा से यादा जीने की कोशिशों में जुटे हुए हैं। इनके लिए बायोहैकिंग एक ऐसा शब्द बन चुका है जो शरीर की काम करने की क्षमता को बेहतर बनाने और उम्र बढ़ाने के तरीकों से जुड़ा हुआ है। इसलिए अब दुनिया के लोग इस पर फिदा होते जा रहे हैं। भारत में भी बायोहैकिंग के दीवाने बढ़ रहे हैं। जानकारों का कहना है कि विश्वविद्यालयों में बायोसाइंसेज और हेल्थ रिसर्च से जुड़े छात्रों में इस नवीनतम ज्ञान और शोध के प्रति दिलचस्पी बढ़ी है। इस बारे में लोग पूछताछ कर रहे हैं। बता दें कि बायो और हैकिंग नामक दो शब्द सेहत से जुड़ी बायोलॉजिकल प्रक्रियाओं को प्रभावित करते हैं। ये भले ही नॉन-ट्रेडिशनल हैं और अभी मेडिकली इस पर मुहर नहीं लगी है। फिर भी इनके पीछे कुछ वैज्ञानिक साक्ष्य हैं, जो क्लिनिकल प्रैक्टिस में आने के लिए यह काफी नहीं है। हालांकि, इसके व्यक्तिगत अनुप्रयोग में इजाफा देखा जा रहा है, जो खतरे से खाली नहीं है। मीडिया रिपोर्ट्स भी इस बात की चुगली कर रही हैं कि मौत को मात देने के इस नए ट्रेंड का भारत में प्रचलन बढ़ रहा है। यहां बायोहैकिंग का क्रेज़ इतना है कि रोज इसके अनुगामियों की संख्या बढ़ रही है। अब तो डाइटिंग के साथ प्राकृतिक चिकित्सा उपायों और योग-ध्यान से जुड़े रहस्यों के साथ भी इसे जोड़ा जाने लगा है। आपको पता होगा कि महज 47 साल के अमेरिकी बायोहैकर और उद्यमी ब्रायन जॉनसन इन दिनों मौत को मात देने पर तुले हुए है। हाल ही में वो भारत भी आए थे।यहां पर भी उन्होंने अपना एज-रिवर्सिंग ब्लूप्रिंट प्रोटोकॉल लॉन्च किया, जिसमें ढेर सारे सप्लीमेंट्स, टेस्ट, एक्सपेरिमेंट्स, खास तरह का डाइट प्लान और एलईडी लाइट एक्सपोजर जैसे तमाम उपायों के सहारे जीवन प्रत्याशा बढ़ने-बढ़ाने के दावे किए गए हैं। एक अंग्रेजी दैनिक के मुताबिक, भारत में भी ऐसे लोगों का एक बड़ा समूह (ग्रुप) बन गया है, जो अपने शरीर और दिमाग को बेहतर बनाने के लिए हर तरह के उपाय लगा रहे हैं। इनमें कड़ाके की ठंड में बर्फ स्नान से लेकर रेड लाइट थेरेपी और ढेर सारे सप्लीमेंट्स का इस्तेमाल तक शामिल है। यही नहीं, कुछ लोगों के रूटीन में हाइपरबेरिक ऑक्सीजन थेरेपी शामिल है। वहीं, कुछ लोग इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तरंगें पैदा करने वाले उपकरणों से अपनी आयु बढ़ाने के जतन में जुटे हुए हैं। इसलिए आज मैं अपने इस आलेख के माध्यम से आपको यह बताने की कोशिश कर रहा हूँ कि आखिर बायोहैकिंग में क्या होता है? जानकार बताते हैं कि भारत में बढ़ते बायोहैकर कम्युनिटी के पास भले ही जॉनसन जैसा मोटा बजट न हो, लेकिन वे लोग सेहत को बेहतर बनाने के लिए अपने-अपने तरीके आजमा रहे हैं जो खतरे से खाली नहीं है, क्योंकि यह आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के द्वारा प्रमाणित नहीं है। इससे जुड़ी कोई शोध रिपोर्ट्स भी अबतक नहीं आई है। हालांकि कुछ बायोहैक्स तो बहुत आसान हैं, जैसे ध्यान, उपवास, सप्लीमेंट्स लेना, धूप में बैठना और एक्सरसाइज करना। लेकिन इस क्षेत्र में कई तरह के अनुप्रयोग भी किए जा रहे हैं। मिसाल के तौर पर, जॉनसन ने अपने बेटे के साथ प्लामा और ब्लड स्वैप किया। वहीं, चेहरे में डोनर फैट इंजेक्शन भी लगाया, जो कामयाब नहीं रहा। सवाल है कि भारत में बायोहैकिंग का चलन कैसे विकसित और प्रचलित हुआ? क्योंकि बायोहैकिग आधुनिक दवाइयों के परिणाम से नाखुशी मतलब साइड इफेक्ट्स की वजह से विकसित हुआ है। समझा जाता है कि लंबी उम्र या सेहतमंद जीवन जीने की बढ़ती दिलचस्पी ही लोगों को बायोहैकिंग की तरफ आकर्षित कर रही है। बताया जाता है कि जहां भारत में डिकोड एज के को-फाउंडर राकेश सोमानी ने दस साल पहले अपनी परफॉर्मेंस बेहतर बनाने के लिए बायोहैकिंग शुरू किया था। वहीं, लोग तरह-तरह के अनुप्रयोग कर रहे हैं और अपने अनुभवों को भी सोशल मीडिया पर साझा कर रहे हैं। कुछ लोग बर्फ के पानी में डुबकी लगाते हैं; वो भी तब, जबकि दिल्ली में कड़ाके की सर्दी पड़ रही हो। क्योंकि इनका मानना है कि आइस बाथ यानी बर्फ स्नान से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और व्यायाम के बाद रिकवरी अछी होती है। इससे दिमाग भी यादा मजबूत बनता है। वहीं, कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिन्होंने ग्लूटेन, कॉर्न, डेयरी और प्रोसेस्ड फूड आदि छोड़ दिए हैं। इनका डिनर शाम छह-सात बजे तक खत्म हो जाता है। ऐसे लोग स्किन हेल्थ, मसल्स रिकवरी के लिए रेड लाइट थेरेपी का भी इस्तेमाल करते हैं। वहीं, योग के अलावा तनाव को कंट्रोल में रखने के लिए न्यूरोफीडबैक के रूटीन को पूरा करते हैं। वहीं कुछ लोग हफ्ते में दो बार 23 घंटे का उपवास करते हैं। इनकी प्रक्रियाओं में प्रोटीन लेना, ढेर सारे सप्लीमेंट्स, क्रायोथेरेपी (जबरदस्त ठंड में रहना), एंटी-एजिंग ड्रिप्स और रेड लाइट थेरेपी आदि शामिल हैं, जो इनके प्रयोगकर्ताओं के रूटीन में शामिल हो चुके हैं। दिलचस्प बात तो यह है कि ऐसे लोग यह सब कुछ करते हुए भी रोज महज छह घंटे ही सोते हैं और अपनी प्रोग्रेस ट्रैक करने के लिए डिवाइस भी पहनते हैं। वहीं कुछ लोग धूप में बैठते हैं, घास पर नंगे पैर चलते हैं, रेड लाइट थेरेपी करते है, ग्राउंडिंग मैट्स का इस्तेमाल करते हैं। वह ब्लू-लाइट ब्लॉकिंग ग्लासेज पहनते हैं, ताकि लंबा जीवन जी सकें। ये लोग पेट के माइक्रोबायोम का एनालिसिस भी करवाते हैं और अपने ब्लड एज भी चेक कराते है। कहने का तातपर्य यह कि लोग अपने जीवन को, आयु को बढ़ाने के लिए इतने सारे यत्न प्रयत्नपूर्वक करते हैं। हालांकि, इनकी बढ़ती गतिविधियों से कुछ लोगों के मनोमस्तिष्क में यह सवाल भी पैदा हो रहा है कि क्या बायोहैकिंग नुकसानदेह भी हो सकता है? इसको स्पष्ट करते हुए सीएसआईआर इंस्टिट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी के एक्सपर्ट बताते हैं कि बायोहैकिंग एक खतरनाक रास्ता भी हो सकता है, क्योंकि यादातर बायोहैकिंग क्रियाएं बिना खतरों को देखे, महसूस किए ही किये जाते हैं। वो वजन कम करने के लिए डायबिटीज की दवा ओजेम्पिक के हालिया चलन का उदाहरण देते हुए कहते हैं कि यह दवा अत्यधिक मोटापे और मेडिकल कॉम्प्लिकेशन्स से जूझ रहे लोगों के लिए तो अछी हो सकती है। लेकिन जब कोई फ़िल्म स्टार अपना थोड़ा सा वजन करने के लिए यही दवा लेता है, तो ये हैकिंग है। ये इसका समर्थन नहीं करते हैं, क्योंकि ये इसके दीर्घकालीन प्रभावों व उसके नतीजों के बारे में नहीं जानते हैं। एक उदाहरण देते हुए उन्होंने समझाया कि एक समय में भूख कम करने वाली गोलियां बहुत यादा चलती थीं, लेकिन जब बाद में पता चला कि इनसे पल्मोनरी हाइपरटेंशन का खतरा बढ़ता है, जो जानलेवा भी हो सकता है, तो उसके सेवन पर अपने आप रोक लग जाती है। बहरहाल, आप मानें या न मानें, लेकिन इतना तो समझना ही होगा कि हमारा शरीर हमेशा के लिए जीने के लिए नहीं बना है। इसलिए कोई भी जुनून मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बुरा हो सकता है। अतः बेहतर यही होगा कि जीवन प्रत्याशा बढ़ाने के लिए अब तक हुए या हो रहे शोध रिपोर्ट्स पर गौर करें और उसके मुताबिक अपनी आदतें विकसित करें। अन्यथा नीम हकीम खतरे जान वाली नौबत भी आ सकती है। इसलिए सावधानी पूर्वक हरेक पहल करें और आगे बढ़ें।

भारत में एक साथ चुनाव कराने संबंधी विधेयक संविधान के लिए नुकसानदेह

पी. सुधीर

> "इन संशोधनों केतहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने के लिए संविधान में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए पांच साल के कार्यकाल के मूल सिद्धांत को खत्म कर दिया गया है।"

भारत के संविधान के लागू होने की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर लोकसभा में हुई बहस में संविधान की रक्षा के बारे में भाजपा नेताओं द्वारा वाक्पटुता दिखाने के दो दिन बाद, मोदी सरकार ने एक संविधान संशोधन विधेयक पेश किया है, जो संविधान और उसके भीतर संघीय ढांचे को नुकसान पहुंचाने का प्रयास है। दो विधेयक पेश किये गये - संविधान (129वां संशोधन) विधेयक और केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन विधेयक - जो लोकसभा और राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सभी विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव सुनिश्चित करने का प्रावधान करते हैं। संविधान संशोधन विधेयक तीन खंडों में संशोधन करता है और संविधान में एक नया खंड शामिल करता है। इन संशोधनों केतहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने के लिए संविधान में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए पांच साल के कार्यकाल के मूल सिद्धांत को खत्म कर दिया गया है। सबसे पहले, लोकसभा चुनाव और सभी राज्य विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ लाने के लिए, भारत के राष्ट्रपति द्वारा घोषित नियत तिथि के बाद लोकसभा के पांच साल के कार्यकाल की समाप्ति पर, सभी राज्य विधानसभाओं का कार्यकाल लोकसभा के पूर्ण कार्यकाल की समाप्ति पर समाप्त हो जायेगा। इसका मतलब यह है कि एक साथ चुनाव का रास्ता बनाने के लिए कुछ विधानसभाओं के पांच साल के कार्यकाल में कटौती की जायेगी। यह राज्य विधानसभा के पूरे पांच साल के कार्यकाल के अधिकार पर पहला हमला है। इसके अलावा, भविष्य में लोकसभा या राज्य विधानसभाओं के लिए पांच साल के कार्यकाल की गारंटी नहीं है। संशोधनों में से एक में कहा गया है कि यदि लोकसभा अपने पूर्ण कार्यकाल की समाप्ति से पहले भंग हो जाती है, तो अगली लोकसभा के लिए केवल शेष अवधि के लिए चुनाव होंगे। इसका मतलब यह है कि यदि लोकसभा अपने कार्यकाल के तीन साल बाद भंग हो जाती है, तो अगला चुनाव केवल दो साल तक काम करने वाली लोकसभा के लिए होगा। राज्य विधानसभाओं के कार्यकाल के संबंध में एक समान संशोधन प्रस्तावित है। यदि किसी राज्य की विधानसभा को बीच में ही भंग कर दिया जाता है, तो चुनाव केवल शेष अवधि के लिए होंगे। उदाहरण के लिए, यदि किसी राज्य की विधानसभा को तीन साल बाद भंग कर दिया जाता है, तो चुनाव केवल शेष अवधि के लिए होंगे, जो केवल दो साल होगी। इसलिए, मध्यावधि चुनाव में चुने गए संसद सदस्य या विधायक का कार्यकाल पांच साल का नहीं होगा। यह संविधान में निर्धारित संसदीय लोकतंत्र की मूल योजना के विरुद्ध है। राज्य विधानसभा के कार्यकाल में इस तरह की कटौती से संघवाद और निर्वाचित राज्य विधायकों के अधिकारों पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। संघीय ढांचा, जो राज्यों के संघ में अभिव्यक्त होता है, और अधिक कमजोर हो जायेगा क्योंकि विधानसभा के लिए पांच साल के कार्यकाल का मूल अधिकार नष्ट हो जायेगा। यह केंद्र सरकार और केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा हेरफेर का रास्ता भी खोलता है। उदाहरण के लिए, यदि राज्य सरकार के पतन के कारण राज्य विधानसभा अपने कार्यकाल के चार साल बाद भंग हो जाती है, तो विधानसभा के शेष एक साल के कार्यकाल के लिए मध्यावधि चुनाव का कोई मतलब नहीं है। ऐसी स्थिति में या तो सरकार के पतन को रोकने के लिए खरीद-फरोख्त का रास्ता खुलेगा या फिर राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने का निमंत्रण होगा।संघवाद का अर्थ है विविधता और अलग-अलग भाषाई-सामाजिक-सांस्कृतिक स्थितियों और राजनीतिक बहुलता को मान्यता देना। लोकसभा के साथ सभी राज्य विधानसभा चुनावों को एक साथ सीमित करना उन्हें एक केंद्रीकृत प्रणाली में एक समरूप राजनीतिक इकाई में बदलने का प्रयास है। एक राष्ट्र, एक चुनाव प्रणाली के समर्थकों द्वारा आगे बढ़ाये गये प्रमुख तर्कों में से एक यह है कि यह अलग-अलग समय पर होने वाले चुनावों की बहुलता के कारण होने वाले फिजूलखर्ची को कम करेगा। हालांकि, संसद और विधानसभा चुनावों के बीच तालमेल बनाये रखने के लिए प्रस्तावित बदलावों से कम समय में अनावश्यक चुनावों का रास्ता खुल जाता है। प्रस्तावित संविधान संशोधनों के अनुसार, पांच साल के कार्यकाल वाली राज्य विधानसभा के लिए चुनाव हो सकते हैंय फिर अगर राज्य सरकार गिरती है, तोशेष कार्यकाल के लिए मध्यावधि चुनाव होंगेय जिसके बाद पांच साल के कार्यकाल के अंत में एक और चुनाव होगा। इसका मतलब है कि पांच साल के अंतराल में तीन चुनाव होंगे। अगर ऐसी स्थिति लोकसभा स्तर पर होती है, तो पांच साल के अंतराल में तीन राष्ट्रीय चुनाव होंगे। ऐसी बेतुकी स्थिति चुनावों पर होने वाले खर्च को कई गुना बढ़ा देगी। विधेयक में एक ऐसा खंड भी पेश किया गया है, जो चुनाव आयोग को किसी भी राज्य में चुनाव में देरी करने का फैसला करने का अधिकार देता है, अगर उसे लगता है कि स्थिति इसकी मांग करती है। चुनाव आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति कार्रवाई करेंगे। यह एक खतरनाक प्रावधान है जिसका इस्तेमाल संघीय ढांचे में किसी राज्य के मूल अधिकार को खत्म करने के लिए किया जा सकता है। भाजपा शासकों की अति-राष्ट्रवादी हिंदुत्व विचारधारा ने श्एक राष्ट्र, एक चुनावश् प्रणाली को प्रेरित किया है। यह एक ऐसी विचारधारा है जो एक सत्तावादी-केंद्रीकृत राज्य की लालसा रखती है। यह संघवाद, विविधता और बहुलवाद के प्रति गहरी शत्रुतापूर्ण है। मोदी सरकार ने इन विधेयकों को एक अति-केंद्रीकृत राज्य के लिए प्रयास के हिस्से के रूप में लाया है।

बचपन बचाने को बेलगाम सोशल मीडिया पर लगाम

हाल में ऑस्ट्रेलिया में कानून लागू किया कि बच्चे-किशोर सोशल मीडिया का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। एक्स, टिकटॉक, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे मंचों तक उनकी पहुंच प्रतिबंधित है ताकि वे इनके नकारात्मक प्रभाव से बच सकें। शोधों के मुताबिक, एल्गोरिद्म के जरिये ये बड़ों के कंटेंट को भी कंट्रोल करती है। समस्या इन्फ्लूएंसर भी हैं। इन कंपनियों की जवाबदेही व आजादी की सीमा स्तर तय करने पर यूरोप, अमेरिका और भारत समेत कई देशों में विचार-विमर्श जारी है। हालांकि आज के डिजिटल युग में इन प्लेटफॉर्मों की उपयोगिता के चलते पाबंदियों को लेकर कुछ सवाल भी उठे हैं।सोशल मीडिया का बेलगाम विस्तार आज पूरी दुनिया के लिए बड़ी चिंता का विषय बन गया है। दुनियाभर में इस बात पर मंथन जारी है कि आखिर इससे कैसा रिश्ता बनाएं और इसकी चुनौतियों से कैसे निपटें। हाल ही में, ऑस्ट्रेलिया में लागू हुए कानून में व्यवस्था की गई है कि 16 साल से कम उम्र के बच्चे सोशल मीडिया का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। वहां की संसद में 28 नवंबर को यह कानून पारित हो गया। इसके तहत एक्स (पूर्व में ट्विटर), टिकटॉक, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे मंचों तक बच्चों की पहुंच को प्रतिबंधित किया गया है। साथ ही, इस पाबंदी को लागू करने की जिम्मेदारी सोशल मीडिया कंपनियों पर डाली गई है कि वे ऐसे प्रावधान करें जिनसे सोलह साल से कम उम्र के बच्चे सोशल मीडिया के मंचों पर अपने अकाउंट नहीं बना सकें। कानून का पालन नहीं करने वाली सोशल मीडिया कंपनियों पर भारी जुर्माने का प्रावधान रखा गया है। दावा है कि दुनिया में ऑस्ट्रेलिया पहला ऐसा देश है, जहां बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर पाबंदी लगी है। उद्देश्य बच्चों को सोशल मीडिया के नुकसान से बचाना है जोकि आज एक वैश्विक समस्या है। ऐसी पाबंदियों का समर्थन करते हुए ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने कहा है कि बच्चे अनिवार्य रूप से अपना बचपन जिएं और उनके माता-पिता को मन की शांति मिले। उल्लेखनीय है, मौजूदा यूजर और माता-पिता चाहें या ना चाहें, कानून के तहत बनने वाला ढांचा (फ्रेमवर्क) सभी पर अनिवार्यतः लागू होगा। नियमों के पालन की जिम्मेदारी सोशल मीडिया और टेक कंपनियों की होगी और कायदे नहीं मानने पर करोड़ों का जुर्माना उन पर लगेगा।

जहां तक छूट की बात है तो उन मैसेजिंग सेवाओं और गेमिंग साइट्स पर पाबंदी नहीं होगी, जो बच्चों के लिए उपयोगी कंटेंट बनाती हैं और जिन्हें यूट्यूब के बिना इस्तेमाल यानी एक्सेस किया जा सकता है। ऊपरी तौर पर लगता है कि यह ऑस्ट्रेलियाई पहल मौजूदा वक्त की सबसे बड़ी जरूरत है। सोशल मीडिया ने कुछ उपयोगी देने के मुकाबले नई पीढ़ी का जितना नुकसान किया है, उसे देखते हुए दुनिया भर में उस पर प्रतिबंध लगा देने चाहिए। पर यहां कई बड़े सवाल है, जिन पर ऐसी पाबंदियां लगाने से पहले विचार करना जरूरी है। जैसे, सरकारें और नियामक संस्थाएं यह कैसे तय करेंगी कि तेजी से बदलते आज के माहौल में इंटरनेट का कौन-सा मंच सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है और कौन-सा नहीं। साथ ही, कोरोना वाले दौर को याद करने से लगता है कि अगर सोशल मीडिया को बैन कर दिया, तो पढ़ाई, कामकाज, ईकॉमर्स वेबसाइटों के जरिए खरीदारी से लेकर मनोरंजन तक की जो सहूलियतें घर बैठे दुनिया को मिल रही हैं, उनका क्या होगा। स्कूल-कॉलेजों में अध्यापक गृहकार्य और परीक्षा संबंधित परियोजनाओं की सूचना छात्रों को सोशल मीडिया के जरिए देते हैं। शायद इसी वजह से टेक कंपनियों के हितों को देखने वाले एक ऑस्ट्रेलियाई समूह ने पाबंदियों को '21वीं सदी की चुनौतियों के बरक्स 20वीं सदी की प्रतिक्रिया' ठहराया है। यह आशंका भी जताई जा रही कि चुनींदा सोशल मीडिया मंचों पर प्रतिबंध की स्थिति में बच्चे 'इंटरनेट के खतरनाक और अनियमित हिस्सों' की ओर धकेले जा सकते हैं, जो और भी बड़ी चुनौती है। पाबंदियों के विरोध का सबसे तार्किक पक्ष यह कि इंटरनेट आज ऐसा समुद्र बन गया है जिसमें उसके उपयोगी पहलुओं को तय करना और सबसे खराब पक्ष को प्रतिबंधित करना मुश्किल हो गया है। इसे ऐसे समझा जा सकता है कि बच्चों को तैराकी सीखने के लिए पानी में उतरना होगा। इसलिए समुद्र के पानी को बाड़ लगाकर नहीं रोकते, बल्कि स्वीमिंग पूल, तैराकी संबंधी सुरक्षा उपकरणों की मदद से बच्चों को कुशल तैराकी का हुनर सिखाते हैं। उल्लेखनीय है, बीते मई 2024 में ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने सोशल मीडिया कंपनियों पर लगाम लगाने के मकसद से ऐलान किया था कि वहां सोशल मीडियों प्लेटफॉर्म्स के प्रभाव की जांच की जाएगी। ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने खास तौर से चिंता प्रकट की थी कि कि आज सोशल मीडिया की पहुंच और असर बहुत ज्यादा है। सोशल मीडिया कंपनियां यह फैसला करने की भूमिका में आ गई हैं कि लोग क्या देखें, क्या सोचें या क्या खरीदें। मामला सिर्फ ऑस्ट्रेलिया का नहीं है, बल्कि इसे भारत के संदर्भ में और अमेरिका-चीन आदि देशों में प्रतिबंधों के सुझावों के आधार पर देखे जाने की जरूरत है। खासतौर से इसलिए क्योंकि इस वर्ष लोकसभा चुनाव से पहले मार्च में भारत की केंद्र सरकार ने अगले पांच वर्षों के लिए नई सरकार का जो रोडमैप पेश किया था, उसमें भी सोशल मीडिया मंचों के सतर्क इस्तेमाल और डीपफेक के मामलों में सावधानी बरतने को कहा गया था। ऐसे दौर में, जब टेक कंपनियां हर वक्त बच्चों को अपने साथ बांधे रखना चाहती हैं, यह सवाल महत्वपूर्ण है कि बच्चों को इन तकनीकी कठिनाइयों से निपटने में सक्षम बनाने की कोशिश करनी चाहिए या उन्हें इनसे अलग-थलग कर देना चाहिए।इसमें तो संदेह नहीं कि फेसबुक, ट्विटर, वॉट्सऐप, स्नैपचैट और इंस्टाग्राम आदि सोशल मीडिया मंचों ने हर व्यक्ति को अपनी बात खुलकर कहने का अवसर दिया है। इस लिहाज से सोशल मीडिया ने नागरिकों को एक व्यक्ति के तौर पर अधिक सशक्त बनाया है। यह इसी रूप में सीमित रहता तो संकट न आता। समस्या तब पैदा हुई जब सोशल मीडिया कंपनियों ने यह फैसला अपने हाथ में ले लिया कि लोग ऑनलाइन क्या देखें और क्या नहीं। ऑस्ट्रेलिया में इन कंपनियों से जो तनातनी बढ़ी, उसका एक संदर्भ इस साल चर्चा में आए हिंसक वीडियो से जुड़ता है। इस वीडियो को माइक्रो ब्लॉगिंग साइट- एक्स से हटाने को लिए ऑस्ट्रेलियाई सरकार और एक्स के बीच तीखी नोकझोंक हुई।

मेषः- योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। मस्त-मौला मन ब्यर्थ के कायरे में समय जाया कर महत्वपूर्ण कायरे के प्रति लापरवाह होगा। शिक्षा-प्रतियोगिता की दिशा में किया गया परिश्रम तीव्र होगा।
वृषभः- नयी घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। जरूरी कायरे की समय से पूर्ति करें।
मिथुनः- नये क्षेत्रों मे प्रयास से लाभ संभव। समस्याओं के समाधान से उत्साह में वृद्धि होगी। नये संबंधों के सहयोग से आर्थिक कठिनाइयां दूर होंगी। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता बरतें।
कर्कः- सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन में निराशा पैदा करेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। रोजगार में क्षमता का पूर्ण लाभ मिलेगा।
सिंहः- कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। आवेश में लिये गये निर्णय से पश्चाताप संभव। घर में किसी मेहमान के आगमन से व्यय संभव।
कन्याः- मन को सकारात्मक दिशा की ओर केंद्रित करें। भाग्य से प्राप्त अच्छी बुरी सभी स्थितियों के साथ समझौतावादी बने। अपने सुख-दुख छोड़ परिजनों के सुख के बारे में सोचें। आलस्य कतई न करें।
तुलाः- पुरानी गलतियों से सीख लेते हुए वर्तमान को सुधारें। अच्छे कायरें से परिजनों के दिल में जगह बनायें। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरनें। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सचेत रहें।
वृश्चिकः- भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी।
धनुः- मूल्यवान समय को व्यर्थ के कायरें में न जाया करें। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ संभव। संवेदनशील शरीर ग्रहों की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकते हैं। जरूरी कायरे की पूर्ति समय से करें।
मकरः- सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। रोजगार में लाभ के नये अवसर मिलेंगे। पिता के स्वास्य के प्रति सचेत रहें। किसी मेहमान के आगमन से घर में खुशहाल वातावरण रहेगा।
कुंभः- किसी की अस्वस्थता से परिवार में कष्टप्रद माहौल होगा। महत्वपूर्ण कार्यवश घर से दूर जाना पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कायरें के प्रति आलस्य न करें। रोजगार में आ रही समस्याओं से निराश न हों।
मीनः- प्रतिभाओं के बावजूद हीन भाव प्रतिभाओं के लाभ से वंचित करेगा। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सचेत रहें।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में सुधार की गुंजाइश या संविधान के नाम पर सिर्फ हंगामा

संजीव ठाकुर

आज राजनीति का स्तर जिस तीव्रता से स्खलित होते जा रहा है। अब उनसे किसी भी तरह की सांस्कृतिक संस्कारी आचार संहिता का पालन करने की उम्मीद और आशा नहीं की जा सकती है। राजनीति दिशाहीन,सिद्धांत-विहीन हो गई है। पद और सत्ता का लालच राजनीतिक पार्टियों का अंतिम लक्ष्य हो गया है। आज जिस तरह से राजनीतिक पार्टियां राष्ट्रीय स्तर पर चुनाव के समय सांसदों की अफरा-तफरी और विधायकों की खरीद-फरोख्त मैं मशगूल हो रही है, जातिवाद अवसरवाद पद लोलुपता सिर चढ़कर बोलने लगी है। निश्चित तौर पर लोकतंत्र शर्मिंदा होकर खंडित होने लगा है। संविधान की निर्मात्री सभा के सपने चूर चूर हो रहे हैं यह भारतीय लोकतंत्र के लिए अच्छे दूरगामी परिणामों के संकेत नहीं है। पूर्व राष्ट्रपति एपीजे कलाम जी ने कहा कि लोकतंत्र या प्रजातंत्र शब्द ग्रीक भाषा से अवतरित अंग्रेजी शब्द डेमोक्रेसी का हिंदी रूपांतरण है, जिसका सीधा सीधा अर्थ होता है प्रजा अथवा जनता द्वारा परिचालित शासन व्यवस्था। किंतु अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन की परिभाषा सर्वमान्य रूप से प्रचलित है जिसके अनुसार प्रजातंत्र या लोकतंत्र जनता का, जनता के लिए, जनता द्वारा, शासन है। उन्होंने इस कथन के तर्क में कहा क्योंकि मैं गुलाम नहीं होना चाहता,इसीलिए मुझे शासक भी नहीं होना चाहिए, यही विचार मुझे लोकतंत्र की ओर अग्रेषित करता है। मणिपुर की शर्मनाक हिंसात्मक घटना के बाद सारी की सारी लोकतांत्रिक व्यवस्था चरमरा गई है और समस्त प्रतिमान धारासाही हो गए दूसरी तरफराजनैतिक हिंसक घटनाओं के पीछे यदि कारण खोजे जाएं तो राजनीतिक पार्टियों के एजेंडा में ही कई कारण मिल जाएंगे।अफगानिस्तान में तालिबानी आतंकवादियों द्वारा कब्जे के बाद वैश्विक अशांति का दौर चल रहा है, रूस यूक्रेन युद्ध औपनिवेशिकवाद तथा विस्तार वादी मंसूबों का परिणाम ही है । इसके अलावा अधिकांश लोकतांत्रिक देश इस अशांति से भयभीत और घबराए हुए और अपनी आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने में लग गए हैं।

तालिबान आतंकवादियों द्वारा अफगानिस्तान पर कब्जे से तालिबानी सोच पूरे विश्व में धीरे-धीरे फैलआने लगी है। खासकर लोकतांत्रिक देश जहां बोलने, सुनने, कहने और अपनी मनमर्जी करने की आजादी है, वहां लोकतंत्र का फायदा उठाकर कुछ असामाजिक तत्व हिंसा का घिनौना खेल खेलने से नहीं चूक रहे हैं। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर दुर्गा पंडाल पर हमला कर दिया जाता है, यह एक तालिबानी सोच का सबसे बड़ा उदाहरण है। पाकिस्तान में सिखों को चुन-चुन कर मारा जाना भी इसी सोच का परिणाम है। लखीमपुर खीरी में बवाल मचाने वाले अनेक नेता जम्मू कश्मीर में अल्पसंख्यकों के जघन्य हत्याकांड पर अजीब तरीके से चुप हैं और उनकी सहानुभूति के लिए एक शब्द उनके मुंह से नहीं निकल रहे हैं। आज हर व्यक्ति, हर पार्टी, हर समूह के लिए लोकतंत्र के मायने अलग-अलग हैं। जब तक इनका उल्लू सीधा होता रहता है तब तक यह लोकतंत्र की दुहाई देते हैं, इनका स्वार्थ सधने के बाद लोकतंत्र हवा में वाष्पित हो जाता है। भारत जैसे विशाल देश में इसे विश्व में सबसे बड़ा प्रजातांत्रिक लोकतांत्रिक देश के रूप में जाना जाता है, इस देश में जिसकी मूल आत्मा ही प्रजातंत्र, लोकतंत्र है,यही पर यदि लगातार अलोकतांत्रिक घटनाएं होती रहेंगी और अलोकतांत्रिक व्यवहार दर्शित होता रहेगा तो लोकतंत्र की मूल भावना न सिर्फ आहत होगी बल्कि गायब भी होना शुरू हो जाएगी। यहीं से लोकतंत्र के स्खलन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। हम सारी अनुकूल प्रतिकूल परिस्थितियों पर गंभीरता के साथ विचार करें, तो पाएंगे कि प्रजातांत्रिक व्यवस्था में जन्मी समस्याओं के पीछे शासन तंत्र नहीं बल्कि जनता के बड़े वर्ग का नेतृत्व करने वाले समूह इसका जिम्मेदार है। पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी ने कहा था कि जो लोग शासन करते हैं उन्हें देखना चाहिए कि लोग साथ प्रशासन पर किस तरह प्रतिक्रिया जाहिर करते हैं, क्योंकि प्रजातंत्र में अंतर मुखिया जनता ही होती है, दूसरी तरफआम नागरिकों का मार्ग प्रशस्त करते हुए कहा कि कानून का सम्मान किया जाना चाहिए ताकि हमारे लोकतंत्र की बुनियाद एवं उसकी संरचना बरकरार रहे और साथ ही मजबूती के साथ खड़ी रहे। भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का भी कहना है कि लोकतंत्र में जनमत हमेशा निर्णायक होता है और हमें इसे विनम्रता से स्वीकार करना पड़ेगा। हम सभी देशवासियों को प्रजातंत्र की सफलता हेतु सजग एवं सचेत रहकर अपने अधिकारों का सदुपयोग करते हुए अपने कर्तव्यों का भी पूर्ण निष्ठा से पालन करना होगा। जवाहरलाल नेहरु जी ने भी कहा था कि प्रजातंत्र और समाजवाद लक्ष्य पाने के साधन हैं, स्वयं लक्ष्य नहीं। भारत के संदर्भ में लोकतंत्र है प्रजातंत्र के बारे में यही कहा जा सकता है कि यदि जनता अशिक्षित हो या अधिक समझदार ना हो तब प्रजातंत्र की खामियां सबसे ज्यादा सामने आती है। यदि जनता अति शिक्षित एवं समझदार है तो इसे सर्वोत्तम शासन व्यवस्था कहा जा सकता है क्योंकि किस प्रणाली में जनता को अपनी बात रखने का पूर्ण अधिकार प्राप्त होता है। प्रजातंत्र की सफलता के लिए जनता को सजग एवं सचेत रहकर अपने अधिकारों का सदुपयोग कर अपने कर्तव्यों का भी निष्ठा से पालन करना चाहिए।

जिलाधिकारी ने क्षय रोगियों को पोषण पोटली वितरण किया

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता शाहजहांपुर

शाहजहांपुर। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनपद में संचालित राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत पुर्णतः नि.शुष्क टी.बी. का उपचार प्राप्त कर रहे टी.बी. रोगियों को कलेक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी एवं महानगर अध्यक्ष भाजपा शिल्पी गुप्ता ने 10 टी.बी. रोगियों को पोषण पोटली वितरित की। साथ ही 50 अन्य टी.बी. रोगियों को अच्छे स्वास्थ्य के लिये वितरित 50 पोटली (पोषण) वितरित की। कुल 60 पोषण पोटलीयों में 1 किग्रा. वार्नवीटी, 1 किग्रा. सत्तू, 1 किग्रा. भुने चने, 1 किग्रा. मूंगफली, 1 किग्रा. गुण, 1 किग्रा. गजक प्रति पोटली में रखकर सभी 60 टी. बी0 रोगियों को प्रदान की गई। इस दौरान जिलाधिकारी ने स्वस्थ्य विभाग के कर्मचारियों के साथ बैठक कर क्षय रोगियों तथा उनके स्वास्थ्य एवं गोद लिये क्षय रोगियों की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस कार्यक्रम में सभी अधिकारियों, जनप्रतिनिधि, टी0की रोगियों के साथ जिला कार्यक्रम प्रवन्धक (एनएचएम), जिला समन्वयक (एनटीपी) व अन्य स्टाफ भी उपस्थित रहे।

रालोद नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की 122 वीं जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई।

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

कीरतपुर/बिजनौर। मुस्लिम इंटर कॉलेज के मीटिंग हॉल में आयोजित श्रद्धांजलि सभा कार्यक्रम के अध्यक्षता पूर्व विधायक चौधरी सुखवीर सिंह ने कि व संचालन मास्टर नवेद अहमद ने किया। इस अवसर पर बोलते हुए रालोद के मंडल अध्यक्ष काज़ी तारीक अली ने कहा कि चौधरी चरण सिंह ने अपना पूरा जीवन किसानों मेहनतकश मजदूरों के कल्याण के लिए न्योछावर कर दिया वह कार्यालय में भ्रष्टाचार मिलने की शिकायत पर भेष बदलकर चले जाते थे जिससे भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा वह सादगी के प्रतीक थे, नगीना विधानसभा अध्यक्ष चौधरी कल्लू सिंह सारंग ने कहा कि चौधरी चरण सिंह आज हमारे बीच नहीं है परंतु वह हमारे दिलों में आज भी जिंदा है उनकी कथनी व करनी में कोई अंतर नहीं था प्रधानमंत्री के पद पर रहते हुए भी वह सादा जीवन व्यतीत करते थे। युवा रालोद नेता चौधरी शोएब क्षेत्रीय सचिव ने कहां की चौधरी साहब के पास कुछ लोग नहरों से संबंधित शिकायतें लेकर दिल्ली पहुंचे थे चौधरी साहब गृहमंत्री थे इस पर चौधरी साहब ने कहा कि उन्हें दिल्ली आने की क्या जरूरत थी एक पोस्टकार्ड पर भी शिकायत लिखकर भेज देते तो शिकायतों का निस्तारण हो जाता और आपका आना भी बच जाता है। हकीम मुकसित खान ने कहा कि चौधरी साहब का सपना तभी साकार होगा जब हम उनके बताए हुए रास्ते पर चले, नसीम अर्शी ने कहा कि चौधरी चरण सिंह चौधरी अजीत सिंह व जयंत चौधरी ईनकी छवि राजनीति बिल्कुल साफ सुथरी है यही वजह है लोग इन्हें पसंद करते हैं। पूर्व विधायक चौधरी सुखबीर सिंह ने कहा कि चौधरी चरण सिंह को जो भारत रत्न मिला है वह सरकार का देर से उठाया हुआ कम है। इससे पूर्व सभी ने चौधरी चरण सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की,इस मौके पर मुख्य रूप से उपस्थित रहे राष्ट्रीय लोकदल से पूर्व विधायक चौधरी सुखबीर सिंह बिजनौर, काजी तारिक अली मंडल अध्यक्ष मुरादाबाद राष्ट्रीय लोकदल, पूर्व जिला अध्यक्ष महावीर सिंह, चौधरी ब्रजवीर सिंह प्रदेश महासचिव, चौधरी हरवीर सिंह, चौधरी जगबीर सिंह, चौधरी सुशील सिंह पूर्व विधानसभा अध्यक्ष नगीना, चौधरी कल्लू सिंह सारंग अध्यक्ष विधानसभा नगीना राष्ट्रीय लोकदल, नसीम अर्शी खान, हकीम मुकसित खान, चौधरी शोएब क्षेत्रीय सचिव युवा राष्ट्रीय लोकदल, संदीप चौधरी युवा जिला अध्यक्ष बिजनौर आखिल भारतीय जाट महासभा, चौधरी शेर सिंह धनखड़, प्रिंस चौधरी, चौधरी वंश सारंग, संदीप कुमार बूढ़पुर नैन सिंह वाले,आदि गणमान्य नेता मौजूद रहे

प्रधानाचार्या अर्चना पाण्डेय ने लकी ड्रा द्वारा प्रथम तीन लकी कूपन निकालकर विजेताओं को सम्मानित किया

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। सेंट गेब्रियल कान्वेंट स्कूल, केशव नगर, सीतापुर रोड, लखनऊ में 'प्री क्रिसमस बैश' ब? ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय प्रबंधक डॉ. विलियम अल्बर्ट स्मिथ द्वारा प्रार्थना से की गई। विद्यालय निदेशिका प्रधानाचार्या अर्चना पाण्डेय द्वारा उपस्थित सभी शिक्षकों अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अपने तथा अन्य विद्यालय के बच्चों तथा अभिभावकों ने 'प्री क्रिसमस बैश' का आनंद लिया। विद्यालय द्वारा आयोजित 'प्री क्रिसमस बैश' का मुख्य आकर्षण बेबी शो, फ्लावर डेकोरेशन, ज्वेलरी मेकिंग, और फैशन शो रहा।इस कार्यक्रम में अपने तथा बाहरी स्कूलों के बच्चों ने प्रतिभाग किया।नन्हें-मुन्नें बच्चों ने बेबी शो कार्यक्रम से सबका मन प्रसन्न कर दिया।काग? के रंग बिरंगे टुक?े से फूलों के गुलदस्ते को बहुत ही सरल और सटीक तरीके से सबके सम्मुख प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों के इस हुनर को उपस्थित सभी अभिभावकों ने सराहना की।बच्चों तथा अभिभावकों द्वारा ज्वेलरी भी बनाये गए जिसे देख सभी ने प्रशंसा की। 'प्री क्रिसमस बैश' का अंतिम कार्यक्रम फैशन शो का रहा। विद्यालय द्वारा खेल व खाने पीने के स्टाल भी लगाए गए, लोगों ने खेल व खाने पीने के स्टाल का भी आनंद लिया। अंत में विद्यालय निदेशिका प्रधानाचार्या अर्चना पाण्डेय ने लकी ड्रा द्वारा प्रथम तीन लकी कूपन निकाल के विजेताओं को सम्मानित कर कार्यक्रम में आए सभी लोगो का आभार व्यक्त कर कार्यक्रम का समापन किया।

जिला गंगा समिति शाहजहांपुर ने कराई स्वच्छता मार्गदर्शक कार्यशाला

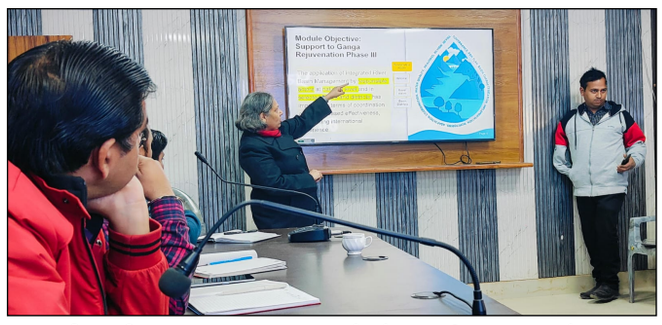

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता

प्रभागीय वनाधिकारी/सचिव जिला गंगा समिति शाहजहांपुर के निर्देशन में प्रभागीय एवं गंगा सभागार में अन्तर्राष्ट्रीय संगठन त्तर्ढ्ढ द्वारा समस्त नगर निकाय के प्रतिनिधि, स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत कार्यरत समस्त विकास खंडों के खण्ड प्रेरकों व जनपद फर्रुखाबाद, हरदोई, बरेली, पीलीभीत के जिला परियोजना अधिकारियों को एक दिवसीय ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विषयक स्वच्छता मार्गदर्शक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभागीय वनाधिकारी नवीन खंडेलवाल ने सभी का परिचय प्राप्त कर किया तथा अपने संबोधन में सभी नगर निकाय को तकनीकी ज्ञान अर्जित करने के साथ साथ जमीनी स्तर पर उतरकर काम करने को प्रेरित किया। प्रशिक्षण अंतर्गत तकनीकी सलाहकार डॉ. अंजना पंत ने ठोस अपशिष्ट को जिला गंगा प्लान का हिस्सा बताते हुए सभी निकायों को तकनीकी जानकारी दी।सलाहकार अविरल सक्सेना ने रूक्न्न सेंटर, कूड़ा निपटान आदि पर चर्चा करते हुए विभिन्न पहलुओं से जोड़ते हुए अपशिष्ट के शत प्रतिशत निपटान के गुणों को बताया। पर्यावरण वैज्ञानिक डॉ. शैफाली श्रीवास्तव ने नमामि गंगे परियोजना पर प्रकाश डालते हुए सीवेज ट्रीटमेंट, नदी प्रदूषण, नाला प्रबंधन, प्रबंधकीय जांच आदि पर अपने विचार रखे तथा विभिन्न प्रकार के मानकों से अवगत कराया। जिला परियोजना अधिकारी (नमामि गंगे) विनय कुमार सक्सेना ने अपने अनुभव सांझा करते हुए नमामि गंगे परियोजना व जिला गंगा प्लान अंतर्गत समुदाय को जोड़कर जागरूकता का काम करने को कहा। उप प्रभागीय वनाधिकारी डॉ0 सुशील कुमार ने उक्त प्रशिक्षण को त्तर्ढ्ढ टीम की प्रशंसनीय पहल बताया। कार्यक्रम में विशेष सहयोग समस्त वन विभाग का रहा।

04 जनवरी को करेंगे गोपालगंज से आगाज देंगे करोड़ों की सौगात

तीसरा विकल्प न्यूज़ - कन्हैया सिंह

जमुई पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा का आज से आगाज हो गया। मुख्यमंत्री ने पश्चिमी चंपारण के बाल्मिकीनगर से अपनी यात्रा की शुरुआत कर दी है। इसी बीच मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग ने दूसरे चरण की प्रगति यात्रा का शेड्यूल जारी कर दिया है। कैबिनेट विभाग की तरफ से जारी शेड्यूल के मुताबिक सीएम नीतीश कुमार दूसरे चरण की प्रगति यात्रा पर नए साल में 04 जनवरी से निकलेंगे। दूसरे चरण की यात्रा के पहले दिन यानि 04 जनवरी 2025 को सीएम नीतीश गोपालगंज जाएंगे। वे यहां करोड़ों रुपए की योजनाओं की सौगात देंगे। इसके बाद 07 जनवरी को सीएम सीवान में रहेंगे। वहीं प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 08 जनवरी को सारण, 11 जनवरी को दरभंगा, 12 जनवरी को मधुबनी और 13 जनवरी को समस्तीपुर का भ्रमण करेंगे।सीएम नीतीश कुमार इस दरम्यान सभी जिलों को कुछ न कुछ सौगात देंगे। अपनी यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री विकास योजनाओं की समीक्षा भी करेंगे और सभी विकास योजनाओं की प्रगति की जानकारी लेंगे। अंकित करने वाली बात है कि 23 दिसंबर को पश्चिमी चंपारण के बाल्मिकीनगर से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी प्रगति यात्रा का आगाज कर दिया है। बाल्मिकीनगर पहुंचे मुख्यमंत्री का पार्टी कार्यकर्ताओं और अधिकारियों ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। सीएम नीतीश कुमार के साथ उनके कैबिनेट मंत्री विजय कुमार चौधरी समेत पार्टी के अन्य नेता भी बाल्मिकीनगर पहुंचे हैं। प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री यहां करीब 700 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास कर रहे हैं। मंत्रिमंडल सचिवालय द्वारा जारी यात्रा विवरण संलग्न है -

अयोध्या धाम सनातन धर्म यात्रा को लेकर लल्ला बाबा ने की प्रेस वार्ता

सनातन धर्म यात्रा को लेकर सिद्धिदात्री छोहरिया शक्तिपीठ के महंत लाला बाबा ने मीडिया से कहा

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। चिनहट में मां सिद्धि दात्री छोहरिया शक्तिपीठ के महंत लल्ला बाबा ने आगामी 25 दिसम्बर को लखनऊ से अयोध्या धाम सनातन धर्म जनजागरण पद यात्रा को लेकर छोहरिया माता मन्दिर प्रांगण के सत्संग भवन मे एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया। बातचीत करते हुए उन्होंने कहा है कि मां के आदेश और सभी सनातनियों के सहयोग से द्वितीय सनातन धर्म पदयात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इस यात्रा का उद्देश्य सभी सनातनियों को जागरूक करने का है। अगर हम आज जागरूक नही होंगे, अपना धर्म, अपना संस्कार, अपनी परम्परा और रीति-रिवाज को लेकर आने वाली पीढ़ी को जागरूक नही करेंगे और अगर हम एक नही होगें तो सनातन के लिए शुभ संकेत नही है। आज आप देख रहें बंग्लादेश की क्या स्थिति है। पूरे बंग्लादेश मे हिन्दुओं पर अत्याचार किया जा रहा है। हिन्दू मंदिरों को क्षतिग्रस्त किये जा रहें है।बहराइच, सम्भल जैसे घटनाक्रम ,समाज मे दोहराया जा रहा है। आज हमे नयी पीढ़ी को गुमराह करने वाले विघटन कारी और सामाजिक तत्व और सनातन विरोधियों से बचाना हमारी इस यात्रा का मकसद है। सभी सनातनियों को एकता की डोर में बांधना बहुत जरूरी है।अगर हम एक रहेंगे तभी सुरक्षित रहेंगे। देश के प्रधानमंत्री और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार सबको एक होने की बात कह रहे हैं इसका हम सभी को पालन करना चाहिए। मर्यादापुरुषोत्तम भगवान राम के जीवन चरित्र के विषय मे यात्रा के माध्यम से समाज को जागरूक कियाजा रहा है। पूरे सनातन पदयात्रा के दौरान सनातनी शुभचिंतकों द्वारा फूलमालाओं के साथ पैदल यात्रियों पर पुष्प वर्षा की जाएगी। मंदिर शक्तिपीठ द्वारा पद यात्रियों के लिए भोजन और विश्राम की पूरी व्यवस्था रहेगी। इस पूरी यात्रा के दौरान मां छोहरिया की कृपा से युवा,बुजुर्ग, बच्चे और महिलायें बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहें है। उम्मीद है हजारों की संख्या में लोग इसमें शामिलहोंगे। यह यात्रा 25 दिसम्बर दिन

बुधवार को समय ,सुबह 08 बजे मां छोहरिया की पूजा अर्चना के साथ पंडित शैलेंद्र शास्त्री के नेतृत्व मे पांच विद्वान पंडितों के द्वारा मर्यादापुरुषोत्तम भगवान राम की स्तुति बंदन एवं शंखनाद के साथ यात्रा का शुभारंभ किया जायेगा। यात्रा का पहला विश्राम, नेता श्याम लाल यादव स्मारक इंटर कॉलेज सफदरगंज मे होगा। 26 दिसम्बर दिन गुरूवार को रात्रि विश्राम एवं भोजन रामनरेश होटल भेलसर अयोध्या मे होगा। 27 दिसम्बर दिन शुक्रवार को रात्रि विश्राम एव? भोजन नेपाली बाबा आश्रम, बालू घाट अयोध्या बाईपास मे होगा। 28 दिसम्बर दिन शनिवार को पद यात्रियों द्वारा सरयू जी मे सामूहिक स्नान, हनुमान जी एवं मर्यादापुरुषोत्तम भगवान राम लला के दर्शन कर पुन्य अर्जित करेंगे।

संस्था द्वारा मेधावी छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

मुबारकपुर, आजमगढ़। अल अशरफ जीके कंपटीशन एजुकेशनल डिपार्टमेंट ऑफ ज़्या ए असदक फाउंडेशन सिक्ठी मुबारकपुर के तत्वावधान में रविवार को विद्यालय परिसर में छात्र छात्राओं का कंपटीशन हुआ।परीक्षा दो पाली में कराई गई। जिसमें लगभग 700 छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। उपरोक्त संस्था द्वारा मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा। समाज सेवी सय्यद आरफीन असदक,हाजी फैयाज अहमद प्रबंधक आदि के सहयोग से यह कंपटीशन कराया जाता है जो सन 2015 से लेकर अनवरत जारी है।आरफीन असदक, हाजी फैय्याज अहमद प्रबंधक ने बताया कि हमलोगों का मुख्य उद्देश्य है कि मेधावी छात्रों को इस संस्था से माध्यम से जीके कंपटीशन पास होने पर विभिन्न परीक्षाओं में अपना नाम एवं हमारी संस्था का परचम लहरा सके जिससे मुबारकपुर सहित अल अशरफ का नाम रोशन सार्थक किया जा सके। उपरोक्त परिक्षाओं को पुर्ण कराने में हमारे सहयोगी, डायरेक्टर सैयद आरफीन अस्दक, सरफराज रज़ा, हमजा खान, राहुल शिंह, महमूद रज़ा, अय्यूब खान, सादिक रज़ा, ओबैद, लॉरैब, अफजल आदि लोग उपस्थिति रहे।

चिनहट पुलिस ने 24 घंटे में बैंक चोरी का खुलासा, तीन गिरफ्तार

कीमती आभूषण व नगदी बरामद

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। सोमवार को चिनहट पुलिस व क्राइम टीम के साथ हुई मुठभेड़ में तीन शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया यह मुठभेड़ किसान पथ, लौलाई के पास हुई जिसमें तीन शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया, जो इंडियन ओवरसीज बैंक में चोरी की वारदात में शामिल थे जिसमें अरविंद कुमार (22 वर्षीय ,बलराम कुमार (28 वर्षीय ,कैलाश बिंद (28 वर्षीय ये तीनों अपराधी बिहार के निवासी हैं। इन अपराधियों के पास से 3 लाख नकद,कीमती आभूषण एक अवैध देसी तमंचा (.315 बोर) और एक खोखा कारतूस। आपको बताते चलें अभियुक्तों ने इंडियन ओवरसीज बैंक, मटियारी (थाना चिनहट) में दीवार तोड़कर लॉकर से नकदी और प्रीति आभूषणों पर हाथ साफ किया। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए घटना के 24 घंटे के भीतर केस का खुलासा कर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। यह सफलता पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र सिंह सेंगर के निर्देशन और डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह की अगुवाई में क्राइम टीम और चिनहट थाना पुलिस की संयुक्त कार्यवाही से हासिल हुई। गिरफ्तार अपराधियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमे दर्ज कर लिए गए हैं। जिसमें से फरार अभियुक्तों की तलाश जारी है। यह कार्रवाई अपराध नियंत्रण और त्वरित न्याय की दिशा में लखनऊ पुलिस की प्रभावी कार्यक्षमता को दर्शाती है। पुलिस की तत्परता और सूझबूझ से यह मामला सुलझ सका, जिससे क्षेत्र में सुरक्षा और जनता का विश्वास मजबूत हुआ है।

सड़क से अतिक्रमण हटाने का दुकानदारों ने किया विरोध

बरेली। नगर निगम की टीम ने कुमार टाकीज से कुतुबखाना तक अतिक्रमण हटाया। इस दौरान सामान जब्त करने पर दुकानदारों की टीम से नोकझोंक और धक्कामुक्की भी हुई। नगर निगम की टीम दोपहर में थाना कोतवाली पुलिस के साथ अतिक्रमण हटाने के लिए कुमार टाकीज के पास पहुंची। टीम जेसीबी से अतिक्रमण हटाने के साथ ही चालान करने लगी तो कुछ दुकानदार विरोध करने लगे। वह अभियान को बाधित करने लगे लेकिन पुलिस ने उन्हें हटा दिया। टीम ने कुतुबखाना में घंटाघर तक अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाया। इस दौरान कई बार टीम और अतिक्रमण कारियों के बीच नोकझोंक हुई। कुछ व्यापारियों ने सामान जब्त करने का विरोध किया। कुछ दुकानदारों ने सड़क से सामान हटाकर गोदाम में रखवा दिया। टीम में राजस्व निरीक्षक सच्चिदानंद,विवेक कुमार, नीरज गंगवार आदि शामिल रहे।

25 दिसम्बर को पत्रकार उमेश दुबे का दिल्ली में किया जाएगा सम्मान

सकलडीहा, चंदौली। जनपद के उमेश कुमार दुबे को पत्रकारिता के लिए नई दिल्ली में विद्या वाचस्पति विशेष सम्मान से सम्मानित होने के लिए आगामी 25 दिसम्बर को आमंत्रित किया गया है। इसकी जानकारी मिलते ही उनको चाहने वालों में हर्ष है। पत्रकार उमेश कुमार दुबे जनपद के नियमताबाद विकासखंड अंतर्गत भरछा गांव के रहने वाले हैं। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन वाराणसी मण्डल के पूर्व महामंत्री पद पर रह चुके हैं। वर्तमान में प्रगतिशील ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन चन्दौली के जिलाध्यक्ष हैं। पत्रकारिता क्षेत्र में करीब 15 वर्षों से लगातार सेवा दे रहे हैं। इस दौरान विभिन्न अखबार में कार्य कर चुके हैं। दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में स्मृति चिन्ह, विद्यापीठ मेडल से सम्मानित किया जाएगा। इस आयोजन में मुख्य अतिथि 1008 कृष्णानंद गिरि जी महाराज महामंडलेश्वर तथा मधु शर्मा संस्थापिका पंडित दिन दयाल उपाध्याय स्मृति संस्थान के साथ डॉ. संभाजी राजाराम वाविस्कर, कुलपति विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ, 1008 भवानी मां महामंडलेश्वर जूना अखाड़ा, विवेक गुरु प्रमुख धर्म जागरण संस्थान जम्मू कश्मीर, डॉ. योगेश तरेहन संस्थापक परिवर्तन योगेश संस्थान आदि हस्तियों के साथ बांसुरी स्वराज सांसद नई दिल्ली, करनल सिंह संयोजक मंदिर प्रकोष्ठ भारतीय जनता पार्टी नई दिल्ली प्रदेश, गुलशन गुगनानी सह प्रभारी व्यापार प्रकोष्ठ भारतीय जनता पार्टी दिल्ली प्रदेश, मनोज तोमर कर्मभूमि फाउंडेशन एनजीओ राष्ट्रीय अध्यक्ष, हरीश कुमार (विपिन), कर्मभूमि फाउंडेशन एनजीओ राष्ट्रीय अध्यक्ष उपस्थित रहेंगे।

आंवला अलीगंज गैनी मार्ग के मरम्मत के लिए 28.5 करोड़ बजट की पहली किस्त जारी

बरेली। लंबे समय से जर्जर आंवला-अलीगंज-गैनी मार्ग की मरम्मत के लिए शासन ने 28.5 करोड़ रुपये के बजट की प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति दे दी है। शासन ने पहली किस्त 9.97 करोड़ रुपये जारी भी कर दिए हैं। पीडब्ल्यूडी अधिकारी जल्द टेंडर प्रक्रिया शुरू करेंगा 14 किमी लंबे मार्ग को सात मीटर चौड़ा कर टू लेन किया जाएगा। अभी इसकी चौड़ाई तीन मीटर है। इस मार्ग से बदायूं हाईवे से गैनी होते हुए वाहन आंवला जाते हैं और इस पर 12 से अधिक गांव पड़ते हैं। कांवड़ यात्रा के दौरान बदायूं हाईवे का काफी ट्रैफिक डायवर्जन करके इस रोड से ही गुजारा जाता है। जिस कारण रोड पर जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं। पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों की शिकायतों पर पिछले साल रोड को सात मीटर

चौड़ा करने की डीपीआर शासन को भेजी थी। चीफ इंजीनियर अजय कुमार ने बताया कि शासन ने बजट की मंजूरी देने के साथ पहली किस्त 9.97 करोड़ भी जारी कर दी है। सड़क के चौड़ीकरण के लिए जमीन अधिग्रहण की जरूरत नहीं होगी। सड़क के दोनों ओर पीडब्ल्यूडी की जमीन पहले से मौजूद है।

बल्लिया-शीशगढ़ मार्ग का शेष बजट भी मिला

बल्लिया-शीशगढ़-बहेड़ी- रुद्रपुर मार्ग के चौड़ीकरण का काम भी अंतिम चरण में पहुंच गया है। 36 करोड़ की लागत से 26 किमी सड़क का चौड़ीकरण होना था। इसके लिए करीब 26 करोड़ का बजट पहले ही मिल चुका था। शेष 10 करोड़ का बजट भी दो दिन पहले जारी कर दिया गया है। चीफ इंजीनियर ने बताया कि मार्ग 5.5 मीटर चौड़ा था, जिसकी अब चौड़ाई सात मीटर की गई है।

संजय मिश्रा उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष मनोनीत

सीतापुर। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता के निर्देश पर प्रदेश उपाध्यक्ष व जिला प्रभारी प्रदीप गुप्ता ने संगठन की जिला एवं नगर इकाई का पुनर्गठन किया गया है। इसी क्रम में एक निजी रेस्टोरेंट में बैठक आयोजित कर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता समाजसेवी एवं व्यापारी संजय मिश्रा को आदर्श व्यापार मंडल सीतापुर का जिला अध्यक्ष घोषित किया गया,अमित अग्रवाल को जिला महामंत्री व कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत किया तथा राजकुमार रस्तोगी राजू को संगठन का नगर अध्यक्ष नियुक्त किया गया है इसके अलावा वरिष्ठ व्यापारी नरेश अग्रवाल को प्रवक्ता एवं वरिष्ठ पत्रकार अनुज सक्सेना को मीडिया प्रभारी घोषित किया गया बैठक में उपस्थित व्यापारी बंधुओ ने इन नियुक्तियों पर हर्ष व्यक्त किया इस अवसर पर नवनियुक्त जिला अध्यक्ष संजय मिश्रा ने कहा कि सबके सहयोग से संगठन को आगे बढ़ने व व्यापारी हित में कार्य करने का पूरा प्रयास करेंगे। प्रदेश उपाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने कहा कि आदर्श व्यापार मंडल पूरे प्रदेश में मजबूती से व्यापारी हित में हमेशा खड़ा रहा है संगठन के संरक्षक व समाजसेवी विश्वीर गुप्ता ने कहा कि आदर्श व्यापार मंडल ने हमेशा व्यापारी के कंधा से कंधा मिलाकर कार्य किया है इस अवसर पर उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी नवनियुक्त नगर अध्यक्ष राजकुमार रस्तोगी राजू ने विश्वास दिया कि नगर में हर व्यापारी के सुख दुख में वह हर समय साथ रहेंगे बैठक में महेंद्र अग्रवाल, अन्नी भैय्या , अर्जुन राठौर रामकिशोर राठौर, नरेश अग्रवाल, जितेंद्र रस्तोगी,रामकिशोर राठौर, प्रभाष अस्थाना,संजीव अग्रवाल, अमित अग्रवाल,प्रदीप अग्रवाल मुन्ना भैया, विकास रस्तोगी,शंकर रस्तोगी आदि ने हर्ष व्यक्त किया कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री अमित अग्रवाल ने किया।

हाई टेंशन तार के स्पार्किंग से निकली चिंगारी ने गरीब की गृहस्थी को किया खाक

- एमएलसी प्रतिनिधि ने जिलाधिकारी से सरकारी सहायता दिलाने की उठाई मांग
- आग बुझाने के प्रयास में झुलसी वृद्ध महिला

सकलडीहा, चंदौली। जनपद के चहानिया ब्लॉक अंतर्गत महरौरा गांव निवासी रामविलास राजभर 70 वर्ष के घर के ऊपर से गुजरा हाई टेंशन विद्युत तारो के आपसी स्पार्किंग से निकली चिंगारी ने उनकी पूरी गृहस्थी को जला कर राख कर दिया है। जिसके कारण उनके पूरे परिजन दाने दाने के लिए मोहताज हो गए हैं। वहीं आग बुझाने में जुटी पीड़ित की पत्नी रमउती देवी ;65 वर्षद्ध भी बुरी तरह से झुलस गई हैं। इस बाबत पीड़ित रामविलास राजभर ने बताया कि आग लगने से घर में रखा डीजल इंजनए खाने का 15 मन आनाजए एक नई साइकिलए विद्युत मोटरए सोने के लिए रखा बिस्तरए चौकी सहित करीब लाखों रुपए मूल्य का सामान जल गया है। गरीब की पूरी गृहस्थी जल जाने से उनका परिवार खुले आसमान में रहने के लिए मजबूर हो गया है। वहीं खाद्यान्न भी नष्ट हो जाने से खाने के लिए मोहताज हो गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पीड़ित के घर के ऊपर से गुजरा हाई टेंशन विद्युत तार काफी ढीला होने से जरा से हवा बहने पर तारो के आपस में टच होते ही विद्युत चिंगारी निकलने लगती है। बिजली विभाग से कई बार शिकायत किया गया था। लेकिन बिजली कर्मियों ने कोई ध्यान नहीं दिया जिससे आग लगने की घटना हुई है। इस आगजनी की जानकारी मिलते ही भारतीय जनता पार्टी के नेता व वर्तमान एमएलसी रामसूरत राजभर के जनपद चंदौली प्रतिनिधि वेद प्रकाश राय उर्फ गुड्डू ने घटना स्थल पर पहुंच कर आग जली से हुई हानि का अवलोकन किया और पीड़ित परिवार से भेंट कर हर संभव मदद कराने का आश्वासन दिया। इस बारे में एमएलसी प्रतिनिधि वेद प्रकाश राजभर ने बताया कि भुक्तभोगी परिवार को तत्काल सरकारी आर्थिक सहायता दिलाने के लिए जिलाधिकारी चंदौली से बात कर पीड़ित के पूरी क्षति हुई स्थिति से अवगत करा दिया गया है। इस दौरान सुरेश राजभरए डॉण् राजेंद्र राजभर सहित अन्य रहे।

धूमधाम से मनाया गया किसानों के मसीहा स्व. चौधरी चरण सिंह का जन्म दिवस

➢ एग्रोक्लाईमेटिक किसान मेले में सिखाये गये खेती के गुर ➢ किसान हमारी असली जागीर विधायक मिश्रिख

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर। पूर्व प्रधानमंत्री व किसान नेता स्व.चौधरी चरण सिंह के जन्मदिवस के अवसर पर किसान सम्मान समारोह व एग्रोक्लोईमेटिक किसान मेले का आयोजन कृषि भवन खैराबाद के प्रांगण में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक मिश्रिख रामकृष्ण भार्गव के द्वारा विभिन्न विभागों के स्टालों का निरीक्षण करने के उपरान्त द्वीप प्रज्वलित कर किया गया।कार्यक्रम में उपस्थित कृषि एवं अनुषांगिक विभागों के अधिकारियों के साथ विधायक मिश्रिख व विधायक सदर के प्रतिनिधि द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये गये। कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिक के.वी.के. अम्बरपुर डा. वी.के. सिंह ने प्रमुख रबी फसलों की उन्नत खेती, सहायक विकास अधिकारी (कृषि रक्षा)सुरेन्द्र सिंह द्वारा फसलों को कीट एवं रोगों से बचाव,इफ्को प्रबन्धक द्वारा उर्वरकों

के संतुलित प्रयोग तथा नैनो यूरिया एवं नैनो डी.ए.पी. की प्रयोगविधि मात्रा सहित फायदे बताये। कार्यक्रम में प्रगतिशील कृषक योगेश कुमार द्वारा मधुमक्खी पालन व अब्दुल हादी द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन के क्षेत्र में किये जा रहे अपने प्रयासों तथा अनुभवों को किसानों के साथ साझा किया गया। विधायक मिश्रिख द्वारा जनपद जनपद में कृषि, उद्यान,गन्ना तथा मत्स्य उत्पादन के अन्तर्गत विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कुल पैंतिस कृषकों को जनपद स्तर पर प्रथम पुरूस्कार के रूप में सात हजार रुपए व प्रमाण पत्र तथा द्वितीय पुरूस्कार के रूप में पांच हजार रुपए व प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया (सूची संलग्न। श्री अन्न/प्राकृतिक खेती व कृषि से सम्बन्धित नवोन्मेशी कार्य हेतु चयनित कृषकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।विधायक द्वारा किसानों को देश की असली जागीर बताते हुये किसानों से अपील की गयी वे खेती के क्षेत्र में नवाचारों को अपनाएं साथ ही अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा अवश्य दिलायें। कार्यक्रम में आनन्द प्रकाश एण्ड पार्टी वि. ख. मछरेहटा द्वारा कठपुतली के माध्यम से किसानों को अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से कृषि विभाग की योजनाओं का मनोरंजक तरीके से कृषि सम्बन्धी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध करायी। अन्त में उप कृषि निदेशक, सीतापुर द्वारा सभी किसानों से फार्मर रजिस्ट्री में पंजीकरण कराये जाने की अपील करते हुये सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला कृषि अधिकारी, सीतापुर मनजीत कुमार द्वारा किया गया। पूर्व उप सम्भागीय कृषि प्रसार अधिकारी वीरेन्द्र सिंह द्वारा चौधरी चरण सिंह के जीवन पर चर्चा की गयी। कार्यक्रम में परियोजना निदेशक/प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी,कृषि वैज्ञानिक के.वी.के. कटिया व अम्बरपुर व अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा जिले के विकास खण्ड हरगांव के सभागार में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह का जन्मदिन किसान सम्मान दिवस के रूप में मनाया गया जिसमें क्षेत्र के तीन प्रगतिशील किसानों को खंड विकास अधिकारी हर गांव में प्रशस्ति पत्र देखकर सम्मानित किया। यहां पर बताने के अनुसार खण्ड विकास हरगांव के अन्तर्गत मनाए गए कार्य क्रम की अध्यक्षता खण्ड विकास अधिकारी आत्म प्रकाश रस्तोगी ने की।खण्ड विकास अधिकारी ने सबसे पहले पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न चौधरी चरण सिंह के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ किया। सभी वक्ताओं में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के कब्ज पर प्रकाश डालते हुए किसानों से खेती किसानी पर चर्चा की।इस मौके पर तीन किसानों सुशील कुमार लालता प्रसाद वर्मा व एक अन्य को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।इस कार्यक्रम में भारी संख्या में क्षेत्रीय किसानों ने प्रतिभाग किया।

दो अलग-अलग मारपीट की रिपोर्ट दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। सरोजनीनगर थाने में दो लोगों ने मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई है। सरोजनीनगर के आजाद नगर स्थित आरकेपी पब्लिक स्कूल के पास रहने वाले आशीष डेविड के मुताबिक रविवार को वह राज की शिकायत करने उसके घर गया, तो राज, मनजीत और मोनू बिना किसी बात के गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने मारा पीटा। मोहल्ले के लोग वहां पर पहुंचे और उन्होंने किसी तरह बचाया। बाद में आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले। इसी तरह पिपरसण्ड के गुलाल खेड़ा में रहने वाली महिला भारती ने बताया है कि उसका पति वीरेंद्र अपने प्लाट पर गया था। तभी सुरेश, सरवन, विकास, आकाश, अमन, रिक शंकर व नीरज प्लॉट पर पहुंचे और गाली गलौज करने लगे। आरोप है कि आरोपियों ने उसकी पत्नी और मां व उसके भाई को मारा पीटा। जिससे वह चोटिल हो गए। फिलहाल सरोजनीनगर पुलिस दोनों मामलों में रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्र की रोड का बोर्ड भी साफ नहीं करवा सके क्षेत्रीय अवर अभियन्ता

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर। आजाद अधिकार सेना के जिला अध्यक्ष नवल किशोर मिश्र ने एक पत्र लोक निर्माण विभाग सीतापुर को लिख कर मांग की है कि सीतापुर मधापुर रामकोट मार्ग के मोड़ से तुलसनपुर तक दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्र चिंहित है इस रोड पर करीब करीब बीस दुर्घटनाओं में चार लोगों के मारे जाने के बाद इस क्षेत्र में दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्र का बोर्ड लोक निर्माण विभाग द्वारा लगाया गया परन्तु विभागीय उदासीनता या यूं कहें खाऊ कमाऊ नीति के चलते क्षेत्रीय अवर अभियन्ता द्वारा इस बोर्ड की भी साफ सफाई झाड़ियों को कटवाना मुनासिब नहीं समझते हैं। इस रोड पर काफी मात्रा में कटीली झाड़ियां रोड पर ही उगी है जिससे वाहन क्रास कर निकलने वालों के वाहन चालकों के किनारे आने पर हाथ और मुंह में कटीली झाड़ियां लग जाती है कटीली झाड़ियां होने के कारण दुर्घटना का खतरा हर पल बना रहता है परंतु क्षेत्रीय अवर अभियन्ता द्वारा जब दुर्घटना बाहुल्य बोर्ड को नहीं साफ करवा रहे हैं तो कटीली झाड़ियां कहां से कटवा पाएंगे। ग्रामीण नागेंद्र मिश्रा रजत शुक्ला रामगोपाल पाल राजा रामपाल ओमप्रकाश पाल शिव प्रसाद आदि का कहना है इन झाड़ियां के होने के कारण अचानक बड़ा वाहन सामने आ जाने से छोटे वाहन लड़खड़ा जाते हैं जिससे कभी-कभी गिर कर हादसे का शिकार हो जाते हैं।पिछले चौदह माह में इस एरिया में कम से कम बीस एक्सीडेंट हो चुके हैं जिसमें चार लोग मारे जाने के बाद विभाग द्वारा दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्र का बोर्ड लगाया गया था परन्तु आज यह बोर्ड को झाड़ियों ने ढक लिया है जिसे क्षेत्रीय अवर अभियंता साफ नहीं करवा पा रहे है।

प्रेस क्लब के सदस्यों ने गिरिडीह में हुए पत्रकार पर हमले के विरोध में किया प्रदर्शन

उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री को पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने के संदर्भ में सौंपा ज्ञापन

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

धनबाद। प्रेस क्लब के अध्यक्ष, महासचिव, महाउपाध्यक्ष, सभी पांचों उपाध्यक्ष, सभी पांचों सचिव सभी कार्यकारिणी सदस्यों समेत प्रेस क्लब के पत्रकारों ने सामाजिक तत्वों द्वारा गिरिडीह के पत्रकार अमरनाथ सिन्हा पर हुए हमले पर विरोध जताया। धनबाद प्रेस क्लब कमेटी ने सोमवार को क्लब के सभी सदस्यों के साथ रणधीर वर्मा चौक पर हाथों में तख्तियां लेकर विरोध प्रदर्शन किया रणधीर वर्मा चौक पर विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया। धरना प्रदर्शन के उपरांत धनबाद प्रेस क्लब के सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों ने पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर मुख्यमंत्री को उपायुक्त के माध्यम से ज्ञापन सौपा। धनबाद प्रेस क्लब के अध्यक्ष संजीव झा ने कहा मुख्यमंत्री शीघ्र पत्रकारों की सुरक्षा के हित में कानून बनाएं आज इस घटना के बाद पत्रकारों की चट्टानी एकजुटता दिखी है। आज धनबाद प्रेस क्लब के सभी सदस्यों समेत जिले के सभी पत्रकारों का असमाजित तत्वों के विरोध में जुटान हुआ अगर भविष्य में पत्रकारों पर हमला होती है विरोध प्रदर्शन तेज होगा। इस अवसर पर धनबाद प्रेस क्लब के महासचिव अजय प्रसाद ने गिरिडीह में हुए पत्रकार पर हमला का निंदा करते हए कहा कि पत्रकार समाज को आईना दिखाने का काम करती है। पत्रकार पर अगर इस तरह हमला होते रहा तो पत्रकार चुप नहीं बैठेगा पत्रकारों का धारदार कलम चलेगा तो गुंडों और माफिया को झारखंड से भागना पड़ेगा।महासचिव ने कहा कि झारखंड सरकार जल्द से जल्द पत्रकार सुरक्षा कनून लाए जिस पत्रकार निर्भीक होकर अपना काम कर सके। महासचिव ने कहा कि गिरिडीह के टोल प्लाज पर जिस तरह पत्रकार पर हमला किया गया इससे साफ पता चलता है कि गुंडो को पुलिस का भय नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि जल्द से जल्द पुलिस कर्रवाई करें और घटना में संलिप्त बचे हुए गुंडो को जल्द से जल्द गिरफ्तार करे। इस दौरान कतरास प्रेस क्लब के अध्यक्ष इंद्रजीत पासवान ने भी अपने सबोधन में कहां कि पत्रकार पर हमला करना सरासर निंदनीय कार्य है। सरकार को पत्रकार सुरक्षा कनून लाकर इस पर जल्द से जल्द लगाम लगाना चहिए। विरोध प्रदर्शन में प्रेस क्लब अध्यक्ष संजीव झा, महासचिव अजय प्रसाद,उपाध्यक्ष शशि भूषण राय, कोषाध्यक्ष मनोज शर्मा, उपाध्यक्ष प्रतीक पोपट, बलवंत प्रसाद,अमर प्रसाद, शरद पांडे, सुरेंद्र यादव, सचिव मोहन गोप संजय चौरसिया नवीन राय,राम मूर्ति पाठक, चंदन पाल, कार्यकारिणी सदस्यों की प्रसाद विक्की प्रसाद, रौशन सिन्हा,गोपाल प्रसाद, विपिन रजक, कन्हैया पांडे, शंभवी सिंह, शिल्पा सिंह, कतरास प्रेस क्लब के अध्यक्ष इंद्रजीत पासवान समेत प्रेस क्लब के सदस्य शामिल थे।

अमित शाह द्वारा बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के अपमान के खिलाफ आप ने किया जोरदार विरोध प्रदर्शन

बाबा साहेब ने हमें जीवन जीने का अधिकार दिया, उनका अपमान बर्दास्त नहीं : इरम रिजवी,जिला अध्यक्ष बीजेपी और आरएसएस हमेशा से ही बाबा साहेब और देश के संविधान से नफ़रत करती रही है: इरम रिजवी

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।कैसरबाग स्थित स्वास्थ्य भवन चौराहे से विधानसभा की ओर बढ़ रहे कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोका।आप पार्टी के कार्यकर्ताओं ने गृहमंत्री के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पोस्टर जलाए प्रदर्शन एवं प्रदर्शन किया।इस दौरान कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच जमकर झड़प हुई। विधानसभा की ओर बढ़ रहे कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए पुलिस को काफी देर संघर्ष करना पड़ा । लखनऊ जिला अध्यक्ष इरम रिजवी ने इस मौके पर कहा कि बाबा साहब का अपमान इस देश का कोई भी व्यक्ति बर्दाश्त नहीं करेगा। इस देश में हर व्यक्ति और समुदाय को समानता और अधिकार संविधान से मिले हैं। बाबा साहब अंबेडकर जी ने संविधान में दलितों, पिछड़ों और गरीबों को वोट का अधिकार दिलाया और इसी ने आज हमें जीवन जीने का अधिकार दिया है। गृह मंत्री और भाजपा को अपनी गलती मानकर माफ़ी मंगानी चाहिए और तुरंत ही अमित शाह को अपने पद से इस्तीफ़ा देना चाहिए। जिला अध्यक्ष इरम रिजवी ने कहा कि बीजेपी और आरएसएस हमेशा से ही बाबा साहब अंबेडकर जी और देश के संविधान से नफ़रत करती रही है। इन्होंने दलितों और पिछड़ों को मिलने वाले अधिकारों का विरोध किया है। बाबा साहेब दलितों, पिछड़ों, शोषित वर्गों के लिए एक प्रेरणा स्रोत हैं। उनका सम्मान केवल एक व्यक्ति या समुदाय का नहीं, बल्कि सम्पूर्ण देश का सम्मान है। हमें गहरा दुख और चिंता है कि अमित शाह ने संसद के सदन में डॉ. अंबेडकर के योगदान को नकारते हुए उनके प्रति अपमानजनक टिप्पणी की। यह न केवल उनके योगदान को कम करने का प्रयास है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र और समाज के मूल्यों के खिलाफ भी है। ऐसी टिप्पणियाँ समाज में असंतोष और तनाव उत्पन्न कर सकती हैं, जो हमारी एकता और अखंडता के लिए हानिकारक हैं। विरोध प्रदर्शन में अनेकों कार्यकर्ता शामिल हुए 7

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी का बड़ा दिल : इंसानियत और सेवा की मिसाल

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

धनबाद। जामताड़ा विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय नेता और झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने एक बार फिर अपनी दरियादिली और जनसेवा का परिचय दिया।भाजपा ने डॉ. इरफान अंसारी के खिलाफ कई षड्यंत्र रचे, उन्हें बदनाम

करने की कोशिशें कीं, और यहां तक कि उन्हें बांग्लादेशी घुसपैठिया तक कहा। इसके बावजूद, डॉ. अंसारी ने मजबूती से हर चुनौती का सामना किया और लगातार तीसरी बार जामताड़ा विधानसभा क्षेत्र की जनता का दिल जीतकर अपनी लोकप्रियता को साबित किया। इंसानियत की मिसाल पेश करते हुए, आज उन्होंने एक ऐसा कदम उठाया जिसने सभी को उनका कायल बना दिया। जामताड़ा जिले के पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष सोमनाथ सिंह के बेटे शुभम सिंह का सड़क दुर्घटना में गंभीर चोट लगने के बाद स्थिति नाजुक हो गई। शुभम को ब्रेन सर्जरी की जरूरत थी।जैसे ही मंत्री डॉ. अंसारी को इस घटना की जानकारी मिली, वे तुरंत धनबाद के असर्फी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने शुभम सिंह के परिजनों को आश्वस्त किया कि आप बिल्कुल चिंता न करें। मैं यहां हूं, आपकी मदद के लिए। आपके बेटे के इलाज में एक पैसा भी खर्च नहीं होगा। उसकी जान बचाने के लिए जो भी संभव होगा, वह किया जाएगा।डॉ. अंसारी ने अस्पताल की पूरी मेडिकल टीम को शुभम का इलाज करने के लिए तत्परता से निर्देश दिया और किसी भी स्थिति में बच्चे की जान बचाने की पूरी कोशिश करने का आदेश दिया।यह घटना उन आलोचकों को भी सोचने पर मजबूर कर रही है जो डॉ. इरफान अंसारी के खिलाफ बेवजह गाली-गलौज और नकारात्मक प्रचार करते हैं। भाजपा के कार्यकर्ताओं में भी चर्चा है कि डॉ. अंसारी जैसे व्यक्ति वाकई मसीहा हैं, जो बिना किसी भेदभाव के हर किसी की मदद के लिए तत्पर रहते हैं।डॉ. इरफान अंसारी ने अपनी सेवा और समर्पण से यह साबित कर दिया है कि राजनीति से ऊपर उठकर मानवता और जनसेवा ही उनका असली धर्म है। मुलाकात के दौरान समाजसेवी उदय प्रताप सिंह व अन्य लोग उपस्थित थे।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

मृतक का फाइल फोटो

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बंथरा में सोमवार को एक डीसीएम चालक ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी का फंदा लगाकर अपनी जान गवां दी। बंथरा के लतीफ नगर गांव में रहने वाला बबलू कश्यप (38 वर्ष) डीसीएम चालक था। उसकी 15 वर्ष पहले मलिहाबाद के जाजपुर गांव में रहने वाली गुड़िया से शादी हुई थी। वह अपनी पत्नी गुड़िया और बेटी प्रिया, रितिका, बेटे रौनक और अनुराग के साथ रहता था। सोमवार सुबह बबलू उठकर कहीं चला गया। कुछ देर बाद वापस लौटा। बाद में पत्नी गुड़िया से झगड़ने लगा। पत्नी व बच्चों को घर से बाहर कर अन्दर से दरवाजा बन्द कर लिया। सब आवाज देते रहे, पर उसने दरवाजा नहीं खोला। कुछ देर बाद परिजनों ने खिड़की से झांक कर देखा तो बबलू घर के अन्दर हॉल में पंखे के हुक से साड़ी के सहारे मृत लटका मिला। सुबह करीब 10:30 बजे हुई घटना की जानकारी होने के बाद परिजनों ने बंथरा पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर पहुँची पुलिस ने शव उतार कर ले जाने की तैयारी की। लेकिन परिजनों ने शव नहीं ले जाने दिया। वह पड़ोस में रहने वाली महिला अर्चना और उसके पति राकेश गौतम के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर अड़ गए। उनका कहना था कि अर्चना और राकेश उन्हें बहुत परेशान करते हैं। वह आए दिन 5 लाख रुपये मांगते रहते हैं। आरोप लगाया कि उन्हीं की वजह से बबलू ने परेशान होकर आत्महत्या की है। फिलहाल काफी देर बाद जब पुलिस ने मृतक के परिजनों की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज करने का आश्वासन दिया, तब उन्होंने शव ले जाने दिया। वहीं सूत्रों का कहना है कि मृतक का पड़ोस में रहने वाली एक महिला से प्रेम प्रसंग चल रहा था और उसके परिजन मृतक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने को कह रहे थे। यह जानकारी होने के बाद ही आहत होकर उसने यह कदम उठाया है। हालाकि पुलिस ने ऐसी किसी बात की जानकारी से इनकार किया है। उधर मृतका की पत्नी गुड़िया ने अर्चना को इसका जिम्मेदार ठहराते हुए पुलिस को तहरीर दी है। उसने तहरीर में लिखा है कि अर्चना 5 लाख रुपये मांग रही थी। जिससे परेशान होकर ही बबलू ने आत्महत्या की है।

कबाड़ गोदाम के बाहर खड़ी बाइक चोरी

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। सरोजनीनगर में बेखौफ चोरों ने रविवार शाम कबाड़ गोदाम के बाहर खड़ी एक बाइक चोरी कर ली। पीड़ित ने सरोजनीनगर थाने में मामले की तहरीर दी है। बंथरा के पहाड़पुर निवासी मानिक कश्यप के मुताबिक वह सरोजनीनगर में अमौसी औद्योगिक क्षेत्र (नादरगंज) स्थित महिंद्रा ट्रांसफॉर्मर कंपनी के सामने पलक ट्रेडर्स नामक कबाड़ गोदाम में काम करता है। उसका कहना है कि रविवार दोपहर वह पलक ट्रेडर्स गोदाम के बाहर गिंदनखेड़ा रोड के किनारे अपनी सुपर स्प्लेंडर बाइक (यूपी 32 जेफ 5650) खड़ी कर अंदर चला गया। शाम को छुट्टी होने पर बाहर निकाला तो बाइक वहां से गायब मिली। उसने इसकी सूचना सरोजनीनगर थाने पर दी। पुलिस तहरीर लेकर चोरों का सुराग लगा रही है।

भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई स्मृति का किया गया आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता

भाषा विभाग के नियंत्रणाधीन भाषा संस्थान उत्तर प्रदेश द्वारा जय किसान इंटर कॉलेज, चिमियानी उन्नाव के संयुक्त तत्वावधान में भारत रत्न स्व.अटल बिहारी वाजपेई की स्मृति में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार रजनीश वर्मा ने की, उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि माननीय अटल जी का व्यक्तित्व व कृतित्व अनुकरणीय है। मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय अटल सेवा संगठन की प्रदेश उपाध्यक्ष पुनीता दीक्षित एवं विशिष्ट अतिथि प्रदेश प्रभारी सरला सिंह जी उपस्थित रही। कार्यक्रम में अरुण कुमार , राम सनेही चौरसिया , संजय मिश्र, अभिषेक कुमार, सुरेन्द्र प्रधान जी ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का सफल संचालन अवधेश प्रकाश ने किया। भाषा संस्थान के निदेशक श्री विनय श्रीवास्तव के निर्देशन में संपन्न कार्यक्रम की सभी के द्वारा भूरि भूरि प्रशंसा की गई। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक गण छात्र एवं छात्राएं व बड़ी संख्या में जन समुदाय उपस्थित था।

पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी बाजपेई की एक सौ वीं जयंती एवं सुशासन सप्ताह आयोजित हुआ कवि सम्मेलन

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर। जिले के प्रखर राष्ट्रवादी

कवि साहित्य भूषण कमलेश मौर्य मृदु की अध्यक्षता में भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेई की सौ वीं जयंती पर कवि सम्मेलन सम्पन्न हुआ। उप्र सरकार के संस्कृति विभाग द्वारा संगीत नाटक अकादमी परिसर लखनऊ में आयोजित इस समारोह में काव्य पाठ हेतु प्रमाणपत्र व अंगवस्त्र देकर संस्कृति निदेशालय के अधिकारियों द्वारा जिले के प्रख्यात कवि मृदु को सम्मानित किया गया।अटल की एक सौ वीं जयंती पर आयोजित सुशासन सप्ताह के अन्तर्गत कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसका संचालन व शारदा स्तवन अटल नारायण अटल ने किया। उत्तर प्रदेश संस्कृति निदेशालय के कार्यक्रम अधिशाषी कमलेश पाठक व ले.खा.धि.का.री सुशील कुमार बच्चा तथा उच्च शिक्षा निदेशक अनिल भारद्वाज ने कवियों का स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कमलेश मौर्य मृदु ने अटल के जीवन से जुड़े अनेक संस्मरण सुनाते हुए धुंवाधार काव्यपाठ किया।उन्होंने उनकी तुलना स्वामी विवेकानन्द से करते हुए कहा कि भारत की भक्ति को जगाया स्वामी ने और भारती की भक्ति भरे अटल बिहारी हैं। बाल ब्रह्मचारी थे विवेकानंद जी हमारे अटल बिहारी भी तो बाल ब्रह्मचारी हैं। युवक हृदय सम्राट हैं उमय और अपने समय के तो दोनों क्रांतिकारी हैं। हिन्दू को दी विश्व मान्यता विवेकानंद ने, तो हिंदी को दिलाने वाले अटल बिहारी हैं। अटल के बहुआयामी व्यक्तित्व का परिचय कराते हुए उन्होंने कहा जिनका न सानी कोई राजनीति में मिलेगा संकल्प के धनी महान थे अटल।मन से उदार प्यार सब के लिए हृदय में वो अजातशत्रु इंसान थे अटल।कितने ही झंझट हों कितने ही संकट हों चेहरे पे मृदु मुस्कान थे अटल।हिंदी काव्याकाश के जाज्वल्यमान थे नक्षत्र राष्ट्र चेतना के दिन मान थे अटल।। मृदु ने अटल जयंती पर संकल्प दिलाते हुए कहा बलिदानों से प्राप्त हुई ये स्वतंत्रता है इसको मिटने नहीं देंगे।इस देश का मस्तक ऊंचा रहे इसकी गरिमा घटने नहीं देंगे। धरती ही नहीं ये हमारी है मां फिर अंग कोई कटने नहीं देंगे। हम आप प्रतिज्ञा यही कर लें मृदु भारत को घटने नहीं देंगे।। इसी क्रम में विधानसभा में संयुक्त सचिव रह चुके कवि अरविन्द पाठक व बाराबंकी से पधारे हास्य-व्यंग्य कवि अजय प्रधान ने काव्यपाठ कर मंच को ऊंचाइयां प्रदान की।सूत्रधार राजेन्द्र विश्वकर्मा ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया।

नगर निगम जोन 8 ने अबैध कब्जे पर चलाए बुलडोजर

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। नगर निगम 8 जोन लगातार अवैध निर्माण एवं कब्जे को लेकर शासन द्वारा कार्यवाही जारी है वही नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह व अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव के आदेश द्वारा नगर निगम निहित सरकारी भूमियों को खाली करने को लेकर अभियान चलाया जा रहा है जो उपजिलाअधिकारी सरोजिनी नगर सचिन वर्मा, अधिकारी संपत्ति संजय यादव तहसीलदार नगर निगम अरविंद पाण्डेय तहसीलदार सरोजिनी नगर आकृति श्रीवास्तव एव उक्त कार्यवाही की टीम का नेतृत्व नायब तहसीलदार नीरज कटियार राजस्व निरीक्षक नगर निगम अविनाश चंद्र तिवारी क्षेत्रीय लेखपाल अमरेश रावत विवेक बहादुर संदीप कुमार नगर निगम लेखपाल आलोक यादव मृदुल मिश्रा राहुल यादव विनोद वर्मा जो थाना पीजीआई की पुलिस बल के साथ बड़े पैमाने पर प्रॉपर्टी डीलरों द्वारा सरकारी भूमि पर प्लाटिंग बाउंड्रीवाल पर कब्जा हुए जमीनों पर जेसीबी मशीन की सहायता से ध्वस्त कर दिया गया नायब तहसीलदार नीरज कटियार ने बताया कि ग्राम काली खसरा संख्या 643 1820 1830 1838 1425 1310 कुल क्षेत्रफल 1.476 हेक्टर व ग्राम हेवतमऊ मवैया का खसरा संख्या 1010 1011 कुल क्षेत्रफल 1.6840 हेक्टर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया मुक्त करते समय बिल्डरों द्वारा नोक झोंक हुई फिर भी नगर निगम द्वारा शांतिपूर्ण ढंग से जमीन को खाली कराई गई

आजाद अधिकार सेना ने गृह मंत्री द्वारा बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर का अपमान किये जाने के विरोध में दिया ज्ञापन

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता राकेश पाण्डेय

सीतापुर। आजाद अधिकार सेना सीतापुर के जिला अध्यक्ष नवल किशोर मिश्र के नेतृत्व में विगत दिनों संसद में गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर पर की गई टिप्पणी तथा इसके क्रम में विपक्षी नेताओं पर फर्जी ढंग से एफआईआर दर्ज किए जाने के मामले में जिला मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन करते हुए भारत के राष्ट्रपति के नाम सम्बोधित एक प्रत्यावेदन अतिरिक्त मैजिस्ट्रेट सीतापुर के माध्यम से दिया। प्रत्यावेदन में कहा गया कि अमित शाह ने बाबा साहेब अम्बेडकर के सम्बन्ध में जो टिप्पणी की,उसके बाद से उन्होंने केन्द्रीय मंत्रिमंडल में रहने का अधिकार खो दिया है। साथ ही इस सम्बन्ध में विधि सम्मत ढंग से विरोध कर रहे राहुल गांधी सहित विपक्ष के नेताओं पर थाना संसद मार्ग,नई दिल्ली में एक पक्षीय रूप से मुकदमा दर्ज किए जाने की भी कड़ी निंदा की गई है। आजाद अधिकार सेना ने राष्ट्रपति से गृह मंत्री को तत्काल बर्खास्त किए जाने की मांग की है,साथ ही विपक्ष द्वारा दी गई शिकायत पर भी तत्काल एफआईआर दर्ज करवाते हुए दोनों मुकदमों की विवेचना सीबीआई को ट्रांसफर किए जाने की मांग की गई है। विरोध प्रदर्शन के दौरान आजाद अधिकार सेना सीतापुर के प्रभारी चन्द्रभान सक्सेना रजत शुक्ला राजकुमार श्रीवास्तव राजाराम मौर्या सन्त राम मौर्या विजय गुप्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर सहारा पीड़ित जमाकर्ताओं ने भी भारत के प्रधानमंत्री के नाम भुगतान हेतु ज्ञापन सौंपा।

इंडियन वीमेन आर्टिस्ट पर फिल्म बनाना चाहती हैं शालिनी पासी

शिबग बॉस 18श् कंटेस्टेंट और इंटरनेट सेंसेशन शालिनी पासी वीमेन आर्टिस्ट पर फिल्म बनाने की ख्वाहिश रखती हैं। हाल ही में दैनिक भास्कर से बातचीत के दौरान, उन्होंने इंडियन वीमेन आर्टिस्ट्स पर – जैसे पेंटर अमृता शेरगिल और मूर्तिकार मृणालिनी मुखर्जी – पर फिल्म बनाने की ख्वाहिश जाहिर की। शालिनी ने कहा, श्मेरी पूरी टीम में महिलाएं ही हैं। मुझे हमेशा महिलाओं के साथ एक कनेक्शन महसूस होता है। हमेशा महिलाओं की कंपनी अच्छी लगती है। एक कंफर्ट लेवल और सिस्टरहुड की भावना होती है। ये वही चीजें हैं जो मुझे हर जगह खींचती हैं – चाहे वो दोस्त हों, सहकर्मी हों या वो महिलाएं जो मेरे लिए काम कर रही हैं। महिलाओं के प्रति मेरा झुकाव हमेशा ईमानदार और पक्षपाती रहा है। दूसरों की खुशी में मुझे खुशी मिलती है। मेरा मानना है कि महिलाओं को हमेशा सही मौके मिलने चाहिए।श् बातचीत के दौरान, शालिनी ने वीमेन आर्टिस्ट पर एक फिल्म बनाने की अपनी इच्छा जाहिर की। उन्होंने कहा, श्मैं एक वीमेन आर्टिस्ट पर फिल्म बनाना चाहती हूं – जैसे पेंटर अमृता शेरगिल और मूर्तिकार मृणालिनी मुखर्जी। मैं एक ऐसी फिल्म या सीरीज बनाना चाहती हूं। लेकिन पहले मुझे माध्यम को समझना होगा। हालांकि, ये ख्वाहिश जरूर रखती हूं।श् शालिनी ने ट्रेवल शो करने की भी इच्छा व्यक्त की। उन्होंने कहा, श्मैं ट्रैवल शो करना चाहती थी, क्योंकि इतने मजेदार इंसिडेंट्स होते हैं वाराणसी में और हैदराबाद जैसी जगहों पर। हमारी देश में इतनी खूबसूरत जगहें हैं, जिन्हें मैं दुनिया को दिखाना चाहती हूं। यह मेरा बहुत बड़ा सपना है।श् बता दें, शालिनी शिबग बॉस 18श् के जरिए अपने अंदर के ईगो को खत्म करना चाहती हैं। उन्होंने कहा, श्मेरे अंदर थोड़ा सा ईगो है। मैं चाहती हूं कि वो खत्म हो जाए। मैं हमेशा खुद को सुधारने वाला इंसान मानती हूं। इस शो के जरिए मैं खुद को और बेहतर बनाना चाहती हूं। बिग बॉस में आने का मतलब सिर्फमनोरंजन नहीं है, यह एक बड़ा मौका है खुद को बदलने और सीखने का।श् नेटफ्लिक्स के एक शो श्फैबुलस लाइफ ऑफबॉलीवुड वाइव्सश् को दर्शकों ने काफी पसंद किया। इस बार के सीजन में दर्शकों को दिल्ली की सोशलाइट शालिनी पासी बहुत भा गईं। उनका अंदाज और आलीशान जिंदगी देखकर लोग काफी इंप्रेस हुए। हाल ही में एक इंटरव्यू में शालिनी ने बताया कि वह जो भी अपने काम से कमाती हैं, उसे वह दान दे देती हैं। कहां जाता है उनका दान किया पैसा जानिए? दान करती हैं अपनी कमाई हाल ही में एक इंटरव्यू में शालिनी कहती हैं, श्मेरी पूरी एक्टिंग फीस बिहार में यूनिसेफके माध्यम से एक गांव में जाती है। मैं जो कुछ भी करती हूं मेरी सारी कमाई दान में जाती है। मैं यूनिसेफके साथ लगन से काम करती हूं। इसके अलावा मैं महिलाओं के बारे में एक शो बनाने की कोशिश कर रही हूं। एक ऐसा शो जो भारतीय संस्कृति को दिखाएगा। हालांकि मुझसे अक्सर कहा जाता है कि ऐसे शो को देखने के लिए कम ही दर्शक मिलेंगे। लेकिन मैं भारत को, अपनी संस्कृति को और महिलाओं की शक्ति दिखाने के लिए तैयार हूं।

जीती हैं आलीशान जिंदगी शालिनी पासी नेटफ्लिक्स के शो फैबुलस लाइव्स वर्सेस बॉलीवुड वाइव्स में नजर आई थीं। इस शो के जरिए उनकी आलीशान जिंदगी के बारे में लोगों ने जाना था। शालिनी का घर किसी महल से कम नहीं है। साथ ही शालिनी एक आर्ट कलेक्टर भी हैं वह करोड़ों की कीमत वाली पेंटिंग और आर्ट खरीदती हैं। पॉपुलैरिटी से डर गए थे बाकी प्रतियोगीजब शालिनी शो में थी, तो उनसे बाकी प्रतियोगी काफी डर गए थे। दरअसल, दर्शकों के बीच उनकी पॉपुलैरिटी काफी बढ़ गई थी। इस बारे में पिछले दिनों शो के गेस्ट होस्ट करण जौहर ने भी बात की थी। उन्होंने एक दूसरी प्रतियोगी महीप कपूर से इस बारे में पूछा था। तब महीप ने मुस्कुराते हुए कहा था कि आप मुझे अपनी बातों से सिरदर्द दे रहे हैं। इस पर करण ने कहा कि मेरी बातों से यह सिरदर्द है या फिर शालिनी की लोकप्रियता के कारण सिरदर्द हो रहा है। इस सारी बातचीत का वीडियो जब सोशल मीडिया पर वायरल हुआए तो यूजर्स ने कई तरह के कमेंट किए।

शाहरुख–गौरी से है दोस्ती शो श्फैबुलस लाइव्स वर्सेस बॉलीवुड वाइव्सश् में शालिनी पासी ने गौरी खान और शाहरुख खान से दोस्ती के बारे में भी बताया था। उन्होंने बताया कि उनके बिजनेसमैन पति और शाहरुख की पत्नी गौरी दिल्ली में पड़ोसी रहे हैं, वे एक साथ बड़े हुए। साथ ही शालिनी के पति ने तो शाहरुख के साथ पढ़ाई भी की है। यहां तक कि शालिनी का बेटा और शाहरुख, गौरी का बेटा आर्यन भी एक साथ यूनिवर्सिटी गए। इस तरह से वे लोग एक–दूसरे को लंबे समय से जानते हैं। नेटफ्लिक्स पर आ रहे शो श्फैबुलस लाइव्स वर्सेस बॉलीवुड वाइव्सश् के तीसरे सीजन में पास्को ग्रुप के चेयरमैन संजय पासी की वाइफ शालिनी पासी काफी चर्चा में हैं। इस शो में दर्शकों ने देखा है कि शालिनी की शानो शौकत देखकर कैसे बॉलीवुड स्टार्स की पत्नियां भी हैरान थीं। दिखने में बला की खूबसूरत शालिनी पासी आर्ट फील्ड में भी माहिर हैं। शालिनी ने हाल ही में बताया है कि उन्होंने चार बार अपने बाल मुंड़वाए। श्फैबुलस लाइव्स वर्सेस बॉलीवुड वाइव्सश् में अपने आलीशान और राजा–महाराजाओं वाली लाइफस्टाइल दिखाने वालीं शालिनी ने अब खुलासा किया है कि उन्होंने एक–दो बार नहीं, बल्कि चार बार अपने बाल मुड़वाए हैं। उन्होंने ये भी कहा कि वो इसी वजह से अपने बालों के साथ कोई एक्सपेरिमेंट नहीं करना चाहती हैं।शालिनी ने बताया– क्यों मुड़वाए थे अपने बाल छक्ज्ट से बातें करते हुए शालिनी पासी ने अपने बालों का किस्सा सुनाया। उन्होंने बताया कि वो चार बार अपने बाल मुंड़वाकर इसे तिरुपति बालाजी मंदिर में दान कर चुकी हैं। उन्होंने कहा कि वो अपने बालों के कोई एक्सपेरिमेंट नहीं करना चाहतीं हैं क्योंकि उन्हें पता है कि वो बाद में इसे दान कर देंगी। शालिनी ने कहा– मैं अपने बालों में ज्यादा स्टाइल नहीं करना चाहतीउन्होंने कहा, श्मैं अपने बालों में ज्यादा स्टाइल नहीं करना चाहती, क्योंकि मुझे पता है कि मैं उन्हें दान कर दूंगी।श् उन्होंने आगे कहा कि नॉर्थ इंडिया में ज्यादातर लोग सिख संस्कृति का पालन करते हैं और इसी वजह से वे अपने बाल नहीं कटवाते, जिसकी वजह से जब वे किसी खास कार्यक्रम में जाते हैं, तो अपने बालों को हेयरबैंड, फूल, टियारा, क्लिप और कई अन्य चीजों से सजाते हैं। 49 साल की उम्र में 20 साल की लड़की जैसी एनर्जी शालिनी ने इससे पहले इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में कहा था कि वह अपना खाना रूम टेम्प्रेचर पर खाती हैं और 49 साल की उम्र में 20 साल की लड़की जैसी एनर्जी बनाए रखने के लिए उन्होंने मेनिफेस्टिंग, स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और एक्सरसाइज करना भी शुरू कर दिया है। शालिनी ने कहा, श्मैं अपना खाना रूम टेम्प्रेचर पर खाती हूं क्योंकि मैंने सिर्फस्वाद के लिए खाना छोड़ दिया है और पोषण के लिए खाती हूं ताकि मैं अपने काम पर ध्यान दे सकूं। क्योंकि कभी–कभी खाना दिक्कतें पैदा करती हैं।श् दिल्ली से अपनी सब्जियां खुद लेकर जाती हैं शालिनी एक अन्य इंटरव्यू में उन्होंने ये भी कहा श्जब मैं यहां आती हूं तो मैं दिल्ली से अपनी सब्जियां खुद लेकर आती हूं, जैसे चुकंदर और सब कुछ।श् 20 साल की लड़की की तरह दिखने के लिए उन्होंने कहा कि उन्हें ताकत की जरूरत होती है, वह नहीं चाहतीं कि उसकी पीठ में दर्द हो, वह चाहती हैं कि उसकी आंखें अच्छी तरह से काम करे और वह पूरे दिन पढ़कर उन आंखों पर असर नहीं डालना चाहतीं। यहां ये भी बता दें कि संजय और शालिनी 2021 में तब खूब सुर्खियों में आए थे, जब इन्होंने तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम को 10 करोड़ डोनेट किए थे।

बेटी के रोने पर डर जाते हैं वरुण धवन

वरुण धवन ने हालिया इंटरव्यू में बताया है कि बेटी के जन्म के बाद उनकी लाइफपूरी तरह से बदल गई है। उन्होंने बताया कि बेटी के रोने पर वे डर जाते हैं। कपिल शर्मा के द ग्रेट इंडियन कपिल शो में वरुण ने कहा- पहले मुझे एक महिला डांटती थी, लेकिन अब मुझे दो लोग डांटते हैं। मैं सीख रहा हूं कि उसे (बेटी) कैसे डकार दिलाऊं, उसे कैसे लपेटूं। कभी-कभी जब वो रोने लगती है तो मुझे डर लगता है। कभी-कभी रात में, जब मैं थक जाता हूं और वह रोने लगती है तो मैं उठने का नाटक करता हूं।

हालांकि, नताशा (पत्नी) मुझसे पहले उठ जाती है और उसे शांत करने चली जाती है। वरुण ने कहा था- बेटी के लिए बहुत प्रोटेक्टिव हूं कुछ समय पहले द हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया को दिए इंटरव्यू में वरुण ने कहा था, 'मुझे लगता है कि जब कोई भी माता-पिता बनता है, तो खासकर मां के लिए यह एक अलग अनुभव होता है। मुझे लगता है कि वह शेरनी बन जाती है। उस पल बस कुछ घटित होता है। लेकिन जब एक पुरुष पिता बनता है, तो अपनी बेटी के प्रति प्रोटेक्टिव हो जाता है। मुझे यकीन है कि आप बेटों के लिए भी महसूस करते हैं। लेकिन बेटी के लिए3 अगर कोई उसे इतना (थोड़ा) भी नुकसान पहुंचाएगा तो मैं उसे मार डालूंगा। जब मैं ऐसा कहता हूं तो मैं बहुत सीरियस हो जाता हूं। सचमुच मैं उसे मार डालूंगा।' जून 2024 में पिता बने थे वरुण वरुण-नताशा इसी साल 3 जून को पेरेंट्स बने हैं। नताशा ने बेटी लारा को जन्म दिया था। वहीं फरवरी 2024 में कपल ने अनाउंस किया था कि वो पेरेंट्स बनने वाले हैं। दोनों ने एक फोटो शेयर की थी जिसमें वरुण वाइफके बेबी बंप को किस करते नजर आ रहे थे। वहीं, कपल ने 24 जनवरी 2021 में शादी की थी। अलीबाग में हुई इस शादी में कपल के क्लोज मेंबर्स ही शामिल हुए थे।'बेबी जॉन' पर काम कर रहे हैं वरुणवर्कफ्रंट पर वरुण की अगली फिल्म 'बेबी जॉन' है। इसमें उनके अलावा कीर्ति सुरेश, वामिका गब्बी, सान्या मल्होत्रा और जैकी श्रॉफजैसे कलाकार नजर आएंगे। इसे 'जवान' फेम डायरेक्टर एटली डायरेक्ट कर रहे हैं। इसके अलावा वरुण हाल ही में वेब सीरीज 'सिटाडेलरू हनी बनी' में भी नजर आए हैं।

पति निक संग पार्टी में रोमांटिक हुई प्रियंका

क्रिसमस आने में बस कुछ ही दिन बचे हैं वहीं प्रियंका चोपड़ा ने सेलिब्रेशन भी शुरू कर दिया है. एक्ट्रेस ने हाल ही में अपने घर पर क्रिसमस से पहले की पार्टी होस्ट की थी. इसकी तस्वीरें भी अब उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं.क्रिसमस से पहले की पार्टी में प्रियंका चोपड़ा अपने पति निक संग रोमांटिक अंदाज में नजर आई. तस्वीर में एक्ट्रेस रेड कलर के आउटफिट में बेहद खूबसूरत लग रही हैं. वहीं उनके पति निक ब्लैक कोट पैंट में हैंडसम लग रहे हैं. तस्वीर में देखा जा सकता है कि प्रियंका अपने मिस्टर हसबैंड निक में खोई हुई हैं. इस तस्वीर में निक अपनी वाइफ प्रियंका का क्रिसमस हेडबैंड लगाए हुए हैं और वे बेहद क्यूट लग रहे हैं. प्रियंका ने तस्वीरों की सीरीज में अपने पेट डॉग की फोटो भी शेयर की है. इस तस्वीर में प्रियंका का पेट डॉग आराम से कार्पेट पर रेस्ट करता नजर आ रहा है. प्रियंका ने अपनी बेटी मालती की भी झलक शेयर की है. इस तस्वीर में मालती बैट से खेलती हुई दिख रही हैं. इस तस्वीर में भी मालती अपने खिलौनों के साथ मस्ती करती दिख रही हैं. इस तस्वीर में प्रियंका की लाडली अपनी टेबल पर अपने खाने की चीजों के साथ नजर आ रही हैं. इन सभी तस्वीरों को शेयर करते हुए प्रियंका ने कैप्शन में लिखा है, होम. वहीं फैंस भी एक्ट्रेस की इन फोटोज को खूब पसंद कर रहे हैं.

भारत करेगा आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप 2025 की मेजबानी

अगले साल के जूनियर विश्व कप की मेजबानी का अधिकार भारत को दिया गया है जिसमें राइफल, पिस्टल और शॉटगन की प्रतियोगितायें शामिल हैं। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। हालांकि टूर्नामेंट की तारीखों को अभी अंतिम रूप दिया जाना बाकी है।

भारत को अगले साल के जूनियर विश्व कप की मेजबानी का अधिकार दिया गया है जिसमें राइफल, पिस्टल और शॉटगन की प्रतियोगितायें शामिल हैं। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। भोपाल में 2023 में सीनियर विश्व कप और इस साल की शुरुआत में सत्र के अंत में हुए विश्व कप फाइनल के बाद यह हाल के दिनों में देश का तीसरा शीर्ष अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) का टूर्नामेंट होगा जिससे दुनिया में खेल के शीर्ष स्थलों में से एक के रूप में भारत की प्रतिष्ठा मजबूत होगी। हालांकि टूर्नामेंट की तारीखों को अभी अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। एनआरएआई द्वारा आईएसएसएसएफसे आधिकारिक पुष्टि प्राप्त करने के बाद प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय महासंघ के अध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव ने कहा, ''पिछले महीने रोम में आईएसएसएफकी कार्यकारी समिति की एक सार्थक बैठक हुई थी और सभी सदस्य महासंघों के अलावा आईएसएसएफ अध्यक्ष लुसियानो रॉसी ने भारत की शीर्ष अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने और खेल को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने में मदद करने के तरीके की प्रशंसा की थी।'' उन्होंने कहा, ''हमें तब इसका अहसास हुआ था, लेकिन अब जब आधिकारिक पुष्टि हो गई है तो हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित हैं। '' एनआरएआई के महासचिव सुल्तान सिंह ने कहा, ''आईएसएसएफ ने अपने पत्र में हमसे दो संभावित समय की पुष्टि करने का अनुरोध किया है जिसमें एक सितंबर-अक्टूबर में और दूसरा अक्टूबर के अंत तथा नवंबर की शुरुआत के दौरान है। हम आंतरिक रूप से बैठक के बाद जल्द उनके साथ इसे साझा करेंगे ताकि सदस्य महासंघ इसके अनुसार तैयारी कर सकें।'' इससे पहले भारत ने दो महाद्वीपीय चौंपियनशिप और छह आईएसएसएफप्रतियोगिताओं की मेजबानी की थी जिसमें दो विश्व कप फाइनल प्रतियोगितायें और चार सीनियर आईएसएसएफ विश्व कप शामिल हैं।

मेलबर्न में जब पिछली बार उतरे थे विराट कोहली तो मचाई थी तबाही, फैंस को एक और बड़ी पारी का इंतजार

मेलबर्न। दो साल पहले टी20 विश्व कप 2024 के दौरान विराट ने पाकिस्तान के खिलाफ 53 गेंद में नाबाद 82 रन बनाकर भारत को असंभव सी जीत दिलाई थी। तब मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर जमा 90 हजार से ज्यादा दर्शकों की जुबां पर एक ही नाम था...विराट कोहली । भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 26 दिसंबर से मेलबर्न में चौथा टेस्ट खेला जाएगा। पांच मैचों की सीरीज तीन मैचों के बाद फिलहाल 1-1 से बराबर है। पर्थ में खेला गया मुकाबला भारत ने 295 रन से जीता था, जबकि एडेलिड में दूसरे डे-नाइट टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने 10 विकेट से जीत हासिल की थी। इसके बाद गाबा में तीसरा टेस्ट ड्रॉ रहा। अब चौथा टेस्ट जो कि एक बॉक्सिंग डे टेस्ट है, उसमें दोनों टीमें बढ़त लेने उतरेंगी। मेलबर्न में जब पिछली बार विराट कोहली मैदान पर उतरे थे तो उन्होंने तबाही मचाई थी और पाकिस्तान के खिलाफ एक असंभव जीत दिलाई थी। टी20 विश्व कप 2022 में असंभव जीत दिलाई थी यह मुकाबला दो साल पहले टी20 विश्व कप 2024 के दौरान खेला गया था। तब विराट ने पाकिस्तान के खिलाफ 53 गेंद में नाबाद 82 रन बनाकर भारत को असंभव सी जीत दिलाई थी। तब मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर जमा 90 हजार से ज्यादा दर्शकों की जुबां पर एक ही नाम था...विराट कोहली । इतिहास की सर्वश्रेष्ठ पारियों में दर्ज इस पारी से उन्होंने अपने आलोचकों को भी करारा जवाब दिया था। दो साल बाद प्रारूप अलग है, लेकिन हालात वही। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले मैच में पर्थ में शतक जमाने के बाद बाकी पांच पारियों में कोहली 26 रन ही बना सके हैं, लेकिन उनके फैंस को यकीन है कि अपने पसंदीदा मैदान एमसीजी पर उनका बल्ला चलेगा। मेलबर्न में विराट हैं काफी लोकप्रिय मेलबर्न में उनकी लोकप्रियता का आलम यह है कि टूर गाइड से लेकर सुरक्षाकर्मियों तक, सभी की जुबां पर उन्हीं का नाम है। एमसीजी पर ऑस्ट्रेलियाई खेल संग्रहालय के टिकट काउंटर पर पहुंचते ही कोहली की तस्वीरों से ही सामना होता है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर 2018-19 में पहली बार सीरीज जीतने के बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी को चूमते हुए और एमसीजी पर तीसरे टेस्ट में टीम के साथ जश्न मनाते हुए कोहली की तस्वीरें लगी हैं। इसके साथ ही लिखा है श्कोहलीज कॉन्करर्स (कोहली की विजेता टीम)श। ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीतने का भारत का इंतजार 2018-19 में ही खत्म हुआ था। फैंस की प्रतिक्रियाएं एमसीजी टूर कराने वाले गाइड डेविड एक घंटे के टूर में बार-बार बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी और बॉक्सिंग डे टेस्ट का जिक्र करते हुए इसे श्ब्लॉकबस्टरश् मैच बताते हैं। कोहली का जिक्र उनकी बातों में बार-बार आता है। हालांकि, उनके अपने पसंदीदा भारतीय क्रिकेटर शानदार फॉर्म में चल रहे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हैं। डेविड ने कहा, श्यह ऑस्ट्रेलिया में सबसे बड़ा टेस्ट है और भारत-ऑस्ट्रेलिया मुकाबले से ज्यादा रोमांचक क्या हो सकता है। मुझे इसका बेताबी से इंतजार है। हम उम्मीद करते हैं कि विराट का बल्ला यहां नहीं चले।श् पर्थ में रहने वाली गुजरात की सलोनी खास तौर पर मेलबर्न टेस्ट देखने क्रिसमस की छुट्टियों में यहां आई हैं। उन्होंने कहा, श्पहली बार मैंने पर्थ में स्टेडियम में टेस्ट देखा और बहुत खुशी है कि विराट ने उस मैच में शतक जमाया था। बाकी मैचों को लेकर काफी रोमांचित हूं। मेलबर्न में बहुत अच्छा मैच होने वाला है। मुझे विराट की आक्रामकता बहुत पसंद है। मैदान पर उन्हें देखने में मजा आता है। उनकी फिटनेस का जवाब नहीं है।श् कोहली ने 2011 में खेला था पहला बॉक्सिंग डे टेस्ट कोहली ने पहला बॉक्सिंग डे टेस्ट 2011 में खेला था और सातवें नंबर पर उतरकर पहली पारी में 11 रन बनाए थे और दो कैच भी लपके थे। दूसरी पारी में वह खाता नहीं खोल सके। फिर 2014 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 169 रन बनाए थे और अजिंक्य रहाणे के साथ 262 रन की साझेदारी की थी। दूसरी पारी में भी 54 रन बनाकर उन्होंने मैच ड्रॉ कराने में अहम भूमिका निभाई थी। 2018 में पिछली बार मेलबर्न में टेस्ट खेले थे कोहली ऑस्ट्रेलिया में पिछली बार कोहली ने कोई बॉक्सिंग डे टेस्ट 2018 में खेला था। तब मेलबर्न में कप्तान कोहली ने पहली पारी में इस मैदान पर 82 रन बनाए थे, लेकिन दूसरी पारी में खाता नहीं खोल सके थे। उस मैच में उन्होंने मिचेल मार्श और एरोन फिंच के कैप लपके थे। बुमराह ने नौ विकेट लेकर भारत की 137 रन से जीत की नींव रखी और बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में 2-1 की बढ़त दिलाने में मदद की थी। कोहली दुनिया के दूसरे सबसे बड़े मैदान पर अब तक तीन टेस्ट में 52.66 की औसत से 316 रन बना चुके हैं जिसमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। भारत के लिए एमसीजी पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले सचिन तेंदुलकर (10 मैचों में 449 रन) से वह 133 रन और रहाणे (छह मैचों में 369 रन) से 53 रन पीछे हैं। मेलबर्न भारत के लिए भाग्यशाली रहा कोहली के साथ ही भारतीय टीम के लिए भी एमसीजी टेस्ट में भाग्यशाली मैदान रहा है। इसी मैदान पर 1978 में भारत ने पहली बार ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर 222 रन से जीत दर्ज की थी और भागवत चंद्रशेखर ने उस मैच में 12 विकेट लिए थे। सीरीज जीतने के लिए भारत को 71 साल इंतजार करना पड़ा और कोहली की कप्तानी में यहीं पर 2018-19 में भारत ने ऑस्ट्रेलिया में पहली बार टेस्ट सीरीज जीती थी।

क्या होता है बॉक्सिंग डे टेस्ट और कैसा है भारतीय टीम का रिकॉर्ड? आंकड़े जानकर उड़ जाएगी नींद

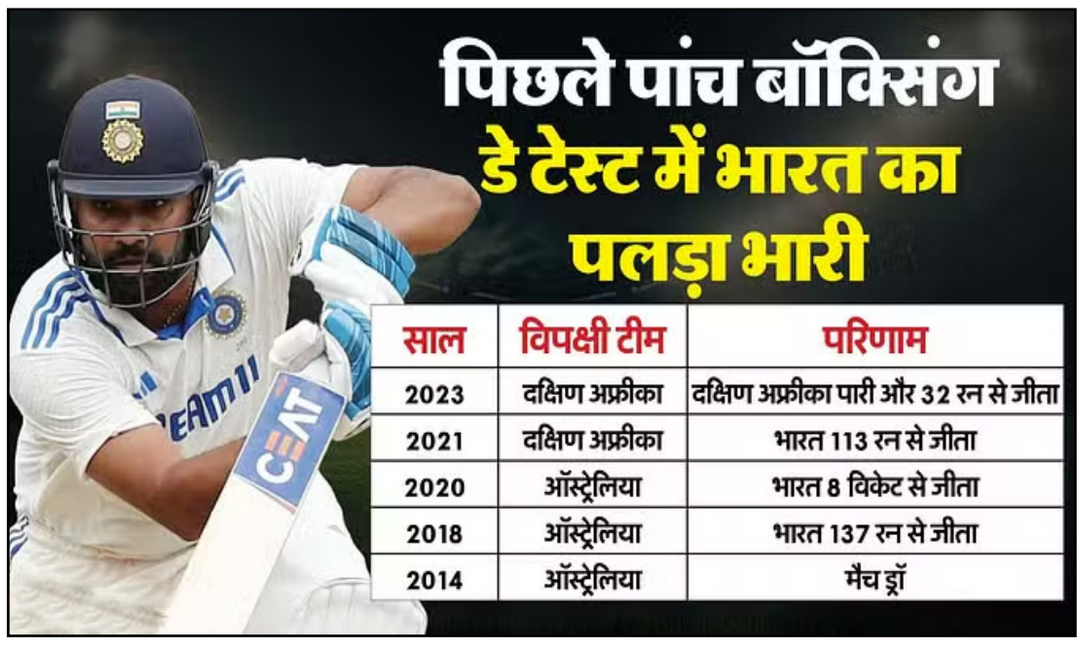

साल	विपक्षी टीम	परिणाम
2023	दक्षिण अफ्रीका	दक्षिण अफ्रीका पारी और 32 रन से जीता
2021	दक्षिण अफ्रीका	भारत 113 रन से जीता
2020	ऑस्ट्रेलिया	भारत 8 विकेट से जीता
2018	ऑस्ट्रेलिया	भारत 137 रन से जीता
2014	ऑस्ट्रेलिया	मैच ड्रॉ

मेलबर्न। भारत का बॉक्सिंग डे टेस्ट में रिकॉर्ड शानदार रहा है। पिछले पांच बॉक्सिंग डे टेस्ट के नतीजों पर नजर डालें तो भारत का पलड़ा भारी है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज जारी है। शुरुआती तीन मुकाबलों के बाद फिलहाल सीरीज 1-1 की बराबरी पर है। अब दोनों टीमें चौथे टेस्ट में एक बार फिर आमने-सामने होंगी। यह मुकाबला 26 दिसंबर से मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में खेला जाएगा। क्या है बॉक्सिंग डे टेस्ट? एमसीजी में खेले जाने वाले इस मैच को बॉक्सिंग डे टेस्ट के नाम से भी जाना जा रहा है। इसके पीछे कई कारण हैं। दरअसल, क्रिसमस (25 दिसंबर) के अगले दिन को कई देशों में बॉक्सिंग डे के नाम से जाना जाता है। कुछ मान्यताओं के अनुसार, चर्च में क्रिसमस के दिन एक बॉक्स रखा जाता है। इस बॉक्स में गरीबों के लिए तोहफे रखे जाते हैं। क्रिसमस के अगले दिन बॉक्स को खोलकर गरीबों में सामान बांट दिया जाता है। यही कारण है कि इसे बॉक्सिंग डे भी कहते हैं। क्रिकेट में बॉक्सिंग डे टेस्ट की शुरुआत 1892 में मेलबर्न में खेले गए शेफील्ड शील्ड मैच से हुई थी। पिछले पांच बॉक्सिंग डे टेस्ट में भारत का प्रदर्शन क्रिसमस के अगले दिन भारत का सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा। यही कारण है कि मेलबर्न में खेले जाने वाले इस मैच को बॉक्सिंग डे टेस्ट भी कहा जा रहा है। भारत का बॉक्सिंग डे टेस्ट में रिकॉर्ड शानदार रहा है। पिछले पांच बॉक्सिंग डे टेस्ट के नतीजों पर नजर डालें तो भारत का पलड़ा भारी है। 2014, 2018 और 2020 में भारत का सामना ऑस्ट्रेलिया (बॉक्सिंग डे टेस्ट) से हुआ। 2018 में भारत 137 रन से जीता जबकि 2020 में भारत ने आठ विकेट से जीत दर्ज की। वहीं, 2021 और 2023 में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच बॉक्सिंग डे टेस्ट खेला गया। भारतीय टीम को दोनों में जीत मिली। एमसीजी में भारत का पलड़ा भारी मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में भारत का पलड़ा ऑस्ट्रेलिया पर भारी है। पिछले 10 वर्षों में टेस्ट में यह ग्राउंड भारत के लिए अजेय किला बना हुआ है। भारतीय टीम ने इस मैदान पर 2014 से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कुल तीन मुकाबले खेले हैं और उसे दो में जीत मिली है, जबकि एक मैच ड्रॉ रहा है। वहीं, पैट कमिंस की अगुआई वाली टीम पिछले 10 वर्षों में एमसीजी पर भारत के खिलाफ जीत दर्ज नहीं कर सकी है। यह आंकड़े भारत के लिए राहत देने वाले हैं क्योंकि टीम की नजरें बढ़त हासिल करने पर टिकी हुई हैं। वहीं, ओवरऑल रिकॉर्ड पर नजर डालें तो इस मैदान पर भारत ने कुल 14 टेस्ट मैच खेले हैं। इनमें उन्हें चार मौकों पर जीत और आठ बार हार का सामना करना पड़ा है जबकि दो मैच ड्रॉ रहे हैं।

जीता टी20 वर्ल्ड कप का खिताब, लेकिन झेलनी पड़ी इन टीमों से हार

र भारत ने टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीतकर इतिहास रचा तो वहीं उसे अपने ही घर में गहरे जख्म भी झेलने पड़े। इस साल भारत ने कुछ रिकॉर्ड बनाए तो वहीं कुछ टीमों के खिलाफ टीम को हार का सामना भी करना पड़ा। न्यूजीलैंड जैसी विदेशी टीम ने भारत को घर पर पटखनी दी, जो भारतीय क्रिकेट फैंस के दिलों में गहरी टीस छोड़ गया।

साल 2024 भारतीय क्रिकेट टीम के लिए काफी उतार-चढ़ाव वाला रहा। जहां एक और भारत ने टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीतकर इतिहास रचा तो वहीं उसे अपने ही घर में गहरे जख्म भी झेलने पड़े। इस साल भारत ने कुछ रिकॉर्ड बनाए तो वहीं कुछ टीमों के खिलाफ टीम को हार का सामना भी करना पड़ा। न्यूजीलैंड जैसी विदेशी टीम ने भारत को घर पर पटखनी दी, जो भारतीय क्रिकेट फैंस के दिलों में गहरी टीस छोड़ गया। घर पर झेली करारी हार वेस्टइंडीज की धरती पर टी20 वर्ल्ड कप में बेहतरीन प्रदर्शन और खिताबी जीत निश्चित रूप से साल का एक बड़ा सकारात्मक पल रहा। लेकिन घर में भारत को जि तरीके से हार झेलनी पड़ी उसने कई सवाल भी खड़े किए। इस साल एक विदेशी टीम ने भारत में आकर रोहित ब्रिगेड को क्लीन स्वीप कर दिया, जिसका असर भारतीय टीम पर लंबे अरसे तक देखने को मिलेगा। इस हार ने टीम इंडिया को ये भी सिखाया कि किसी भी टीम को कम आंकना अपने लिए नुकसान हो सकता है। फिर चाहे किसी वह किसी भी स्थान पर खेल रही हो। कीवियों ने भारत को रौंदा भारत और न्यूजीलैंड के बीच 2024 की तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत को हार मिली। भारत ने 2024 की शुरुआत में बांग्लादेश को टेस्ट सीरीज में हराया। इससे पहले के प्रदर्शन को देखते हुए भारतीय फैंस को उम्मीद थी कि भारत न्यूजीलैंड के खिलाफभी उसी तरह की शानदार सफलता हासिल करेगा। हालांकि, बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज हारने के बाद भारत आई न्यूजीलैंड की टीम ने भारत को पटखनी देते हुए अपने जख्मों पर भर-भर के मरहम लगाया। वहीं न्यूजीलैंड टीम का बेहतरीन प्रदर्शन ही था जिससे उन्हें भारत के खिलाफ बिना केन विलियमसन के ऐतिहासिक जीत मिली। भारत को 3-0 से क्लीन स्वीप करे बाद कीवी टीम ने पहली बार भारत में टेस्ट सीरीज में क्लीप स्विप का रिकॉर्ड अपने नाम किया। ये सीरीज भारतीय क्रिकेट के लिए एक बड़ी निराशा साबित हुई। क्योंकि टीम इंडिया अपने घर में किसी भी टीम के खिलाफ इतनी बड़ी हार से पहले कभी नहीं गुजरी थी। श्रीलंका ने भी पछाड़ा हालांकि, टीम इंडिया की इस साल की ये पहली बार नहीं थी। बल्कि इससे पहले भारत को श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज में भी हार झेलनी पड़ी। साल 2024 में भारतीय वनडे टीम के लिए एक बड़ी निराशा सामने आई जब श्रीलंका ने अपनी धरती पर भारत को 2-0 से मात दी। ये सीरीज कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेली गई। भारतीय बल्लेबाजों को श्रीलंका के युवा स्पिनरों दुनिथ वेलावेज और जेफ्री वेंडरसे के सामने संघर्ष करते देखा गया।

दिग्गज रेसलर रे मिस्टेरियो ने दुनिया को कहा अलविदा, द ग्रेट खली और जॉन सीना को दे चुके थे पटखनी

मैक्सिकन कुश्ती के स्टार रहे रे मिस्टेरियो सीनियर ने 66 वर्षीय की उम्र में अंतिम सांस ली है। इस दिग्गज के निधन रेसलिंग जगत में शोक का माहौल है। रे मिस्टेरियो सीनियर डब्ल्यूडब्ल्यूई स्टार रे मिस्टेरियो जूनियर के अंकल थे। वह पहली बार मेक्सिको में लूचा ब्रिके के एक बाग में प्रमुखता से आए थे। रे मिस्टेरियो सीनियर ने वर्ल्ड रेसलिंग एसोसिएशन और लूटा लिब्रे एएए वर्ल्ड वाइड समेत कई संगठनों के साथ टाइटल अपने नाम किये थे। रे मिस्टेरियो सीनियर कद में भले ही छोटे थे, लेकिन वह बहुत ही तेज तर्रार फाइटर थे। वह रिंग में दिग्गजों को टक्कर देते नजर आते थे। दिग्गजों के लिए भी रे मिस्टेरियो सीनियर को हराना आसान नहीं होता था। उनके लड़ने की तकनीक बेहद शानदार थी। लूचा लिब्रे एएए ने रे मिस्टेरियो सीनियर के निधन पर आधिकारिक बयान में कहा कि, हम रे मिस्टेरियो सीनियर के नाम से जाने वाले मिगुएल एंजेल लोपेज डायस के निधन पर शोक जताते हैं। हम उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं। बता दें कि, रे मिस्टेरियो सीनियर के परिजनों ने 20 दिसंबर को उनकी मृत्यु की पुष्टि की थी। बता दें कि, रे मिस्टेरियो सीनियर का रेसलिंग करियर काफी लंबा रहा। हालांकि, 2009 में उन्हों 51 साल की उम्र में आधिकारिक तौर पर रॉम् को अलविदा कह दिया था। उनके बाद उनकी इस विरासत को उनके भतीजे रे मिस्टेरियो जूनियर रॉम् में आगे बढ़ा रहे हैं।

लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक बनाने वाले भारतीय बने अनमोलप्रीत सिंह

अहमदाबाद । पंजाब के अनमोलप्रीत सिंह ने विजय हजारे एक दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के ग्रुप सी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफकेवल 35 गेंद पर शतक जड़ा जो लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक का भारतीय रिकॉर्ड है। अनमोलप्रीत की इस तूफानी पारी की बदौलत पंजाब ने अरुणाचल प्रदेश को नौ विकेट से करारी शिकस्त दी। अनमोलप्रीत को पिछले महीने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की नीलामी में कोई खरीदार नहीं मिला था लेकिन अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ उन्होंने अपने आक्रामक तेवरों का खुलकर प्रदर्शन करते हुए पूर्व भारतीय ऑलराउंडर यूसुफपठान का रिकॉर्ड तोड़ा। जिन्होंने 2009-10 में बड़ौदा की तरफ से महाराष्ट्र के खिलाफ 40 गेंद पर शतक लगाया था। अगर विश्व रिकॉर्ड की बात करें तो अनमोलप्रीत की पारी लिस्ट ए में सबसे तेज शतकों की सूची में तीसरे नंबर पर है। रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के जेक-फ्रेजर मैकगर्क के नाम पर है जिन्होंने 2023 24 में दक्षिण ऑस्ट्रेलिया की तरफ से तस्मानिया के खिलाफकेवल 29 गेंद पर शतक जड़ दिया था। उनके बाद दक्षिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स का नंबर आता है जिन्होंने 2014-15 में वेस्टइंडीज के खिलाफजोहानिसबर्ग में 31 गेंद पर शतक बनाया था। दाएं हाथ के बल्लेबाज अनमोलप्रीत ने 45 गेंद पर नाबाद 115 रन बनाए जिसने 12 चौके और नौ छक्के शामिल हैं। उनकी इस पारी की मदद से पंजाब ने केवल 12.5 ओवर में 165 रन का लक्ष्य हासिल कर दिया। पंजाब ने एक विकेट पर 167 रन बनाए। कप्तान अभिषेक शर्मा (10) के जल्दी आउट होने के बाद अनमोलप्रीत ने प्रभसिमरन सिंह (नाबाद 35) के साथ दूसरे विकेट के लिए 153 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को आसान जीत दिलाई। इससे पहले अरुणाचल प्रदेश की टीम 164 रन पर आउट हो गई थी। पंजाब की तरफ से तेज गेंदबाज अश्वनी कुमार और लेग स्पिनर मयंक मारकंडे ने तीन-तीन विकेट लिए।

बॉक्सिंग डे टेस्ट में शुभमन गिल की होगी अग्निपरीक्षा, एशिया के बाहर आंकड़े निराशाजनक

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। सीरीज के शुरुआती तीन मैच खेले जा चुके हैं। पर्थ में खेला गया पहला टेस्ट भारत ने जीता जबकि उसके बाद एडिलेड टेस्ट में उसे हार झेलनी पड़ी तो गाबा टेस्ट ड्रॉ रहा। वहीं भारतीय बल्लेबाज इस सीरीज में अभी तक फेल रहे हैं, वह उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। साथ ही टीम के स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल की फॉर्म भी टीम के लिए चिंता का विषय बन गई है, आखकर एशिया के बाहर उनके आंकड़े मायूस करते हैं।

भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा जैसे अनुभवी खिलाड़ी कुछ ही मैचों में भारत के लिए टेस्ट में खेलते हुए नजर आएंगे। जिसके बाद शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ियों पर टीम को संभालने की जिम्मेदारी होगी। गिल में सभी को भविष्य की झलक दिखती है और यही कारम है कि उन्हें टीम में लगातार मौके मिलते रहते हैं। लेकिन 2022 के बाद से एशिया के बाहर उनका प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है। गिल ने 2021 ब्रिसबेन टेस्ट के बाद से 16 पारियों में 17.80 की औसत से 267 रन बनाए हैं। उनका बेस्ट स्कोर 36 रन रहा है।

2021 में गिल ने 146 गेंदों में 91 रन की दमदार पारी खेली थी लेकिन उसके बाद से उनके बल्ले से रन नहीं निकले हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफजारी टेस्ट सीरीज में शुभमन गिल भारत के लिए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे हैं लेकिन तीन पारियों में वह उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। पर्थ में खेला गया पहला टेस्ट गिल ने नहीं खेला था।

आईओए के मामले सुलझाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं: जूनियर

नयी दिल्ली । युवा मामले और खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे ने यहां कहा कि सरकार 2036 ओलंपिक खेलों के लिए मजबूत और सफल बोली सुनिश्चित करने के लिए भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) में मतभेदों को सुलझाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

मुझे याद है कि हम इस बारे...अश्विन के रिटायरमेंट पर पत्नी इमोशनल पोस्ट शेयर कर मांगा ये वादा

38 वर्षीय स्पिनर ऑस्ट्रेलिया दौराब बीच में ही छोड़कर स्वदेश लौट आया। उन्होंने अपने पति से एक वादा मांग है। **प्रीति चाहता हैं कि अश्विन 14 साल के इंटरनेशनल करियर के बाद अब सिर्फ अपनी शर्तों पर जिंदगी जिएं। प्रीति ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो के साथ लिखा, मेरे लिए ये दो दिन बहुत धुंधले रहे। मैं सोच रही था कि मैं क्या कह सकता हूं।**

दिग्गज स्पिनर आर आश्विन ने हाल ही में इंडिया वर्सेस ऑस्ट्रेलिया गाबा टेस्ट ड्रॉ होने के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया। इस दौरान उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने फैसले के बारे में बताया। 38 वर्षीय स्पिनर ऑस्ट्रेलिया दौराब बीच में ही छोड़कर स्वदेश लौट आया। उन्होंने अपने पति से एक वादा मांग है। प्रीति चाहत है कि अश्विन 14 साल के इंटरनेशनल करियर के बाद अब सिर्फ अपनी शर्तों पर जिंदगी जिएं। प्रीति ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो के साथ लिखा, मेरे लिए ये दो दिन बहुत धुंधले रहे। मैं सोच रही था कि मैं क्या कह सकता हूं। क्या मुझे इसे अपने ऑल टाइम फेवरेट क्रिकेटर को ट्रिब्यूट के तौर पर लिखना चाहिए? या शायद मैं सिर्फ पार्टनर एंगल लूं? या शायद किसी फैन गर्ल का लव लेटर?

मुझे लगता है कि इसमें सबकुछ है। उन्होंने कहा, जब मैंने अश्विन की प्रेस कॉन्फ्रेंस देखी तो मेरे जहन में छोटे-बड़े पल आए। पिछले 13-14 सालों की कई यादें थीं, जिसमें शामिल हैं बड़ी जीत, प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड्स, एक इंटेंस गेम के बाद हमारे कमरे में सन्नाटा, गेम के बाद कुछ शामों में सामान्य से ज्यादा देर तक चले वाली शॉवर की आवाज, कागज पर पेंसिल की खरोंच, जब वह विचारों को लिख रहे होते हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।